{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 15 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 83
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	84,818.13
निफ्टी	-	25,898.55
सोना	-	1,30,750
चांदी	-	2,01,000
डॉलर	-	90.18

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

तब दक्षिण बैहर के गाँवों से माओवादी हर घर से एक बच्चे की मांग करते थे!!

कई गांवों से दर्जनों की संख्या में नक्सली अपने दलमों में भरती करते थे

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़ । बालाघाट

बालाघाट जिले के धुर नक्सल पीड़ित गाँवों के आदिवासी जनजाति समाज ने वह दिन भी देखा है जिसकी कल्पना मात्र से सिंहरन पैदा हो जाती है।

नब्बे के दशक से वर्ष 2000 आते आते इस समूचे बिरसा, बैहर, परसवाड़ा और लाँजी के जंगल इलाके में नक्सलियों की तुती बोलती थी. यहाँ पर उनका इतना असर था कि पुलिस और प्रशासन के हाँथ पाँव फूलने लगते थे. उन दिनों नक्सली किसी भी गाँव में अचानक जा पहुँचते और गाँव से अपने दलम में भरती के लिए जवान युवक युवतियों की मांग करते थे।

उन दिनों के परिस्थिति का अध्ययन करने वाले लोग बताते हैँ कि बालाघाट जिले से जितने भी लड़के लड़कियां नक्सली बने थे या नक्सल विचार धारा के समर्थक हुए थे वे सब नक्सलियों के जबरदस्त दबाव तथा उनके आतंक का विरोध ना कर सकने की वजह से चुप होकर अपने बच्चों को उनके साथ भेज दिया करते थे।

इन दिनों जब मध्य प्रदेशका बालाघाट जिला भी माओवादियों के आतंक से मुक्त हो गया। पिछले गुरुवार को इस घोषणा के बाद बालाघाट के माओवाद प्रभावित गांवों में आदिवासी निश्चिंत होकर रह सकेंगे। करीब पेंतीस सालों तक जारी रहे नक्सलियों के लाल आतंक समाप्ति के बाद अब राज्य सरकार को गांवों में बेहतर गवर्नेंस और व्यवस्था सुधारने पर जोर देना होगा, तभी माओवादी विचारधारा का समूल नाश हो सकेगा।और आदिम जन सरकारी तंत्र पर भरोसा करेंगे।

उन दिनों वास्तव में जिस डर और बिना सुविधाओं के आदिवासी अपने बीहड़ गांवों में दिन व्यतीत कर रहे थे, उन्हें अब बेहतर जीवन और विकास की आस बंधी है। क्योंकि वे अब तक मध्ययुगीन परिवेश में जीवन जी रहे थे. उन दिनों बालाघाट जिले के इन गांवों में माओवादियों के 'हर परिवार से चाहिए एक बेटा या बेटी' जैसे फरमान से भी आदिम समाज त्रस्त था. जिसके दिन बहुरने के आसार नजर आ रहे है ।

गाँवों से अपने साथ जबरदस्ती बच्चे लेने आ जाते थे!

नब्बे के दशक के शुरूआती वर्षो में मध्य प्रदेश में वर्ष 1992 से नक्सल वाद के आतंक ने यहाँ पर अपना प्रभाव जमाना शुरू किया था।

जो लगातार 38 सालों तक जिले को बांधे रखा. यहाँ पर पुलिस की अनेक चौकियां, थाने, कैम्प, आदि ना जाने कितने मदों पर हजारों करोड़ रूपये खर्च हुए मगर दृढ इच्छा शक्ति के यह समस्या ख़त्म नहीं हो पायी थी. विकास तथा मोबाईल क्रांति ने उनके पैर तोड दिए. इस प्रकार इस महायज्ञ में अब तक बालाघाट के 38 पुलिसकर्मियों के अलावा पचासों आम नागरिकों, ग्रामीणों को माओवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था।

बहुत पहले सोनगुड्डा, डाबरी, हर्रा नाला, बिठली, पितकोना, राशिमेटा चौरिया, मछुरदा, देवरबेली, बेलगाँव, माटे, कसंगी, बम्हनी गांव में जाकर नक्सली उनसे माओवादी हर परिवार से एक बेटा या बेटी की मांग करते हैं। यह भी उल्लेखनीय हैं कि गर्मी के दिनों में जब आदिवासी बच्चे छात्रावास छोड़ अपने घर आते थे, तब माओवादी अपना भर्ती अभियान चलाते थे। जो परिवार उन्हें बच्चा नहीं सौंपता, उसे वे जबरन उठा भी ले जाते थे और उन्हें ट्रेनिंग देकर हथियार चलाना सिखाते थे, उन दिनों हार्डकोर नक्सलियों के पास पुलिस से लूटी हुई आधुनिक मशीन गने हुआ करती थीं बाकि साधारण नक्सलियों के पास भरमार बन्दुकें हुआ करती थीं.

केंद्र सरकार ने 31 मार्च, 2026 से पहले देश को माओवादी हिंसा से मुक्त करने की घोषणा की है। वहीं बदले हुए हालात में जहाँ एक तरफ गाँव वालों का पहले की तरह सहयोग नहीं मिलना तथा मोबाईल आने से पुलिस या सुरक्षा बलों को उनकी उपस्थिति की सूचना मिलते रहने से उन्हें भटकना ज़्यादा पड़ रहा था. इस वज़ह से भी माओवादियों के पास हथियार डालने या मारे जाने का ही विकल्प बचा है।

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले को माओवादियो से मुक्त तो करवा दिया गया उधर जनता का भरोसा जीतना अब विकट स्थिति होगा। ऐसा नहीं हुआ तो परिस्थितियां बिगड़ भी सकती हैं। उन दिनों के इतिहास और जानकारों की बातों पर भरोसा करें तो पता चलता है कि माओवादियों से पहले जब इन्हीं की विचारधारा के कुछ एनजीओ वाले इन गांवों में आते थे तो वे विकास के नाम पर पुलिस और प्रशासन के खिलाफ गांववालों को भड़काकर माओवादियों के लिए जमीन तैयार करते थे। भोले-भाले ग्रामीण जब जाल में फंस जाते तो उन्हीं से माओवादियों की सहायता करवाते थे।

खास खबर

पॉक्सो मामले में कोर्ट ने आरोपी को सुनाई 20 साल की कठोर सजा

गोपेश्वर। जनपद चमोली के गोपीश्वर स्थित विशेष सत्र न्यायालय (पॉक्सो) ने एक बहुचर्चित मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू को दोषी करार दिया। कोर्ट ने आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास और 20 हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया है। जुर्माना अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतने का भी प्रावधान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट में राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू एवं अन्य आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा विचाराधीन था। मामले की सुनवाई विशेष सत्र न्यायाधीश, जिला चमोली (गोपीश्वर) की कोर्ट में हुई। न्यायालय ने साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और चिकित्सकीय प्रमाणों के आधार पर आरोपी राजेन्द्र सिंह को पॉक्सो के तहत दोषी पाया। वहीं, 302 एवं 201 के आरोपों में कोर्ट ने दोषमुक्त किया।

मेसी के इंडिया टूर प्रमोटर सताद्रु दत्ता को नहीं मिली राहत, 14 दिन की पुलिस हिरासत

नई दिल्ली। फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी के प्रस्तावित 'गॉट इंडिया टूर 2025' से जुड़े आयोजक और प्रमोटर सताद्रु दत्ता को कोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। रविवार को उन्हें बिधाननगर कोर्ट में पेश किया गया, जहां सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दे दिया।

सताद्रु दत्ता को बिधाननगर पुलिस ने शनिवार को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक, वह मेसी और उनके दल को हैदराबाद रवाना कराने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। दत्ता की गिरफ्तारी उस इवेंट के दौरान हुई कथित कुप्रबंधन के मामले में की गई है, जिसके बाद स्टेडियम में भारी हंगामा और तोड़फोड़ देखने को मिली थी।

पंकज चौधरी बने यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

लखनऊ ।यूपी भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने उनके नाम की घोषणा की। हालांकि शनिवार को एकमात्र नामांकन होने की वजह से पहले ही उनके नाम पर औपचारिक मुहर लग गई थी। लखनऊ के राम मनोहर लोहिया विवि कैंपस के सभागार में इसकी घोषणा की गई। इस मौके पर केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक, राष्टीय महामंत्री विनोद तावड़े प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन के केंद्रीय प्रभारी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, प्रदेश चुनाव अधिकारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने पंकज चौधरी की जीत की घोषणा की।

कुछ ना कहना

केरल में निकाय चुनाव में कांग्रेस ने की वापसी, लेफ्ट को लगा जोरदार झटका

बीजेपी शहरी इलाकों में हुई मजबूत, अब केरल की राजनीति का बदलेगा गणित

नई दिल्ली। केरल में स्थानीय निकाय चुनाव नतीजों ने 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल को साफ कर दिया है। सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) को इस चुनाव में भारी नुकसान हुआ है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में जोरदार वापसी की है। वहीं, बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने भी अपनी पकड़ मजबूत करते हुए केरल की राजनीति को सिर्फ लेफ्ट बनाम कांग्रेस की लड़ाई तक सीमित ना रहने देने के संकेत दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केरल में निकाय चुनावों को हमेशा विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जाता रहा है। इस बार के नतीजे लेफ्ट के लिए इस स्तर पर अनुकूल नहीं माने जा रहे हैं। राज्य के कई जिलों में यहां तक कि लेफ्ट के परंपरागत गढ़ों में भी उसे नुकसान हुआ है। कांग्रेस गठबंधन सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है, जबकि बीजेपी ने खासतौर पर शहरी इलाकों में अपनी मौजूदगी को मजबूत किया है। इससे यह संकेत मिल रहा है कि केरल की राजनीति अब पूरी तरह द्विध्रुवीय नहीं रह सकती।

बता दें छह नगर निगमों में से चार पर कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने जीत हासिल की, जबकि एक-एक नगर निगम एलडीएफ और एनडीए के खाते में गया। नगर पालिकाओं की बात करें तो 86 में से 54 पर यूडीएफ को जीत मिली, एलडीएफ 28 पर सिमट गया और एनडीए ने दो नगर पालिकाओं में सफलता हासिल की है। ग्राम पंचायत स्तर पर कांग्रेस गठबंधन ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और 941 में से 504 पंचायतों पर कब्जा जमाया। वहीं एलडीएफ को 341 और एनडीए को 26 पंचायतों में जीत मिली। ब्लॉक पंचायतों में एलडीएफ ने 63 और यूडीएफ ने 79 सीटें जीतीं, जबकि जिला पंचायत स्तर पर दोनों गठबंधनों को सात-सात सीटें मिलीं।

यह पहली बार है जब केरल के ग्रामीण स्थानीय निकायों में कांग्रेस ने इतनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। आमतौर पर पंचायत स्तर पर सीपीआई(एम) का मजबूत कैडर नेटवर्क और संगठनात्मक पकड़ मानी जाती रही है, लेकिन इस बार यह बढ़त भी कमजोर पड़ती दिखी। केरल के चुनावी इतिहास को देखें तो स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों के नतीजों के बीच मजबूत संबंध रहा है।

नितिन नबीन बनाए गए भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली । भाजपा के संसदीय बोर्ड ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से जारी आदेश के अनुसार यह नियुड्डक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगा। ऐसे में जेपी नड्डा के बाद अब पार्टी की जिम्मेदारी नितिन नबीन ही संभालेंगे। पार्टी की ओर से इस नियुक्ति को बिहार के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा की रणनीतिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है।

नितिन नबीन पांच बार के विधायक हैं। मौजूदा वक्त में वह पटना के बांकीपुर से विधायक हैं। बांकीपुर से इस बार नितिन नबीन पांचवीं बार विधायक बने हैं। नबीन छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रभारी भी हैं। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन कायस्थ समुदाय से आते हैं। 45 साल के नबीन सडक् निर्माण मंत्री हैं। इसी के साथ वह भाजपा नेता किशोर सिन्हा के बेटे हैं।

बता दें कि यह नियुक्ति 14 दिसंबर 2025 यानी आज से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इस संबंध में पार्टी की ओर से औपचारिक संगठनात्मक आदेश जारी किया है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस ने वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली में भरी हुंकार, राहुल बोले- इलेक्शन कमीशन भाजपा के लिए काम कर रहा, भागवत के लिए सत्ता, हमारे लिए सत्य जरूरी

भाजपा वोट चोरी से बनाती है सरकार, मोदीजी का कॉन्फिडेंस खत्म

नई दिल्ली । दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस ने वोट छोड़ गद्दी छोड़ रैली निकाली। पार्टी सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस खत्म हो गया है। अमित शाह के हाथ कांपते हैं। वो जानते हैं कि उनकी चोरी पकड़ी गई है। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि इन लोगों ने (केंद्र सरकार) ने हमारा वंदेमातरम् भी चोरी किया है। ये लोग नेहरू-पटेल के बीच दरार पैदा करते हैं।गांधी-नेहरू अंबेडकर पर हमला बोलते हैं। इन गद्दारों को आपको हटाना होगा। वहीं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि आज न्यायालय पर दबाव है। सारी मीडिया अंबानी-अडानी की है। कांग्रेस के नेताओं को तरह-तरह के आरोप लगाकर जेल में बंद किया गया। जो उनकी पार्टी में शामिल हो गए, उसे उनकी वॉशिंग मशीन ने साफ कर दिया।

इस अवसर पर पार्टी सांसद राहुल गांधी ने कहा कि आरएसएस चीफ मोहन भागवत कहते हैं कि विश्व सत्य को नहीं शक्ति को देखता है। भागवत के लिए सत्ता जरूरी है, जबकि हमारे लिए सत्य जरूरी। राहुल से पहले पार्टी महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि जीवन में वोट की कीमत समझना जरूरी है। आज न्यायालय पर दवाब है। सारी मीडिया अंबानी-अडानी की है। कांग्रेस के नेताओं को तरह-तरह के आरोप लगाकर जेल में बंद किया गया। जो उनकी पार्टी में शामिल हो गए, उसे उनकी वॉशिंग मशीन ने साफ कर दिया। इससे पहले रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। वोट चोर गद्दी छोड़ और मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगाए। कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध वाले बैनर लेकर पहुंचे हैं। इसमें लिखा है कि देश की जनता की अदालत का सबसे बड़ा गुनहगार कैदी नं. 420 ज्ञानेश कुमार। चुनाव आयोग बना है मोदी आयोग। इधर भाजपा ने पोस्टर जारी करते हुए लिखा कि तुम घुसपैठियों की सेवा में लगे रहो, हम देश की जनता की सेवा करते रहेंगे। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने बताया कि 'वोट चोरी' के खिलाफ करीब 55 लाख हस्ताक्षर जुटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सबूतों के साथ इस मुद्दे को उठाया है। रैली के बाद राष्ट्रपति से मुलाकात कर हस्ताक्षरों वाला ज्ञापन सौंपने का अनुरोध किया जाएगा।

देश में सत्य-असत्य की लड़ाई चल रही है

राहुल गांधी ने कहा कि जब मैं गाड़ी में आ रहा था तो मुझे बताया गया कि अंडमान में मोहन भागवत ने कहा विश्व सत्य को नहीं शक्ति को देखता है। ये आरएसएस की विचारधारा है।

एक हजार करोड़ की रकम हड़पने के आरोप में चार चीनी नागरिक समेत 17 के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक हजार करोड़ रुपए से अधिक की रकम हड़पने में संलिप्त एक अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क में शामिल होने के आरोप में चीन के चार नागरिकों समेत 17 लोगों और 58 कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने रविवार को बताया कि अक्टूबर में गिरोह का पर्दाफाश करने के बाद जांचकर्ताओं ने पाया कि यह एक सुनियोजित और संगठित सिंडिकेट था, जो जटिल डिजिटल और वित्तीय प्रणाली के जरिये कई तरह की धोखाधड़ियां कर रहा था। धोखाधड़ी के इन तरीकों में भ्रामक ऋण आवेदन, फर्जी निवेश योजनाएं, पोंजी और मल्टी-लेवल मार्केटिंग मॉडल, फर्जी पार्ट-टाइम नौकरी के ऑफर और फर्जी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म शामिल थे।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समूह ने 111 मुखौड़ा कंपनियों के जरिये अवैध धन के लेन-देन को छिपाया और 'म्यूल' खातों के जरिए करीब एक हजार करोड़ रुपए की हेराफेरी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से एक खाते में कम समय में 152 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जमा हुई थी। सीबीआई ने कहा कि ये मुखौटा कंपनियां 'डमी' निदेशकों, जाली या भ्रामक दस्तावेजों, फर्जी पतों और व्यावसायिक उद्देश्यों के बारे में झूठे हलफनामों के जरिए बनाई गई थीं। जांचकर्ताओं के मुताबिक यह घोटाला 2020 में शुरू हुआ था जब देश कोविड-19 महामारी से जूझ रहा था। आरोप है कि ये मुखौटा कंपनियां चार चीनी संचालकों जोउ यी, हुआन लियू, वेइजियान लियू और गुआनहुआ वांग के निर्देश पर स्थापित की गई थीं।

सीबीआई ने 4 चीनी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की

-100 से ज्यादा फर्जी कंपनियां बनाईं, करीब 1 हजार करोड़ की साइबर धोखाधड़ी की

नई दिल्ली । केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अंतरराष्टीय साइबर अपराध में शामिल चार चीनी नागरिकों और 58 कंपनियों सहित 17 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। अधिकारियों ने रविवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन आरोपियों ने सौ से अधिक फर्जी कंपनियां बनाईं और एक हजार करोड़ से अधिक की साइबर धोखाधड़ी की। ये सभी साइबर धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराष्टीय नेटवर्क से जुड़े थे, जो शेल कंपनियों के जरिए धोखाधड़ी करते थे। यह नेटवर्क पोंजी योजनाओं और मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) मॉडल के साथ-साथ फर्जी ऐप और नौकरी के प्रस्तावों के माध्यम से लोगों को धोखा दे रहा था।

सीबीआई ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से मिली जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद बीते अक्टूबर महीने में साइबर धोखाधड़ी वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ था। जांच टीमों ने इस संगठित नेटवर्क का पता लगाया था, जो अलग-अलग तरह के सायबर फ्रॉड करता था। ये साइबर ठग फर्जी लोन, फर्जी निवेश योजनाएं का लालच देकर लोगों को अपनी जाल में फंसाते थे। जांच के दौरान पाया गया कि साइबर जालसाजों ने एक अत्यधिक जटिल, तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें असली नियंत्रकों की पहचान छिपाने और कानून प्रवर्तन की जांच से बचने के लिए गूगल विज्ञापनों, बल्क एसएमएस अभियानों, सिम-बॉक्स मैसेजिंग सिस्टम, क्लाउड सर्वर, फिनटेक प्लेटफॉर्म और दर्जनों फर्जी बैंक खातों का लाभ उठाया गया।

111 शेल कंपनियों का पर्दाफाश

जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि इस ऑपरेशन के केंद्र में 111 फर्जी शेल कंपनियां थीं। इन शेल कंपनियों को फर्जी निदेशकों, फर्जी डॉक्यूमेंट्स और फर्जी पते का इस्तेमाल करके बनाया गया था। जांच में यह भी पता चला कि इन कंपनियो में सैकड़ों बैंक खातों के जरिए 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की रकम ट्रांसफर की गई थी। इस खुलासे के बाद सीबीआई ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, झारखंड और हरियाणा में कई जगह छापेमारी की थी। जांच के दौरान इन शेल कंपनियों में विदेशी नागरिकों के संलिप्त होने की भी जानकारी सामने आई थी। इनकी पहचान जू यी, हुआन लियू, वेइजियान लियू और गुआनहुआ वांग के रूप में हुई है।

दिल्ली में खतरनाक वायु प्रदूषण यह सब अमीरों के चोचले हैं-बाबा रामदेव

घर के अंदर बैठिए अनुलोम-विमोम करिए, मास्क पहनने की दी सलाह

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में खतरनाक स्तर के प्रदूषण को लेकर योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि यह सब अमीरों के चोचले हैं। उन्होंने प्रदूषण से खुद को बचाने के व्यायाम भी बताए। एक टीवी चैनल से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा देखिए, जब देश विकास कर रहा है तो कुछ धूल तो उड़ेगी ही। उन्होंने कहा कि कभी-कभी दिल्ली गैस चैंबर बन जाती है। ऐसे में आप लोगों को अपने घरों में पर्दा डालकर रखना चाहिए। 15-20 दिन में एक बार उन्हें साफ कर लीजिए और मास्क पहनकर रखिए। उन्होंने कहा कि घर के अंदर बैठिए और अनुलोम-विमोम करिए, कपालभाति करिए। एयर प्यूरिफायर के बारे में सवाल करने पर उन्होंने कहा कि यह सब केवल अमीरों के चोचले हैं। बता दें राजधानी दिल्ली में गंभीर श्रेणी के वायु प्रदूषण के बीच एक बार फिर ग्रैप-3 लागू कर दिया गया है। ऐसे में 50 फीसदी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के मोड से काम करने और स्कूलों को हाइब्रिड मोड पर चलाने का आदेश दिया गया है। दिल्ली के प्रदूषण को देखते हुए कार्डियोलॉजिस्ट ने लोगों को कई सुझाव दिए थे। उनमें से एक एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करना भी था। उन्होंने कहा था कि बाहर निकलने पर लोग एन-95 मास्क का इस्तेमाल करें। इसके अलावा घरों के अंदर इंडोर प्लांट्स लगाएं और एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा बच्चों और बुजुर्गों को घर में रखने की सलाह दी गई थी। 13 दिसंबर के परिपत्र के मुताबिक शिक्षा निदेशालय, एनडीएमसी, एमसीडी और दिल्ली छावनी बोर्ड के अंतर्गत आने वाले सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को अगले आदेश तक जहां भी संभव हो, ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्रकार की कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया गया है।

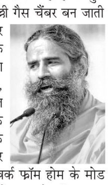

आकाशवाणी चौक में अतिक्रमण हटाने के नोटिस से निवासियों में हड़कंप

समय सीमा में नही हटा अतिक्रमण तो प्रतिदिन 2 हजार का जुर्माना, विधायक बोलीं पहले पुनर्वास, फिर कार्यवाहीं हो

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के आकाशवाणी क्षेत्र में निवास करने वाले लगभग 30 से 40 परिवार अपनी समस्याओं को लेकर विधायक अनुभा मुंजारे के पास पहुंचे। रहवासियों ने बताया कि उन्हें तहसीलदार कार्यालय से नोटिस मिला है, जिसमें शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर मकान निर्माण का उल्लेख करते हुए तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। नोटिस में यह भी कहा गया है कि 18 दिसंबर तक भूमि खाली नहीं करने पर प्रतिदिन 2,000 रुपये का दंड लगाया जाएगा, जिससे क्षेत्र में भय और असंतोष का माहौल है। रहवासियों का कहना है कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं और यदि उन्हें हटाया जाता है तो पहले पुनर्वास की व्यवस्था व मकानों के अनुसार मुआवजा दिया जाए, इसके बिना वे मकान खाली नहीं करेंगे। शहर के आकाशवाणी क्षेत्र से लेकर वेटरिनरी कॉलोनी तक सड़क के किनारे बीते कई वर्षों से निवास कर रहे लगभग 30 से 40 परिवारों पर अब विस्थापन का संकट गहरा गया है। इन परिवारों की कुल आबादी 300 से अधिक बताई जा रही है, जो लंबे समय से उक्त स्थान पर अपने मकान बनाकर रह रहे हैं। अब तहसील न्यायालय द्वारा इन सभी परिवारों को वहां से हटने के लिए नोटिस जारी किया गया है, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन की ओर से बताया जा रहा है कि जिस शासकीय भूमि पर ये लोग निवास कर रहे हैं, वहां तहसील कार्यालय का निर्माण प्रस्तावित है, जिसका कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया है। इसी कारण सड़क किनारे की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई की जा रही है।

तहसील न्यायालय से जारी नोटिस में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि संबंधित परिवार बीते कई वर्षों से सड़क किनारे स्थित शासकीय भूमि पर अवैध रूप से मकान निर्माण कर निवास कर रहे हैं। नोटिस के अनुसार यदि 18 दिसंबर तक उक्त मकान

खाली नहीं किए जाते हैं, तो उसके पश्चात संबंधित परिवारों से प्रतिदिन 2000 रूपये की दर से अर्थदंड वसूला जाएगा। इस नोटिस के बाद क्षेत्र में निवासरत परिवारों में भय, चिंता और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि अचानक इस प्रकार की कार्रवाई से उनके सामने रहने और जीवन-यापन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि वे कई वर्षों से उसी स्थान पर रह रहे हैं, वहीं उनके बच्चों की पढ़ाई, रोजगार और दैनिक जीवन से जुड़ी सभी गतिविधियां संचालित हो रही हैं। ऐसे में बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के वहां से हटना उनके लिए संभव नहीं है। लोगों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि प्रशासन उन्हें हटाना चाहता है तो पहले उन्हें रहने के लिए उचित स्थान उपलब्ध कराया जाए और उनके मकानों की लागत के अनुरूप मुआवजा राशि प्रदान की जाए। मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था के बिना वे किसी अन्य स्थान पर नहीं जाएंगे। इसी गंभीर समस्या को लेकर वार्डवासी एकजुट होकर बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे के समक्ष पहुंचे और अपनी पीड़ा साझा की।

वार्डवासीयों ने रखी अपनी समस्या

पावर हाउस और आकाशवाणी क्षेत्र के पास निवास करने वाले संतोष मालवीय एवं चित्ररेखा ने अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि वे कई वर्षों से उक्त भूमि पर मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से शांतिपूर्वक रह रहे परिवारों को अब अचानक विभाग द्वारा हटने के निर्देश दिए जा रहे हैं, जिससे उनके सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। जबकि इन दिनों उनके बच्चों की स्कूली परीक्षाएं चल रही हैं। ऐसे समय में मकान खाली करने का नोटिस मिलना परिवारों के लिए मानसिक तनाव का कारण बन गया है। लोगों का कहना है कि इस स्थिति में वे अपने बच्चों को लेकर कहां जाएंगे। नोटिस मिलने के बाद क्षेत्र में भय और सदमे का माहौल है। उनका आरोप है कि इस मानसिक तनाव के चलते कुछ वार्डवासियों गहरे सदमे में चले गए हैं, इस पूरे घटनाक्रम ने क्षेत्र के लोगों को अंदर तक झकझोर कर रख दिया है। रहवासियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि विभाग उन्हें उक्त स्थान से हटाना चाहता है तो पहले उन्हें किसी निश्चित और सुरक्षित स्थान पर भूमि उपलब्ध कराई जाए तथा मकान निर्माण के लिए उचित मुआवजा राशि प्रदान की जाए।

पहले समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए-अनुभा मुंजारे

इस संबंध में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि जिस प्रकार से विभाग द्वारा आज वार्डवासियों को हटाने की बात कही जा रही है, वह निश्चित रूप से चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश हटाने की प्रक्रिया की जा रही है तो मानवीय संवेदना के तहत प्रभावित परिवारों के लिए पहले समुचित वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए। विधायक मुंजारे ने बताया कि इससे पूर्व उनकी विभागीय अधिकारियों से इस विषय पर चर्चा हुई थी, उस दौरान अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया था कि फिलहाल वहां से रहवासियों को हटाने की कोई योजना नहीं है। इसके बावजूद अब अचानक नोटिस जारी कर दिए गए हैं, जो उचित नहीं है।उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए वार्डवासियों के हित में निर्णय लेना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने किया था 3100 रु समर्थन मुख्य का वादा, मोहन यादव मुकर गए

आप की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न, सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की बनाई रणनीति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में आम आदमी पार्टी जिला इकाई की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।आयोजित इस बैठक में धान का समर्थन मूल्य सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें सर्व सहमति से विभिन्न मुद्दों को लेकर आगामी समय में सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन शुरू किए जाने की रणनीति बनाई गई है,आयोजित इस बैठक के दौरान पदाधिकारियो द्वारा बताया गया कि बालाघाट जिला धान उत्पादक जिला है और मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री

शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया था कि अगर प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनी तो सरकार 3100 रु प्रति क्विंटल के हिसाब से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी करेगी, ।लेकिन सरकार बनने के बाद शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय कृषिमंत्री बन गये और बीजेपी और नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने वादे से मुकर गये ।जो वादे के अनुसार अब तक धान उत्पादक किसानों से 3100 रु प्रति क्विंटल के हिसाब से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी नही कर रहे है। जबकि प्रदेश के बालाघाट जिले से लगे छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का सरकारी रेट 3100रु प्रति क्विंटल है जो खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के लिए घोषित किया गया है और यह खरीदी 15 नवंबर 2025 से शुरू होकर 31 जनवरी 2026 तक चलेगी ।जिसमें प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी होगी ।धान खरीदी में यह भिन्नता बालाघाट सहित मध्यप्रदेश के किसानों के साथ घोर अन्याय और शोषण है। किसानों को विद्युत की आपूर्ति का समय और उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर लगाने की बाध्यता और उससे बड़े बिलों के भुगतान से जनता का शोषण व अन्याय है ।अत: बालाघाट जिले के धान उत्पादक किसानों के साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ आम आदमी पार्टी जिला बालाघाट डॉ.मोहन यादव सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ लगातार संघर्ष कर रही है ।इन मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी जिला बालाघाट अब निर्णायक और चरणबद्ध आंदोलन करेगी ।आम आदमी पार्टी जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में आंदोलन करेगी ।उसी आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने के लिए बालाघाट मुख्यालय मे आवश्यक बैठक आहूत की गई ।बैठक के दौरान आप जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल, रजनीश नायडू, शरद जैन, रामचंद्र सिहोरे, गोरेलाल राहंगडाले, सुरेश सिंग कारे,मस्तराम डाहारे, भीमसेन ठाकरे, दिनेश बघेले, योगराज ठाकरे, फिरोज नियाजी, प्रदीप नागेश्वर, संतोष अहीगारे, अंकित जैतवार सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।इस दौरान विधानसभाओं के सभी पूर्व पदाधिकारी और जमीनी कार्यकर्ताओं सहित जागरूक किसानो ने भी आंदोलन की रूपरेखा बनाने आवश्यक सुझाव रखे।

छाया को उसके भतीजे ने सिर में लाठी मार कर किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चुटिया में एक व्यक्ति को उसके भतीजे ने लाठी से मारपीट कर घायल कर दिया। बीती रात यह घटना आपकी रंजिश के चलते हुई। घायल व्यक्ति जीवनलाल पिछोड़े 50 वर्ष को खैरलांजी के अस्पताल में भर्ती किया गया। और इस व्यक्ति की पत्नी गुणवंती पिछोड़े 45 वर्ष के द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भतीजे श्रावण पिछोड़े के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवनलाल अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी गुणवंती और बेटा राजकुमार है बताया गया है कि जीवनलाल का उसके भतीजेश्रावण के साथ पुरानी रंजिश बनी हुई है और श्रावण आए दिन रामकुमार को गालियां देते रहता है ।12 दिसंबर की रात्रि 10:00 बजे करीब जीवनलाल अपनी पत्नी गुणवंती और लड़का रामकुमार के साथ खाना खाकर सो गए थे तभी उसका भतीजा श्रावण जोर जोर से अश्लील गालियां देने लगा था। आवाज सुनकर जीवनलाल अपनी पत्नी गुणवंती और बेटा रामकुमार के साथ उठे और श्रावण को समझा रहे थे। तभी श्रावण ने आवेश में आकर अपने चाचा जीवनलाल को सिर में लाठी से वार कर दिया। सिर में लाठी का वार पड़ने से जीवनलाल जमीन में गिर गया और बेहोश हो गया था। इस दौरान श्रावण ने गुणवंती और उसके बेटे रामकुमार के साथ भी झूमाझटकी कर उन्हें जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल जीवनलाल को रात्रि में ही खैरलांजी के साथ किया अस्पताल में भर्ती किया गया और उसकी पत्नी गुणवंती ने इस घटना की रिपोर्ट खैरलांजी पुलिस थाना ने की थी। खैरलांजी पुलिस ने गुणवंती पिछोड़े द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भतीजे श्रावण पिछोड़े के विरुद्ध मारपीट

मोटराइज्ड ट्रायसिकल मिलने से दशरथ के जीवन की दशा और दिशा बदली

दशरथ के लिए दिव्यांगता बाधा नहीं, आत्मनिर्भरता की पहचान बन गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के बिरसा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम देवरी (ठे), ग्राम पंचायत भण्डारपुर के निवासी दशरथ सिंह नेताम (52 वर्ष) आज आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की प्रेरणादायक मिसाल हैं। अनुसूचित जनजाति (गोंड) समुदाय से आने वाले दशरथ सिंह नेताम शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं, लेकिन उनके हौसले और संघर्ष ने कभी उन्हें परिस्थितियों के आगे झुकने नहीं दिया। सीमित शिक्षा और शारीरिक चुनौती के कारण जीवन की राह उनके लिए आसान नहीं रही। कक्षा तीसरी तक ही पढ़ाई कर पाने वाले दशरथ सिंह नेताम, बीपीएल कार्डधारी हैं और वर्षों तक आर्थिक तंगी से जूझते रहे। रोजगार के सीमित अवसर और आवागमन की कठिनाइयों ने उनके संघर्ष को और कठिन बना दिया था। लेकिन जीवन में परिवर्तन की शुरुआत तब हुई जब शासन द्वारा उन्हें मोटराइज्ड ट्रायसिकल प्रदान की गई। यह केवल एक साधन नहीं, बल्कि उनके लिए आत्मनिर्भरता की चाबी साबित हुई। अब वे स्वयं बाजार जाकर ऑटो पार्ट्स और साइकिल का सामान लाते हैं और अपनी पंक्चर दुकान का संचालन पूरे आत्मविश्वास के साथ करते हैं। इस छोटे से व्यवसाय से उन्हें प्रतिदिन 200 से 300 रुपये की नियमित आय हो रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। शासन की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने उनके जीवन को और मजबूती दी है। नि:शक्त पेंशन योजना के अंतर्गत उन्हें प्रतिमाह 600 रुपये की पेंशन सीधे बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से हर माह 35 किलोग्राम राशन मिलने से परिवार की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। वहीं, आयुष्मान कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं में भी कमी आई है। आर्थिक सशक्तिकरण का सकारात्मक प्रभाव उनकी सामाजिक स्थिति में भी साफ झलकता है। स्वयं का व्यवसाय करने से समाज में उनका मान-सम्मान बढ़ा है। वे आज न केवल पंक्चर की दुकान चला रहे हैं, बल्कि कृषि कार्य भी आत्मविश्वास के साथ स्वयं कर रहे हैं। दशरथ सिंह नेताम शिक्षा के महत्व को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने अपने बेटे को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया है, जो वर्तमान में कक्षा 9 में अध्ययनरत है। उनका मानना है कि शिक्षा ही आने वाली पीढ़ी के लिए सशक्त भविष्य की नींव रखती है। दशरथ सिंह नेताम भावुक होते हुए कहते हैं, शासन की योजनाओं और सहयोग से मुझे केवल चलने का साधन ही नहीं मिला, बल्कि आत्मसम्मान के साथ जीने का अवसर भी मिला है। दशरथ की यह कहानी बताती है कि सही समय पर मिला सहयोग, इच्छाशक्ति और परिश्रम के साथ मिलकर किसी भी चुनौती को अवसर में बदल सकता है। वे आज न केवल अपने परिवार का सहारा हैं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बन चुके हैं।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/94/24/अति.कले./वि.अधि./2025 बालाघाट दिनांक 01/12/2025

-::आम-सूचना:-

विशेष विवाह अधिनियम १९५४ की धारा ५ के अंतर्गत विशेष विवाह हेतु आवेदकगण आवेदक ओमप्रकाश यादव उम्र ३३ वर्ष पिता श्री बाबुलाल यादव जाति अहिर निवासी हाउस नं. २२/३३८ दुर्गा नगर बजरंग मंदिर के पास पंडरी रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.) एवं आवेदिका कल्पना भौतेकर उम्र ३१ वर्ष, पिता श्री हीरामन भौतेकर जाति महार निवासी वार्ड नं. १२ ग्राम जरेरा पोष्ट कुम्हारी तहसील व जिला बालाघाट (म.प्र.) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें विशेष विवाह हेतु सुनवाई दिनांक ०७/०१/२०२६ को नियत की गई है।

अत: उक्त विवाह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक ०७/०१/२०२६ तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रात: १०.०० बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप से प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं यिका जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

51 साल बाद फिर छात्र बने उत्कृष्ट विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी

बाल सखा मिलन समारोह' में गूंजा राष्ट्रगान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के पूर्व छात्रों द्वारा 51 वर्ष बाद विद्यार्थी बाल सखा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम 13 और 14 दिसंबर को संपन्न हुआ, जिसमें बचपन की यादों को फिर से जीवंत करने का अनूठा प्रयास देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतिम दिन पूर्व छात्र विद्यालय के नियमों के अनुसार समय पर स्कूल पहुंचे। सबसे पहले राष्ट्रगान का गायन किया गया, इसके बाद सभी ने स्कूली विद्यार्थियों की तरह कक्षाओं में बैठकर कक्षा संचालन और अटेंडेंस जैसी गतिविधियों में भाग लिया। करीब 70 वर्ष की उम्र के इन बुजुर्ग पूर्व छात्रों ने अनुशासन के साथ कार्यक्रम को संचालित कर यह संदेश दिया कि शिक्षा और मित्रता की भावना उम्र की सीमाओं से परे होती है। पूरे विद्यालय परिसर में इस आयोजन के दौरान भावुकता, आनंद और पुरानी यादों का माहौल बना रहा। इस आयोजन को लेकर पूर्व छात्र अभय कोचर और डॉ. बी.एम. शरणागत ने बताया कि मिलन समारोह को मनाने की रणनीति बीते डेढ़ वर्षों से बनाई जा रही थी, जबकि इसकी अंतिम रूपरेखा लगभग दो माह पूर्व तैयार की गई। इस समारोह में लगभग 70 वर्ष की आयु के बुजुर्ग पूर्व छात्र शामिल हुए, जो कनाडा, मुंबई, दिल्ली, भोपाल, बिलासपुर, रायपुर, सिवनी और छिंदवाड़ा जैसे शहरों से समय निकालकर अपने स्कूली साथियों से मिलने बालाघाट पहुंचे। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक-दूसरे से मिलकर अपने छात्र जीवन की यादें और बीते पल साझा किए। कार्यक्रम के अंतिम दिन सभी पूर्व छात्र अपने पुराने विद्यालय, वर्तमान शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय जो पूर्व में गवर्नमेंट स्कूल के नाम से जाना जाता था । विद्यालय के निर्धारित नियमों का पालन करते हुए सबसे पहले प्रार्थना की गई, इसके बाद सभी अपने-अपने कक्षाओं में पहुंचे, जहां प्रतीकात्मक रूप से अटेंडेंस ली गई। पूर्व छात्रों ने विद्यालय परिसर और अन्य कक्षाओं का भ्रमण कर अपने पुराने दिनों को याद किया। जब बुजुर्ग पूर्व छात्र एक बार फिर स्कूल के प्रांगण और अपनी कक्षाओं में पहुंचे, तो कई भावुक हो उठे, वहीं कुछ की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कभी इसी विद्यालय में पढ़ने वाले ये विद्यार्थी आज समाज और देशसेवा के भाव से विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं ।

ग्राम डोंगरिया में अनुसूचित जाति के युवक से की मारपीट-दी मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम डोंगरिया में अनुसूचित जाति के एक युवक को लाठी से मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। 13 दिसंबर को सुबह यह घटना किसी आपसी रंजिश के चलती हुई। मारपीट में घायल युवक अजीत पिता नरेश अग्ने 23 वर्ष का इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया गया और इस युवक द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैलांजी पुलिस ने सुरेंद्र राउत के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जान शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजीत अग्ने मजदूरी करता है। जिसकी गांव के सुरेंद्र राउत से किसी बात को लेकर रंजिश बनी हुई थी। और सुरेंद्र राउत पिछले दो दिन से अजीत अग्ने को अश्लील गालियां देकर मारने पीटने की धमकी देते आ रहा था। 13 दिसंबर को सुबह 10:00 बजे अजीत अग्ने गांव में ही दुकान से सामान खरीद कर घर आ रहा था। तभी गांव की सुभाष टोली के चौक में सुरेंद्र राउत पान ठेले के पास बैठा हुआ था और वह अजीत अग्ने को देखकर जातिगत अश्लील गालियां देने लगा और अजित अग्ने आज के बाद इधर दिखने जान से जान से मारने की धमकी देने लगा था ।अजीत अग्नि ने उसे गाली देने से मना किया। तभी सुरेंद्र राउत ने आकर अजीत अग्नि के सीने और दाहिने हाथ मे काट दिया। इसके बाद सुरेंद्र राउत ने अजीत को जातिगत गालियां देते हुए हाथ बुक्के से मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। गांव के लोगों ने ही बीच बचाव किये। इसके बाद अजीत अग्ने रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचा ।खैरलांजी पुलिस ने अजीत अग्ने का इलाज और मुलाहिजा अपने यहां के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर सुरेंद्र राउत के विरुद्ध जातिगत अश्लील गालियां देकर अपमानित कर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी और देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

आवश्यकता है
दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
पद-03 पद
मिलने का समय प्रातः-10.30 से रात्रि 8.30 बजे तक
संपर्क करें-गीता प्लाई एण्ड हार्डवेयर सिंधु भवन के बाजु में गोंदिया रोड, बालाघाट
मो.-9425139039

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अपना शहर

महिला ने किया कीटनाशक का सेवन

पति से परेशान थी उपासना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम अमोली में अपने पति और बच्चों के साथ रह रही एक महिला ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली। कीटनाशक दवाई के सेवन से बेहोश महिला उपासना पति जयप्रसाद मदनकर 28 वर्ष ग्राम धारावासी थाना लालबर्रा निवासी है। इस महिला के द्वारा पति की हरकतों से परेशान होकर कीटनाशक दवाई का सेवन करना बताया जा रहा है। जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उपासना मदनकर मूल रूप से ग्राम

धारारावासी की रहने वाली है। जो पिछले तीन वर्षों से अपने पति और तीन बेटों के साथ ग्राम अमोली में रहकर पति के साथ ही मजदूरी करती है। जिसकी सास कलाबाई अपने दो बेटों के साथ धारावासी में ही रहती है।बताया गया है कि उपासना मदनकर का पति जयप्रसाद मदन कर शराब पीने का आदी है और वह उठाई गिरी भी करता है। उपासना अपने पति जयप्रसाद मदन कर की हरकतों से परेशान रहने लगी थी। दो दिन पहले ही जयप्रसाद मदनकर के ऊपर तीन कट्टी धान चोरी करने के भी आरोप उन्हीं के रिश्तेदारों ने लगाए थे। इस कारण से भी उपासना और परेशान हो चुकी थी। 13 दिसंबर को सुबह इसी पारिवारिक मानसिक तनाव के चलते उपासना ने घर में रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली। जिसे लालबर्रा के अस्पताल में भर्ती किया गया था।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उपासना को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। 14 दिसंबर को लालबर्रा पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचकर उपासना और उसके जिला अस्पताल में उपस्थित रिश्तेदारों के बयान दर्ज किए हैं। इस मामले की आगे जांच लालबर्रा पुलिस द्वारा की जा रही है।

तथ्य : खसरा नं. 4/1 में 20 एकड़ भूमि 20 साल पहले दी गयी औषधालय के लिये पर नपा ने बना दिया डंपिंग यार्ड!!

वर्षों से झेल रहे ग्रामीण प्रदूषण की मार याचिकाकर्ता ने कहा क्षतिपूर्ति वसूलना समस्या का समाधान नहीं

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पर्यावरण प्रदूषण को लेकर एनजीटी ने नगर पालिका बालाघाट पर 17.67 करोड़ रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिस पर याचिकाकर्ता और रेंगाटोला के सरपंच प्रतिनिधि से चर्चा करने पर उन्होंने स्पष्ट किया कि वे नगर पालिका पर आर्थिक दंड लगाए जाने से वह संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि जुर्माना वसूलने के बजाय कचरा संग्रह केंद्र की व्यवस्था को सुव्यवस्थित तरीके से सुधारना अधिक आवश्यक है। कचरा संग्रह केंद्र को ऐसे स्थान पर संचालित किया जाना चाहिए, जहां उससे आमजन और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। वर्तमान स्थान पर इसके संचालन से आसपास के कई गांवों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो उचित नहीं है। जिस भूमि पर वर्तमान में कचरा संग्रह केंद्र संचालित किया जा रहा है, वह भूमि पहले औषधालय निर्माण के नाम पर ली गई थी, बाद में भूमि का मद परिवर्तन कर दिया गया। इस निर्णय का खामियाजा आज रेंगाटोला सहित आसपास के कई गांवों को भुगतना पड़ रहा है।

नगर पालिका द्वारा संचालित हो रहे कचरा संग्रह केंद्र पर पर्यावरण प्रदूषण फैलने के मामले में एनजीटी ने करोड़ों रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के आदेश जारी किए हैं, लेकिन इसके बावजूद आसपास के ग्रामीणों और आमजन में असंतोष बना हुआ है। रेंगाटोला ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि शुभम बिसेन ने कचरा संग्रह केंद्र को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 से 2005 के बीच, जब रेंगाटोला और जाकपुर एक ही पंचायत हुआ करती थी और उस समय भूलनबाई सरपंच थीं, तब बालाघाट नगर पालिका द्वारा वर्तमान कचरा संग्रह केंद्र की भूमि औषधालय निर्माण के नाम पर मांगी गई थी। सरपंच प्रतिनिधि के अनुसार, उक्त भूमि पर कभी औषधालय नहीं बनाया गया। इसके बाद तत्कालीन कलेक्टर और उस समय सत्ता पक्ष में रहे जनप्रतिनिधियों के माध्यम से लगभग 15 से 20 एकड़ भूमि का मद परिवर्तन करवा दिया गया, जिससे यह जमीन रेंगाटोला ग्राम पंचायत से निकलकर नगर पालिका बालाघाट के अधिकार में चली गई। उन्होंने बताया कि आज भी कचरा संग्रह केंद्र का हिस्सा ग्राम पंचायत के परिसीमन क्षेत्र में आता है, लेकिन भूमि का मद परिवर्तन के कारण पंचायत के अधिकार समाप्त हो गए। इसके चलते ग्राम पंचायत और आसपास के गांवों के ग्रामीणों द्वारा प्रदूषण के विरोध में कई बार धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किए गए, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। आज तक कचरा संग्रह केंद्र को वहां से हटाया नहीं गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कचरा संग्रह केंद्र से उठने वाली तेज दुर्गंध और प्रदूषित हवा पूरे क्षेत्र में फैल रही है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है और कई बीमारियों की आशंका बनी हुई है। शुभम बिसेन ने यह भी दावा किया कि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पहले बालाघाट नगर पालिका द्वारा शहर मुख्यालय से लगे टेकाडी क्षेत्र में कचरा संग्रहण और डंपिंग की जाती थी, लेकिन अधिक वित्तीय और परिवहन खर्च होने के कारण बाद में रेंगाटोला में कचरा संग्रह केंद्र स्थापित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आज भी नगर पालिका की फाइलों में टेकाडी क्षेत्र का ही नाम दर्ज है, जबकि वास्तविकता में कचरा रेंगाटोला में डाला जा रहा है।

क्षतिपूर्ति वसूलना समस्या का समाधान नहीं है - प्रजेश बिसेन

याचिकाकर्ता प्रजेश बिसेन का कहना है कि केवल करोड़ों रुपये की पर्यावरण क्षतिपूर्ति वसूलना समस्या का समाधान नहीं है। एनजीटी के आदेशों के बाद भी नगर पालिका द्वारा उसी स्थान पर कचरा फेंका जा रहा है और अब भी पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन हो रहा है। कचरा संग्रह केंद्र का अपशिष्ट पदार्थ वैनगंगा नदी तक पहुंच रहा है, जिससे नदी के साथ-साथ आसपास के गांव भी प्रभावित हो रहे हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते इसका स्थायी समाधान नहीं निकाला गया,

तो यह भविष्य में एक बड़े पर्यावरणीय संकट को जन्म दे सकता है। नगर पालिका को इस कचरा संग्रह केंद्र को आबादी से दूर किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करना चाहिये , जहां आमजन को नुकसान न पहुंचे ।

आदिवासी संगठनों ने कहा-जनगणना में धर्म का कॉलम अलग से दो

अखिल भारतीय आदिवासी धर्म परिषद की बैठक सम्पन्न, कहा- आजादी के 75 वर्ष बाद भी आदिवासियों को नही मिला हक अधिकार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

आजादी के 75 वर्ष से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी आदिवासी समाज को पूर्ण रूप से उनके हक अधिकार नही मिल पाए है।वही आदिवासी समाज के उत्थान के लिए बनाए गए नियम कानून महज कागजो में लागू है।उनका पालन आज भी पूर्ण रूप से नही किया जा रहा है।और ना ही आदिवासी समाज को जनगणना में उनके धर्म का कालम दिया गया है।आदिवासी समाज के कुछ ऐसे ही ज्वलंत राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर रविवार को स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल सभागार में आदिवासी संगठनों की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित इस बैठक में प्रमुख रूप से झारखंड, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र सहित मध्यप्रदेश के आदिवासी संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। जिसमे प्रमुख पदाधिकारियो ने अलग अलग संगठनों और समूह से जुड़े आदिवासी समाज को एक प्लेटफार्म में लाकर संगठन को मजबूत करने और आदिवासी समाज के हक अधिकारों के लिए संघर्ष करने की बात कही। जहा विभिन्न वक्ताओं द्वारा जनगणना प्रपत्र में धर्म कोड का अलग से कालम देने, गोंडी भाषा को आठवीं अनुसूची में सम्मिलित करने, वन अधिकार अधिनियम, वन ग्राम विस्थापन नीति, भू राजस्व संहिता, पेसा एक्ट, गौण खनिज अधिनियम, एट्रोसिटी एक्ट, आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकार सहित समाज की ज्वलंत सामाजिक समस्याओं पर चर्चा कर आदिवासी समाज को उनका हक अधिकार दिलाने के लिए रणनीति बनाई जहा सभी वक्ताओं ने आदिवासी समाज की पृथक से जनगणना करने और जनगणना प्रपत्र में धर्म कोड का अलग से कालम देने, की बात पर जोर दिया।जिन्होंने अब तक कि सभी सरकारों पर आदिवासी समाज की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए आदिवासियो के हक अधिकार का मुद्दा सदन में ना उठाने वाले समाज के विधायक,सासंद और मंत्रियों का बहिष्कार करने की बात कही।साथ ही उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए अपने हक अधिकारों के लिए देश भर में आवाज बुलंद किए जाने की बात कही है।

इन प्रमुख मुद्दों पर भी सह विस्तार चर्चा

आयोजित इस बैठक के दौरान आदिवासीयों से सम्बंधित विभिन्न सामुहिक राष्ट्रीय समस्याओं पर सवांद किया गया।इसमे प्रमुख रूप से जनगणना प्रपत्र में प्रथक कॉलम (धर्म कोड) देने, पूर्व में प्राप्त आदिवासी / ट्रायबल (1931) धर्म कोड का जणगनना में प्रपत्र में पृथक रूप से पुर्नस्थापित करने, वन अधिकार मान्यता कानून (2006) का सरकार से संपूर्ण अधिकार देने, पाँचवी व छटवी अनुसूचि एवं पेसा कानून को मूल अधिकारों के साथ सरकार द्वारा अमल में लाने,आदिवासीयों की जमीनों का संरक्षण। गौण खनिज एवं राष्ट्रीय खनिज नीती का अनुसूचित क्षेत्रों में स्पष्ट नीतिगत आदिवासीयों की भागीदारी सुनिश्चित करने,आदिवासीयों पर हो रहे अत्याचार, शोषण, बलात्कार, अनाधिकार पर अनु. जाति, जनजाति अत्याचार निवारण कानून (एट्रोसीटी एक्ट 1989) पर प्रभावी अमलीकरण करने,आदिवासीयों के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार कृषि व्यवसाय और आरक्षण के संवैधानिक अधिकारों पर अमलीकरण करने, देश व प्रदेश की सभी राजधानी में आदिवासी भवन का निर्माण व शिक्षण संसाधनों की स्थापना करने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई जिसमें वक्ताओं ने बताया कि देश में भारतीय संविधान लागु होने के 75 वर्षों के बीत जाने के बाद भी हमारी संवैधानिक अधिकारों की समस्याएँ वर्तमान में भी ज्यो की त्यो बनी हुई है। इसी चिंतन को लेकर हम सभी आदिवासी जाति समाज एकजुट होकर इन समस्याओं के निराकरण के लिए आपसी सवांद और संघर्ष में सहभागिता कर रहे है।

हम हिन्दू नही आदिवासी है, जनगणना में आदिवासी धर्म का जोड़ा जाए कालम

आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी ने 2027 में होने वाली जनगणना के दौरान आदिवासी धर्म का अलग से कलाम दिए जाने की मांग की है। वक्ताओं ने अपने सम्भोधन मे बताया कि धर्मकोड के अभाव में हमारे आदिवासी कभी हिंदू ,कभी मुस्लिम ,कभी ईसाई तो कभी जैन धर्म की ओर जा रहे हैं जनगणना में आदिवासी धर्म का कॉलम ना होने के कारण हमारी जनसंख्या लगातार घट रही है हम कितनी संख्या में है इसका आंकड़ा भी ठीक से नहीं मिल पाता।सरकार हमारी जनगणना से डरती हैं क्योंकि आदिवासी अब जाग चुका है।फिर भी विभिन्न मुद्दों पर आदिवासियों के हक अधिकारियों को छीना जा रहा है।सदन में आदिवासियों के हक अधिकारों की बात रखनी चाहिए लेकिन पार्टी की इच्छाशक्ति नहीं होने के कारण वे चुप रहते हैं।

आदिवासियों के धर्म का कालम अलग से रखा जाए- भुवन

गोंडवाना गोण्ड महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष भुवनसिंह कोर्राम ने बताया कि अभी तक वन अधिनियम अधिकार 2006 लागू नहीं हुआ है। आदिवासियों को जो सालों से जंगल में रह रहे उन्हें खदेड़ा जा रहा है। जनगणना पत्रक में धर्म कोड के कॉलम को लेकर विभिन्न राज्यों से पहुंचे आदिवासी समाज संगठन के पदाधिकारियों की बैठक में चर्चा कर रणनीति तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि शासन की कमजोरी के चलते पेसा एक्ट संपूर्ण रूप से अब भी लागू नहीं हुआ है। जिससे आदिवासियों के साथ अन्याय व शोषण हो रहा है। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि 2027 में जो जनगणना होनी है हम उसमें मांग कर रहे हैं कि आदिवासी धर्म का अलग से कलम बनाया जाए क्योंकि जनगणना के परिपत्र में अन्य धर्म के कालम तो रहते हैं लेकिन हमारा आदिवासी धर्म का कालम नहीं रहता, जबकि अंग्रेजी शासन काल की जनगणना के दौरान वह कालम हुआ करता था, लेकिन 1951 में बिना सदन में चर्चा के यही हमारे धर्म का कालम हटा दिया गया। हम हिंदू नहीं है कोर्ट भी इस बात को मानता है लेकिन जनगणना में हमारे धर्म का कालम नहीं रहता, इस पर हमारी नाराजगी है हमारी मांग है कि आदिवासी धर्म का कालम जनगणना में जोड़ा जाए ताकि हमारी पृथक से जनगणना हो सके।

कार मोटरसाइकिल से टकराई- पति-पत्नी सहित तीन घायल

गोंदिया रोड कोसमी के पास हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत गोंदिया रोड ग्राम कोसमी में तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी । इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार एक महिला उसका पति सहित तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायल को जिला अस्पताल में लाया गया जिनमे अत्यधिक चोट लगने से घायल महिला को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। यह घायल महिला लक्ष्मी पति जितेंद्र मते 25 वर्ष खोड़सिवनी थाना हट्टा निवासी है ।जिसे नगर के एक निजी अस्पताल भर्ती किया गया है वही दुर्घटना इस महिला के पति जितेंद्र पिता कुमारु मते 30 वर्ष और उसके मामा अशोक पिता गुंठुजी बड़ई 52 वर्ष ग्राम हट्टा निवासी को मामूली चोटे आई जिन्हें जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र मते अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 13 दिसंबर को सुबह जितेंद्र मते अपनी पत्नी लक्ष्मी मते और मामा ससुर अशोक बड़ई के साथ मोटरसाइकिल में रेलवे स्टेशन बालाघाट आए थे और ट्रेन से किसी काम से नैनपुर गए थे शाम को तीनों ट्रेन में नैनपुर से बालाघाट आए और रेलवे स्टेशन से तीनों मोटरसाइकिल में अपने घर जाने निकले थे ।मोटरसाइकिल अशोक बड़ई चला रहा था। गोंदिया रोड ग्राम कोसमी स्थित शोरूम के सामने ब्रेकर के पास रजेगांव की ओर से तेज रफ्तार से आ रही एक कार मोटरसाइकिल से टकरा गई ।इस सड़क दुर्घटना में कार की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार जितेंद्र मते उसकी पत्नी लक्ष्मी मते और मामा ससुर अशोक बड़ई तीनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। तीनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जिनमे अत्यधिक चोट लगने से घायल महिला लक्ष्मी मते को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। जिसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है ।इस दुर्घटना में इस महिला के प्रति जितेंद्र मते और मामा अशोक बड़ई को मामूली चोटे जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई ।जिला अस्पताल पुलिस ने जितेंद्र माते का बयान लेकर अस्पताल तहरीरअग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण नवेगांव भिजवा दी है।

पंवार क्षत्रिय संगठन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय स्थित पंवार छात्रावास में आज जिला पंवार क्षत्रिय संगठन के स्थायी पालक संरक्षकगण एवं जिला प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन द्वारा संचालित सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी पालक संरक्षकगणों के समक्ष प्रस्तुत की गई तथा अब तक किए गए सामाजिक कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान वरिष्ठ सदस्यों से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए गए। साथ ही संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं

से संबंधित विशेष प्रस्तावों पर चर्चा कर उन्हें सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के पूर्व जिला अध्यक्ष एफ. एल. बिसेन ने की। इस अवसर पर स्थायी पालक संरक्षकगण श्री लोचनसिंह देशमुख, बी. आर. भैरम, सुरेंद्र कुमार तुरकर ,अतिलाल रहांगडाले, सूरजलाल गौतम, निखिल गौतम, टेकचंद बिसेन एवं रामसिंह बघेले मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में संगठन के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन, जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा बिसेन, जिला महासचिव डॉ. राजेंद्र कटरे, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र रहांगडाले, पदेन उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री बिसेन, जिला कार्यकारिणी उपाध्यक्ष चेतन पटले, नगर अध्यक्ष अरविंद कटरे, युवा उपाध्यक्ष विभूति पारधी, युवा सचिव सुशील रहांगडाले, राजा भोज फाउंडेशन के सदस्य विमल गौतम सहित अनेक सामाजिकजन उपस्थित रहे।

पनबिहरी से साल्हे ला. मार्ग पर बाघ दिखा, ग्रामीणों में दहशत!!

वन विभाग से गश्त बढ़ाकर सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़ने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पनबिहरी से साल्हे ला. जाने वाले मार्ग पर कुछ दिनों से रात के समय बाघ की लगातार आवाजाही (मूवमेंट) की खबर से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत का माहौल बन गया है। वहीं इस मार्ग से रात के समय गुजरने वाले ग्रामीण एवं राहगीरों ने बाघ को देखा भी है। साथ ही रविवार की सुबह एक किसान के खेत में बाघ के ताजे पदचिन्ह भी देखे गये है। जिसके बाद से लोग शाम होते ही घर से निकलने से कतरा रहे है। इस तरह से पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग पर रात के समय वन्यप्राणी बाघ के बार-बार दिखाई देने के बाद से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है। वहीं ग्राम बघोली में रिछ (भालू) एवं बंदर के आतंक से ग्रामीणजन परेशान है। वहीं सुबह के समय वॉकिंग में जाने वाले एवं ग्रामीणों को खेत एवं गांव के नजदीक गत दिवस से भालू दिखाई दे रहा है जो किसी भी समय उन पर हमला कर बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग पर रात के समय बाघ का मूवमेंट होने एवं बघोली में भालू के आतंक से ग्रामीणजन परेशान है इस संबंध में वन विभाग को जानकारी देकर रात्रि गश्त बढ़ाकर

वन्यप्राणियों को सुरक्षित पकड़कर घने जंगल में छोड़ने की मांग की जा रही है। लेकिन इस ओर वन विभाग के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों में वन विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

किसानों का कृषि कार्य हो रहा प्रभावित

आपकों बता दे कि ग्राम पनबिहरी, साल्हे ला., बघोली जंगल से लगे हुए ग्राम है और गत दिवस पनबिहरी के पीछे बोरी मार्ग पर बाघ ने एक गाय का शिकार कर दिया था। जिसके बाद से लगातार क्षेत्र में बाघ का मुवमेंट बना हुआ है। रविवार की सुबह साल्हे ला. से पनबिहरी पहुंच मार्ग स्थित देवी मंदिर रोड़ सुखलाल सहारे के खेत के पास बाघ के ताजे पदचिन्ह देखे गये है। जिसकी सूचना तत्काल वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को दी गई। वहीं सूचना मिलते है वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पदचिन्हो की गहनता से जांच की। जांच में अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ये पदचिन्ह बाघ के ही हैं। बाघ की आमद की पुष्टि होने के बाद खासकर रबी की फसल की सिंचाई के लिए रात में खेतों की ओर जाने वाले किसानों एवं क्षेत्र में दहशत और बढ़ गई है। इस तरह से बाघ के दिखाई देने के बाद से ग्रामीणजन दिन एवं रात में अकेले जाने से डर रहे है एवं उनके कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहे है। वन विभाग को गश्त बढ़ाकर वन्यप्राणी बाघ को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में जल्द छोड़ना चाहिए नही तो वह बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकता है।

बिजली देने का समय बदला जाये - जुगल

साल्हे ला. सरपंच प्रतिनिधि, पूर्व सोसायटी अध्यक्ष जुगलकिशोर भैरम ने बताया कि साल्हे ला. से पनबिहरी पहुंच मार्ग पर बाघ रात के समय दिखाई दे रहा है एवं क्षेत्र में उसका मूवमेंट भी बना हुआ है जिससे ग्राम में दहशत का माहौल बना हुआ है और वर्तमान में किसान रबी सीजन की फसल की तैयारी में जुट गये है। श्री भैरम ने बताया कि रबी फसल की सिंचाई के लिए किसानों को रात्रि में बिजली दी जाती है और किसान रात में खेत जाते है, अगर बाघ ने हमला कर दिया तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसलिए विद्युत विभाग से मांग है कि दिन के समय ८ घंटे बिजली प्रदाय करें और किसान अकेले रात में खेत की ओर न जाये।

बघोली में भालू के दस्तक से ग्रामीणजन परेशान - अरशद

बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल ने बताया कि इन दिनों ग्राम में भालू (रिछ) दिखाई दे रहा है। भालू के गांव के आसपास घूमने की खबरों से किसानों और मॉर्निंग वॉक पर जाने वाले लोगों में दशहत का माहौल निर्मित हो गया है। जिसकी वन विभाग को लिखित पत्र देकर दे दी गई है। श्री पटेल ने बताया कि बीते एक माह से बंदरों का आतंक भी बहुत बढ़ गया है और बंदर फसलों के साथ-साथ कच्चे मकानों को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे ग्रामीण खासा परेशान हैं और अब भालू के दस्तक से लोग परेशान है इसलिए वन विभाग से मांग है कि भालू एवं बंदर को खंदेडकर जंगल की ओर भगाये।

अमोली में जश्न-ए-मिलाद-ए-मुस्तफा कार्यक्रम संपन्न

हुसैनी कमेटी ने जलाया भाई-चारे और अमन का दिया

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रजा मस्जिद में हुसैनी कमेटी के तत्वाधान में गत दिवस जश्न-ए-मिलाद-ए-मुस्तफा एवं लंगर का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर रात ९ बजे एक रोजा नातिया तकरीर प्रोग्राम जश्ने ए मिलाद ए मुस्तफा कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें रजा मस्जिद इमाम हाफिज इरषाद अहमद खान, मुफ्ती ए आजम मध्यप्रदेश मौलाना वफाउल मुस्तफा कादरी बालाघाट, हाफिज शाहिद रजा साहब सिवनी, हाफिज मौलाना गुफरान खान बोरी, हाफिज अब्दुल अजीम बघोली, हाफिज अफरोज कटंगी, मौलाना इरफानी चांदामेटा छिंदवाड़ा, हाफिज नजीर वारासिवनी, मौलाना मुजम्मिल रजा मस्जिद मोतीनगर बालाघाट आदि की उपस्थिति में कुरान पाक की किरत हाफिज अफसार रजा हैदरी द्वारा शुभारंभ हुआ। जिसके साथ ही बारी-बारी से बज्में नाते मुस्तफा पढे गये। वही प्रोग्राम में मेहमाने खुसुसी सैय्यद शाह हसनैन बकाई गयासी सफवी कादरी, सैय्यद अब्दुल कदीर मिया बाहरूल हिंद जजमउ शरीफ कानपुर का आगमन हुआ। जिनका कमेटी के द्वारा इस्तकबाल भी किया गया। जिसके बाद रातभर जश्न-ए-मिलाद-ए-मुस्तफा के कार्यक्रम आयोजित किये गये। साथ ही इस आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से हुसैनी कमेटी ने भाईचारे और अमन का दिया जलाया है यानि भाईचारे का संदेश दिया है। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सैय्यद शाह हसनैन बकाई गयासी सफवी कादरी ने नौजवान जो नशे की गिरफ्त में आ रहे है, उस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अपने नबी की जिंदगी के बारे में उपस्थिजनों को उनकी याद दिलाई और कहा कि इसके दुष्परिणाम, इसके सेवन से बचे। साथ ही साथ उन्होने पर्दा में रहने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया एवं आला हजरत बरेली शरीफ के बारे में बखान करते हुए कौम को जागरूक किया। सैय्यद अब्दुल कदीर मिया बाहरूल हिंद जजमउ शरीफ कानपुर ने कहा कि सभी आपसी प्रेम भाईचारा के साथ रहे और इस्लाम धर्म के बारे में बखान के साथ-साथ अपने आका मोहम्मद सलल्लाहो अलैह व सल्लम की सुन्नतो पर अमल करने के लिए प्रेरित किया। हुसैनी कमेटी के उपाध्यक्ष मो. जीशान अशरफी ने बताया कि यह पहला कार्यक्रम कमेटी के बैनर तले आयोजित किया गया जो सफल हुआ। इस कार्यक्रम में मिले सहयोग के लिए सभी का तहेदिल से इस्तकबाल करते है और आगे बताया कि नये वर्ष में इससे भी बड़ा एक भव्य आयोजन हुसैनी कमेटी के द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर हुसैनी कमेटी अध्यक्ष अयान खान, उपाध्यक्ष मो. जीशान अशरफी, अरमान खान सचिव, सरफराज खान कोषाध्यक्ष, सदस्य आदिल इक्का, इल्हाम हादी सदस्य, कश्यप खान, शाबान खान, मोहसिन कादरी, शोहेल कुरैशी, राशिद खान, जुनैद, आशिफ वारसी, मोनु खान, असीम खान, अरशद खान, अनस खान, नावेद उर्फ राजा खान, आमिर अली, अलतमस कादरी सहित बडी संख्या में हुसैनी कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य व मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

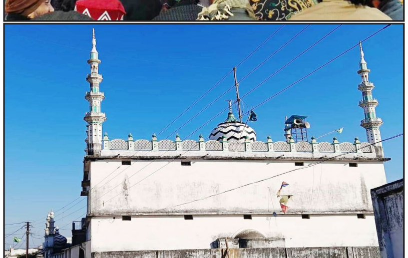

ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर में उगी झाड़ियां आवागमन में बाधा

वन्यप्राणियों का खतरा, झाड़ियों से हो रहे हादसे, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ढूटीघाट बांध से लेकर खैरलांजी क्षेत्र तक फैली ऐतिहासिक ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर का निर्माण अंग्रेजों के शासन काल में किया गया है। वहीं यह नहर ग्राम पंचायत बबरिया, घोटी, अतरी, अमोली, बेलगांव-खारी सहित दर्जनों ग्रामों के बीच से गुजरी है। जो अब सुरक्षा और लापरवाही का केन्द्र बनती जा रही है। इस नहर के माध्यम से ढूटी घाट बांध से लेकर खैरलांजी क्षेत्र तक के किसानों को फसल में सिंचाई के लिए पानी मिलता है। ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर का विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण का कार्य किया गया है ताकि किसानों के खेतों तक आसानी से पानी पहुंच सके और पानी पहुंच भी रहा है किन्तु लंबे समय से जल संसाधन विभाग के द्वारा नहर के पारों की साफ-सफाई नही करवाई गई है। जिसके कारण नहर के पार में खरपतवार (झाड़ियां) दोनों साईड उग जाने के कारण मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों एवं ग्रामीणजनों को मोड़ाई में दूर से आने-जाने वालों की मोटरसाइकिल, साइकिल व लोग दिखाई नही देने से आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। इस तरह से वैनगंगा बड़ी नहर की झाड़िया आवागमन में बाधक बन रही है। साथ ही झाड़ियों के बीच में जंगली जानवर छुपे रहने का भी डर बना हुआ है। वहीं गत दिवस रामजीटोला के समीप से गुजरी नहर के किनारे वन्यप्राणी ने एक बकरी का शिकार कर दिया था। अमोली गाडर के समीप माइनर नहर की झाड़ियों में रिछ को देखा भी गया है एवं जंगली सुअर भी खेतों की ओर पहुंच रहे है। इस तरह से वन्यप्राणियों का आतंक वैनगंगा बड़ी नहर किनारे स्थित ग्राम रामजीटोला, अमोली सहित अन्य ग्राम में बना हुआ है, जिससे किसान परेशान है।

दुर्घटना का बड़ा खतरा

ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर किनारे किसानों की खेती है, किसान रात्रि के समय भी अपने खेत जाते है। अगर झाड़ियों में जंगली जानवर छुपे रह गये तो उन पर वे हमला भी कर सकते है। वहीं आने-जाने के दौरान अगर वाहन अनियंत्रित होती है तो वे नहर के नीचे भी गिर सकते है, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। नहर की पार में उगे खरपतवार (झाड़ियों) की कटाई कर सफाई करवाने की किसान एवं राहगीर मांग कर रहे है, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे नहर की पार से आवागमन करने वाले राहगीर एवं किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। किसानों एवं राहगीरों ने ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर के पार के किनारे दोनों साईड की खरपतवार (झाड़ियों) की कटाई, छटाई एवं साफ-सफाई करवाने की मांग प्रशासन से की है।

प्रशासन की उदासीनता से लोगों में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि ढूटीघाट बांध से ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर निकली है और यह नहर खैरलांजी तक जाती है। वहीं इस नहर का विगत वर्ष पूर्व करोंड़ों रूपयों की लागत से सीमेन्टीकरण का कार्य एवं पारों का चौड़ीकरण किया गया था परन्तु सीमेन्टीकरण का कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण कुछ स्थानों में दरारे भी आ गई है। साथ ही लंबे समय से नहर के पार की साफ-सफाई नही करवाई गई है जिसके कारण दोनों साईड में लंबी-लंबी झाड़ियां उग चुकी है और मोड़ाई में खरपतवार (झाड़ियों) के कारण दुर से आने वाले दुपहिया, साइकिल व पैदल वाले राहगीर व किसान दिखाई नही देते है जिससे दुर्घटनाएं घटित हो रही है और कई बार लोग अनियंत्रित होकर नहर के नीचे गिर भी चुके है। साथ ही मवेशी के गिरने से उनकी मौत भी हो चुकी है परन्तु जल संसाधन विभाग के द्वारा नहर के पार के दोनों साईड उग चुकी खरपतवार की कटाई एवं साफ-सफाई नही करवाई जा रही है जिससे किसानों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जबकि यह नहर जंगल के बीच से होकर गुजरी है और कुछ ग्रामों में जंगल क्षेत्र तो कुछ ग्रामों से सुनसान क्षेत्र भी आता है। अगर कोई जंगली जानवर झाड़ियों में छुपे रहे गये, इस दौरान राहगीर व किसान नहर की पार से गुजरते है तो उन पर वे हमला भी कर सकते है जिससे दुर्घटना घटित हो सकती है। साथ ही गत दिवस से रहवासी क्षेत्र में वन्यप्राणियों की दस्तक होने लगी है और मवेशियों का शिकार भी कर चुके है एवं झाड़ियों में वन्यप्राणियों के छुपे रहने की जानकारी भी सामने आ रही है लेकिन झाड़ियों की सफाई की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जल संसाधन विभाग को या फिर जिस-जिस ग्राम पंचायत के बीच से ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर गुजरी है। उन पंचायतों के माध्यम से नहर के दोनों साईड लंबी-लंबी झाड़िया (खरपतवार) उग चुकी है। उसकी कटाई, छटाई एवं साफ-सफाई करवा दिया जाता है तो ग्राम के मजदूरों को रोजगार मिलेगा। साथ ही नहर के पारों में उग चुके झाड़ियों से आवागमन में हो रही परेशानियों से भी निजात मिलेगी। वहीं जल संसाधन विभाग के एसडीओं दिलीप परते से दूरभाष पर ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर की पार के दोनों साईड उगे खरपतवार (झाड़ियों) की कटाई कर सफाई करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

झाड़ियों की कटाई कर सफाई करवाये प्रशसन- दादुराम

दादुराम पंचेश्वर ने बताया कि ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर ढूटीघाट बांध से खैरलांजी क्षेत्र तक जाती है, लेकिन नहर के पारों के दोनों साईड लंबी-लंबी झाडिया उग चुकी है। जिसके कारण आवागमन के दौरान दुर से लोग दिखाई नही देने से बड़ी दुर्घटनाएं घटित होने की संभावना बनी हुई है। साथ ही नहर किनारे खेत होने के कारण रात के समय भी किसानों का आना-जाना होता है एवं रात के समय झाड़ियों में वन्यप्राणी के छुपे रहने का डर भी बना रहता है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि खेतों में भालू एवं जंगली सुअर पहुंचकर फसल को नुकसान पहुंचा रहे है एवं गत दिवस एक बकरी का शिकार भी कर दिया गया है और गाडर के समीप से गुजरी माइनर नहर की ओर भालू भी देखा गया है। जिसके बाद से ग्रामीण एवं किसान दहशत में है, जल संसाधन विभाग से मांग है कि नहर के पारों में उगी झाड़ियों की जल्द कटाई कर सफाई करवाये।

मोहगांव ध. में टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का महासंग्राम ३० से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग १२ किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के स्वामी विवेकानंद क्रिकेट स्टेडियम में तरंग क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में स्व. कमलानंद जी महाराज की स्मृति, नये वर्ष के आगमन, मकर संक्रांति के अवसर पर आगामी ३० दिसंबर से ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी निरालासिंह बघेले ने बताया कि स्व. कमलानंद जी महाराज की स्मृति, नये वर्ष के आगमन, मकर संक्रांति के अवसर पर आगामी ३० दिसंबर से ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का मोहगांव ध स्थित स्वामी विवेकानंद क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार २५००१ रूपये, द्वितीय पुरस्कार १५००१ रूपये एवं प्रवेश शुल्क ११०१ रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील कार्यक्रम संचालक अमित डोंगरवार, संयोजक गुरूवेश बनकर, रजनीश नगपुरे, अध्यक्ष विशाल दमाहे, उपाध्यक्ष मनोज बनोटे, ओम राउत, कोषाध्यक्ष गिरधारी नगपुरे, रवि मेहरकर, सचिव दिनेश बागड़े, योगेश उइके, सहसचिव अंकित नगपुरे विकेश टेकाम, कोच/टीम प्रभारी राजू काका नगपुरे, मीडिया प्रभारी पूनम राउत, निराला बघेले, दुर्गाप्रसाद नगपुरे टीआई डिंडोरी, टीम सदस्य नरेन्द्र मर्सकोले, विशाल नगपुरे, सागर उइके, विक्रम बिरनवार, स्वप्निल उके, गौरव, रवि उपवंशी, कैलास, धनश्याम, शिव नगपुरे, नितेश, धर्मेन्द, विजय, धीरज नगपुरे, प्रहलाद, सागर, लोमेश, धीरज, श्रीमती हिरकन नगपुरे सरपंच, रूपलाल नगपुरे उपसरपंच, परसराम पटले, पवन नगपुरे, धनेन्द्र नगपुरे, फकीरचंद नगपुरे, हेमन्त नगपुरे, महेन्द्र लिल्हारे, गोपाल दमाहे, हरिचंद लिल्हारे, बिरजलाल नगपुरे, खोजन बसेना, अंतराम दशरिये, रौशन बरकडे, राधिका नगपुरे, राधिका बाहेश्वर, अनीता नगपुरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

मोटरसाइकिल की ठोकर से एक व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नेतरा में मोटरसाइकिल की ठोकर से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति रोशन लाल पिता बाड़न लाल राहंगडाले 50 वर्ष ग्राम नेतरा निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशन लाल खेती किसानी करते हैं। 13 दिसंबर की शाम रोशन लाल साइकिल में अपने गांव के भानेश पटले के घर किसी काम से गए थे और रात्रि 8ः00 बजे रोशन लाल भानेश पटले के घर से काम निपटने के बाद साइकिल में अपने घर लौट रहे थे। तभी सामने से गणेश सेंदरे तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल चलाते हुए लाया और रोशन लाल की साइकिल को ठोस मार दिया। मोटरसाइकिल की ठोकर से रोशन लाल साइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। जिसे बाएं हाथ की कलाई, बाये पैर के घुटने और गले में चोट आई। रात्रि में रोशन लाल ने गांव में इलाज करवाया और 14 दिसंबर को रोशन लाल अपना इलाज करवाने जिला अस्पताल पहुंचा हालांकि इस दुर्घटना में रोशन लाल को मामूली चोटे आई थी। जिला अस्पताल में रोशनलाल का इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। जिला अस्पताल पुलिस ने रोशन लाल का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है।

सरकार के खिलाफ किसान आंदोलन संपन्न

किसान गर्जना ने किसानों के साथ भरी हुंकार माँगा अधिकार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मिरगपुर के बाजार चौक में किसान गर्जना संगठन के तत्वाधान में किसान हक अधिकार आंदोलन का आयोजन किया गया। यह हक अधिकार आंदोलन अरविंद चौधरी प्रदेश अध्यक्ष, रामकुमार नगपुरे जिला अध्यक्ष किसान गर्जना संगठन सहित अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति में धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया गया। जहां बाजार चौक के समिति सभा मंच पर धरना प्रदर्शन कर किसानों के द्वारा सरकार पर जमकर आक्रोश व्यक्त करते हुए पूर्व में चुनाव के समय किए गए वादे और वर्तमान में उपजी समस्या के निराकरण को लेकर सरकार से मांग की गयी। वहीं कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम स्थल पर तहसीलदार के ना आने पर चक्काजाम भी किया गया। अंततः तिरोड़ी थाने के सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर अशोक लिल्हारे ,अजबसिंह कृपगये ,बंडु गौपाले ,योगेश सुलकिया ,डेविड सेलोकर ,धुरन नगपुरे ,योगेश लिल्हारे ,कुलदीप पटले ,भरतलाल बिसेन ,ओमप्रकाश बिसेन सहित बड़ी संख्या में किसान साथी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के नाम किसान गर्जना संगठन ने सौंपा ज्ञापन

धरना प्रदर्शन स्थल पर मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन उमेश दियेवार एएसआई थाना तिरोड़ी को सौंप कर सरकार से किसानो को रबी फसल के लिए राजीव सागर बांध से निरंतर पानी की व्यवस्था की जायें । किसानो को नहर में सिंचाई के लिए नियमित मोटर कनेक्शन प्रदान किया जावें । क्षेत्र में लगातार बारिश एवं किट व्याधि के प्रकोप से बर्बाद हुई धान फसल को देखते हुये खैरलांजी ,कटंगी क्षेत्र को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर क्षेत्र अन्तर्गत हल्को के किसानो को फसल का मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ दिया जावें ।सरकार के द्वारा निर्धारित धान खरीदी केन्द्रो से किसानो की धान को अस्वीकार ना किया जावें, चूंकि बारिस की वजह से किसानो की धान प्रभावित हो चुकी है फसल एवं किसानो के प्रति नरमी बरती जावें ।सरकार अपने चुनावी वादे के मुताबिक धान समर्थन मूल्य ३१०० रु.प्रति क्वींटल खरीदे । किसानो की दशा सुधार हेतु सरकार किसान को २० हजार रुपये प्रति हेक्टेयर बोनस देवें ।खरिफ सत्र २०२५-२६ की फसल बर्बादी को ध्यान में रखते हुये खरिफऋण माफ करवाये जाने की मांग की गयी।

आमसभा के बाद किसानों ने किया चक्काजाम

बाजार चौक के सोसायटी सभा मंच पर किसान गर्जना संगठन के द्वारा किसानो की ज्वलंत समस्याओं को लेकर धरना आंदोलन किया गया। जहां सरकार के ऊपर संवेदनहीन होने किसानो की समस्या सुनकर भी अनसुना करने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए किसानों को मुआवजे के नाम पर झुनझुना देने की बात कही गई। वहीं शासन प्रशासन पर अपने शब्दों से जमकर हमला किया गया जहां कार्यक्रम के अंत में तहसीलदार को किसनो की मांगों का ज्ञापन देना था। जहां मौके पर अधिकारी नहीं पहुंच पाए जिसको लेकर किसानों का आक्रोश फूट पड़ा और मुख्य मार्ग पर बाजार चौक में किसानों के द्वारा चक्का जाम कर दिया गया। इस दौरान सभी किसान रोड़ पर उतर गए और जमीन पर बैठकर आवागमन पूरी तरह बाधित कर दिया । जहां दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारे लगने लगी। तभी पुलिस बल के द्वारा किसानों को समझाइस देकर यातायात बहाल करवाया गया। इस दौरान करीब २५ मिनट तक चक्काजाम चला जहां किसानों की बात सुनने के लिए कोई अधिकारी उपस्थित नही होना दुखदायी विषय बताकर कहां की सरकार हमारी सुना तो दूर हमें देखना तक नहीं चाहती है।

अन्नदाता किसान आज हर मोर्चे पर लुट और शोषण का शिकार हो रहा है-रामकुमार

किसान गर्जना जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने कहा की अन्नदाता किसान आज हर मोर्चे पर लुट और शोषण का शिकार हो रहा है यह अजीब विडम्बना है। रात दिन मेहनत करके किसान फसल उगाता है और हर एक किसान अपनी मेहनत से तैयार किये गये अनाज से अनगिनत लोगो के जीवन चक्र को चला रहा है। किंतु वही किसान अपने हक और अधिकार से वंचित है। देश के उद्योगपति अपनी कंपनी से निर्मित सुई का मूल्य स्वयं तय करता है, लेकिन चिलचिलाती धुप कड़कड़ाती ठंड और मुसलाधार बारिश के बीच छोटे छोटे बच्चो के साथ खेतो में काम करके फसल उत्पादन करने वाले किसान को अपनी फसल का दाम तय करने का अधिकार नही है। ऐसा क्यों सरकार चुनाव आते ही गिरगिट की तरह रंग बदलकर किसानो को लोक लुभावन सपने दिखाकर किसानो और मजदूरो से वोट लेकर सत्ता पर काबिज तो हो जाती है। किंतु किसानो से किये वादो की बात आती है तो मुंह छिपा लेते है। ऐसे वादाखिलाफ सरकार के लिए ठीक नहीं है जब कहा गया है तो उन वादों पर खरा उतरना चाहिए।

राज्य स्तरीय बेसिक शिविर जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर स्थित स्काउट गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र में राज्य स्तरीय बेसिक शिविर जारी हैं। यह शिविर १० से १६ दिसंबर तक आयोजित है, इस राज्य स्तरीय बेसिक शिविर के माध्यम से स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन एडवांस कब मास्टर को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला प्रशिक्षण केंद्र में शिविर राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बी एल शर्मा के निर्देश में आयोजित हुआ है। जिसमें स्काउट गाइड को विशेष योग्यता में दक्ष बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस शिविर में प्रतिदिन सुबह शारीरिक व्यायाम, निरीक्षण ध्वजरोहन ९ से १२ बजे तक पाठ्यक्रम, दोपहर २ से ३ तक परीक्षा एवं दोपहर ३ बजे से प्रायोगिक परीक्षा मे मंकी ब्रिज तम्बू निर्माण पहाड़ ट्रेकिंग जीवन उपयोगी कला का अभ्यास के उपरंत खेल प्रतियोगिता में शारीरिक मानसिक खेल एक रात्रि ८ से १० बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे लोकगीत नृत्य नाटक का मंचन किया जाता हैं। इस अवसर पर छगन हनवत, पंचम हनवत ,ललित मिश्रा ,हरिप्रसाद देशमुख ,राजकुमार टेंभरे, डोलीराम भगत, इनेंद्र डहरवाल, सोहन पटले ,विजय शुक्ला ,सायराबानो कुरेशी ,करन सिंह कोरी ,अमित कुरैशी ,श्रीमती लक्ष्मी पटले ,श्रीमती नीता बोपचे ,रघुवीर सिंह ठाकुर ,भेजेंद्र कुमार चौधरी मौजूद रहे।

खाने वाले बेसन में निकली छिपकली

चारों का उपचार सिविल अस्पताल में जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत लोहारा के दशराटोला निवासी के घर खाने के बेसन में छिपकली निकल गई। जिसमें बेसन का सेवन करने वाले पति ,पत्नी ,मां और पोते को सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है जहां उनका उपचार जारी है। इसमें दिगंबर सोनवाने अपनी पत्नी उषा सोनवाने, मां सोनीबाई सोनवाने और नाती प्रवीण सोनवाने के साथ शाम करीब ७ बजे भोजन कर रहे थे। तब उन्हें बेसन में छिपकली देखने मिली इस घटना से परिवार में भय का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोहारा के दशराटोला निवासी दिगंबर सोनवाने के घर में प्रतिदिन की तरह सुबह भोजन के रूप में बेसन बनाया गया था। जिसके साथ परिवार के सभी सदस्यों ने भोजन ग्रहण कर अपने अपने कार्यों पर चले गए थे। जो शाम को घर वापस लौटे इस दौरान घर में सुबह का बेसन सब्जी बचा हुई थी जिस पर दिगंबर सोनवाने की पत्नी उषा सोनवाने के द्वारा शाम को सब्जी ना बनाते हुए बेसन की सब्जी को गर्म किया गया। वहीं ७ बजे करीब दिगंबर पिता बलिराम सोनवाने उम्र ६२ वर्ष अपनी पत्नी उषा पति दिगंबर सोनवाने उम्र ६१ वर्ष माँ सोनी बाई पति बलिराम सोनवाने उम्र ८५ वर्ष नाती प्रवीण पिता सेवन सोनवाने उम्र ५ वर्ष यह चारों व्यक्ति भोजन करने के लिए बैठे। तो इनके द्वारा थाली में पहली बार का भोजन लेकर कर खा लिया गया और दूसरी बार के भोजन में बेसन की सब्जी लेने के लिए देखा गया तो गंज के अंदर छिपकली थी। जिसके बाद वह सभी डर गए और तत्काल परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी गई। परिजनों ने उन्हें सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया है जहां पर अस्पताल स्टाफ के द्वारा उनकी आवश्यक जांच कर ऑब्जरवेशन के लिए भर्ती कर लिया गया है जहां इनका उपचार जारी है। श्रीमती उषा सोनवाने ने बताया कि सबेरे खाना खाने के लिए बेसन की सब्जी बनाई गई थी जिसमें सभी ने खाना खाया और काम पर चले गए। शाम को फिर बेसन की सब्जी बची थी तो सब्जी ना बनाते हुए उसे ही गर्म कर लिया जिसमें छिपकली निकली है। यह छिपकली सुबह नहीं गिरी थी अभी शाम को बेसन गर्म करने के दौरान शायद गिरी है हम सभी डर में है। कहते हैं कि छिपकली में जहर होता है इसके लिए अस्पताल में आए हुए हैं।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री राम मंदिर परिसर में प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा की अध्यक्षता, तहसील अध्यक्ष सोहन लाल डोहरे एवं समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें प्रमुख रूप से ११ जनवरी २०२६ को शाजापुर में प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के महासम्मेलन में जाने और पेंशनर्स दिवस मनाने आदि विषयो पर चर्चा की गई। जिसमे पेंशनर्स अशोक शुक्ला, बाजीराव डाहके, दिनेश नेमा, अनिल कुमार रंगारे, उम्मेंद आडे, किसानदास बंगरे, मनोहर बोकडे, दशाराम पटले, गोपाल प्रसाद दुबे, पी एल लिल्हारे, जी पी चौबे, धनीराम ठाकुर, नरसिंह भलावे आदि उपस्थित रहे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आइडियल पब्लिक स्कूल के सभा कक्ष में रविवार को प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक अध्यक्ष एस पी वाघाडे , पी एल लिल्हारे सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश स्तरीय विभिन्न कार्यक्रम की जानकारी देने के साथ ही पेंशनरों को आ रही समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया। जिसमें प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का स्थापना दिवस की जानकारी दी गई। वहीं बड़ी संख्या में पेंशनर शामिल होकर अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे । वहीं शासन के द्वारा सितबंर में २ प्रतिशत डीए बढ़ाने की बात कही गई थी जो वर्तमान तक नहीं बढ़ाया गया है और ना ही कोई आदेश जारी कर स्वीकृति दी गई है। ऐसे में केवल यह बातें हो रही है जीवित प्रमाण पत्र और रेगुलर पेंशन के विषयों पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर एस के दहीकर ,दिलीप घोले ,ब्रजमोहन मिश्रा, डिलेश कलाइत ,जगलाल पटले ,अरविंद कुमार देशपांडे ,ओ पी भवरे ,जी पी चौरे ,रोशन लाल क्षिरसागर, नरसिंह भलावे ,एम आर तुरकर सहित अन्य पेंशनर मौजूद रहे।

सांसद खेल महोत्सव-2025

16 से 23 दिसंबर तक जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेलो इंडिया-फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी की पहल पर सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत बालाघाट लोकसभा क्षेत्र में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 16 दिसंबर से 23 दिसंबर 2025 तक विभिन्न खेलों के माध्यम से किया जाएगा। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत फुटबॉल, वॉलीबॉल, शतरंज, कुश्ती, हॉकी, बैडमिंटन, कबड्डी, कराते, एथलेटिक्स (100, 200, 1500 मीटर दौड़, शॉटपुट) एवं रस्साकशी (टग ऑफ वॉर) जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। फुटबॉल एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं 16 एवं 17 दिसंबर को क्रमशः मुलना स्टेडियम फुटबॉल मैदान एवं पुलिस लाइन वॉलीबॉल मैदान, बालाघाट में होंगी। शतरंज प्रतियोगिता 16 दिसंबर को मुलना स्टेडियम कराते हॉल में आयोजित की जाएगी। कुश्ती प्रतियोगिता 17 दिसंबर को मिनी स्टेडियम बरघाट, जिला सिवनी में संपन्न होगी। हॉकी, बैडमिंटन एवं कबड्डी प्रतियोगिताएं 22 एवं 23 दिसंबर को मुलना स्टेडियम परिसर, बालाघाट में आयोजित की जाएंगी। कराते प्रतियोगिता 22 दिसंबर को तथा दौड़ एवं रस्साकशी प्रतियोगिताएं 23 दिसंबर को मुलना स्टेडियम परिसर में होंगी। इस खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना का विकास करना, प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा स्वस्थ और सशक्त भारत की दिशा में कदम बढ़ाना है। आयोजन में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की सहभागिता अपेक्षित है।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

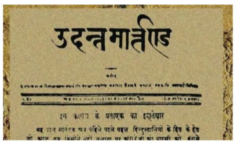

मशीन बनाम मनुष्य का द्वन्द्व

कोई भी तकनीक अगर मनुष्य के लिए सहयोगी की भूमिका में है, तो वह बेशक फायदेमंद हो सकता है, लेकिन वह अगर निर्भरता का मामला बनता है तो उसके घातक नतीजे भी सामने आ सकते हैं। इस लिहाज से देखें तो समूची दुनिया में इंटरनेट के तेजी से विस्तार के साथ मनुष्य को अपने जीवन के विविध पक्षों के लिए बहुस्तरीय सुविधाएं मिली हैं, लेकिन इसके नए स्वरूप ने कुछ ऐसी स्थितियां भी पैदा की हैं, जिससे पार पाना अब एक अहम चुनौती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ के अलग-अलग मंचों ने आज हरेक विषय पर जानकारी हासिल करने से लेकर कई स्तर पर अपनी उपयोगिता की वजह से व्यापक जगह बना ली है। इसी क्रम में एक पहलू इस तकनीक के साथ संवाद भी है, जहां किसी व्यक्ति के अमूमन हर तरह के सवाल का जवाब मिल सकता है। यह अलग बात है कि उसके सही या गलत होने की परख के लिए इंसान को अपने विवेक को सजग रखना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की इस खासियत का प्रचार-प्रसार तो बहुत हुआ, लेकिन इसकी सीमाओं के बारे में ज्यादातर लोगों के पास ठोस जानकारी और उसके उपयोग के लिए उचित प्रशिक्षण नहीं है। यह बेवजह नहीं है कि कई बार लोग और खासतौर पर बच्चे एआइ के साथ संवाद के क्रम में उलझ जाते हैं या फिर भ्रम का शिकार होकर कोई प्रतिगामी कदम भी उठा लेते हैं।

कोई आनलाइन गेम खेलते हुए बच्चों के आत्महत्या कर लेने की खबरें पहले भी आती रही हैं, लेकिन अब कुछ मामलों में एआइ से संवाद को हत्या तक के लिए जिम्मेदार बताया जाने लगा है। गौरतलब है कि अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को के कनेक्टिकट में एक तिरासी वर्ष की बुजुर्ग महिला के परिजनों ने हत्या और आत्महत्या के मामले में चैटजीपीटी की भूमिका को लेकर ओपनएआइ और माइक्रोसाफ्ट के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया है। इसमें यह आरोप लगाया गया है कि एआइ वाले चैटबाट ने बेटे के मन में अपनी मां के बारे में भ्रम और संदेह को इतना बढ़ाया कि उसने मां की हत्या करके आत्महत्या कर ली। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस एआइ ने हत्या करने वाले व्यक्ति के मन में सबके साथ-साथ अपनी मां के प्रति भी केवल शक और आशंका भर दी। उसे चैटजीपीटी को छोड़ कर अन्य किसी की भी बात पर विश्वास नहीं रहा।

इस तरह की अनेक घटनाएं यही दर्शाती हैं कि हर बात या काम के लिए एआइ या आधुनिक तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता कैसे इंसान की संवेदना, उसके आत्मविश्वास और यहां तक कि विवेक को निष्क्रिय कर दे सकती है, जिसके बाद व्यक्ति अपनी सोच-समझ से कोई भी प्रतिक्रिया दे सकने में अक्षम हो जाता है। आज अपने आसपास देखा जा सकता है कि लोग आधुनिक तकनीक को जरूरत से ज्यादा अहमियत देने, उसमें लीन रहने के क्रम में कैसे मानवीयता और संवेदना के मूल्यों को कोई पिछड़ा या दोयम दर्जे का मूल्य मानने लगे हैं। ऐसी स्थिति में कई बार एक शख्स किसी अन्य व्यक्ति की बातों को संदेह की नजर से देखता है या फिर उसे अधूरा मानता है, लेकिन समान संदर्भ में वह एआइ की बातों को अधिक विश्वसनीय और शक से परे मानता है। जबकि एआइ की सीमा उसका मशीनी होना है, जिसकी तुलना मनुष्य की चेतना और उसके विवेक के साथ नहीं की जा सकती। एक बड़े दायरे में एआइ की भूमिका जरूर बढ़ रही है, लेकिन अभी यह जिस अवस्था में है, उसमें इस पर पूरी तरह निर्भरता के अपने खतरे हैं।

कहानी वही, त्रासदी नई

गोवा के नाइट क्लब की घटना से पता चलता है कि भले ही कागजों पर नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन अक्सर ठीक से नहीं होता और जब तक कोई आपदा नहीं आती, तब तक जवाबदेही भी तय नहीं होती। कहीं लापरवाही हमारा राष्ट्रीय चरित्र तो नहीं बन रहा?

गोवा के नाइट क्लब में लगी हालिया आग, जिसमें कई लोगों की जान चली गई, सिर्फ एक स्थानीय त्रासदी नहीं है। यह भारत की नियामक विफलताओं, सरकारी लापरवाही और बुनियादी सुरक्षा मानकों के प्रति उस लापरवाह रवैये का राष्ट्रीय अभियोग है, जो अब देश भर के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आम हो चुका है। लकड़ी और बांस से बने क्लब में लगी इस आग ने न सिर्फ उस ढांचे की कमजोरी को उजागर किया, बल्कि नागरिकों के जीवन के अधिकार की रक्षा करने के मामले में शासन की कमजोरी को भी सामने ला दिया।

नियामकीय चूकें चौंकाने वाली थीं। स्थानीय पंचायत ने नमक के मैदान पर अवैध निर्माण को गिराने का नोटिस जारी किया था। जून 2024 में अवैध जमीन पर कब्जे का मामला सामने आया था। गोवा तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण ने इसी वर्ष कारण बताओ नोटिस भी दिया था। लेकिन हर आदेश या तो रोका गया, टाला गया या फिर फाइलों में दफना दिया गया। ट्रेड लाइसेंस

जांच में कई उल्लंघन सामने आए हैं, जिन्हें किसी भी कीमत पर जारी नहीं रहने देना चाहिए था। क्लब बिना अग्नि सुरक्षा के अनापत्ति प्रमाणपत्र लिए ही चल रहा था। आग बुझाने के यंत्र, अलार्म, स्प्रिंकलर और धुआं निकासी की व्यवस्था या तो थी ही नहीं या फिर दिखावटी रूप में थी। वह इमारत बारूद का ढेर थी, जिसमें सिर्फ एक संकरा, भीड़भाड़ वाला रास्ता था। अधिकांश पीड़ितों की मौत जलने से नहीं, बल्कि दम घुटने से हुई, क्योंकि वे बिना खिड़की वाली बेसमेंट किचन में फंस गए थे, जहां न तो वेंटिलेशन था और न ही दूसरी सीढ़ी। मारे गए पच्चीस लोगों में से बाईस क्लब के कर्मचारी थे, जिनमें से कई झारखंड, बिहार, असम और नेपाल के प्रवासी मजदूर थे। पांच लोग दिल्ली और कर्नाटक के पर्यटक थे। आपदा राहत कार्य भी गंभीर लापरवाही के कारण पूर्णतः पंगु हो गया था। क्लब को एक सपनों जैसे %आइलैंड वेन्यू% के रूप में प्रचारित किया गया था, जहां पहुंचने का रास्ता सिर्फ एक लेन वाली कच्ची सड़क थी। आग बुझाने वाली गाड़ियों को चार सौ मीटर दूर ही रुकना पड़ा।

मार्च 2024 में खत्म हो गया था, फिर भी क्लब हर हफ्ते सैकड़ों लोगों को %अस्थायी% कागजों पर इक ?ट्ठा करता रहा, जिनकी किसी ने जांच-पड़ताल करने की जरूरत नहीं समझी। अब तीन वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित किया गया है और पांच कर्मचारियों को गिरफ्तार। लेकिन क्लब के मालिक, सौरभ और गौरव लुधरा तुरंत थाईलैंड भाग गए, जिन्हें वहां हिरासत में ले लिया गया है। विडंबना यह है कि वे उसी इंडिगो की फ्लाइट से भागे, जो इन दिनों उड़ानें रद्द होने के कारण आलोचनाओं के केंद्र में है।

यह कोई अकेली घटना नहीं है। मई 2024 में राजकोट में एक गेमिंग जोन में 27 लोग (जिनमें अधिकतर बच्चे थे) जिंदा जल गए। अप्रैल 2025 में कोलकाता के एक होटल में चौदह मेहमानों का दम घुट गया, क्योंकि आग से बचने के सभी रास्ते बंद थे। 2017 में मुंबई के कमला मिल्स में जन्मदिन मनाने वाले 14 लोग छत से कूद गए या उस टॉयलेट में फंसकर मर गए, जिसे उन्होंने गलती से बाहर निकलने का रास्ता समझ लिया था। 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा में 59 लोगों की मौत हो गई थी, क्योंकि आपातकालीन रास्ते अवैध रूप से लगाई गई सीटों के कारण बाधित थे, और आग बुझाने में देरी हुई। हर बार की कहानी की %पटकथा% एक जैसी ही होती है, अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) का अभाव, बंद रास्ते, ज्वलनशील %सजावट%, संकरी सड़कें, और लाइसेंस की फाइल, जो अस्थायी विस्तारों से मोटी और रिश्वतों से पतली हो जाती है। हरेक बार राज्य %कड़ी कार्रवाई% का वादा तो करता है और फिर अगली घटना तक सो जाता है।

भारत के पास राष्ट्रीय भवन संहिता है, अग्नि सुरक्षा नियम हैं और आपदा प्रबंधन के दिशा-निर्देश भी हैं। 2025 की पहली छमाही में ही गोवा में 55 लाख पर्यटक आए। हर जमीन का टुकड़ा पार्टी जोन बनने की होड़ में है और हर पार्टी को तेजी से पैसा कमाना होता है, लेकिन क्या सुरक्षा ऑडिट को सिर्फ छोटी-मोटी समस्या माना जाना चाहिए, जिसे एक फोन कॉल से आसानी से निपटाया जा सकता है?

मृतकों को अक्सर उपेक्षित मानकर आसानी से भुला दिया जाता है। मारे गए पच्चीस में से बीस कम वेतन वाले कर्मचारी थे, जो किराये के साझा कमरों में रहते थे और अपने घर-गांव पैसे भेजते थे, अब उनके परिवार हमेशा के लिए उनका इंतजार करेंगे। गोवा सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिजनों के लिए पांच लाख रुपये और प्रत्येक घायल व्यक्ति के लिए पचास हजार रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से अलग से हर मृतक के परिवार को दो-दो लाख रुपये और हर घायल को पचास हजार रुपये मुआवजे का एलान किया गया है।

गोवा सरकार ने वागाटोर और आस-पास के तटीय इलाकों में लूथरा भाइयों द्वारा चलाए जा रहे सभी क्लबों और कैफे को गिराने का फैसला किया है। पंचायतों को कार्रवाई के लिए नए नोटिस जारी करने को कहा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें इस घटना की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। सरकार ने हर बार की तरह रस्म के तौर पर खुद ऑडिट की घोषणा की है, जिसे %कैमरे% के हटते ही भुला दिया जाता है।

जब तक राष्ट्रीय भवन संहिता को अनिवार्य नहीं किया जाता, गलत प्रमाणपत्र जारी करने पर जवाबदेही तय नहीं की जाती, और जब तक हर व्यावसायिक स्थल को थर्ड पार्टी बीमा लेने के लिए बाध्य नहीं किया जाता, तब तक कुछ भी नहीं बदलेगा। गोवा नाइट क्लब के अग्निकांड ने एक बार फिर भारत के सुरक्षा मानकों में व्यापक समस्याओं को उजागर कर दिया है, क्योंकि हमारी प्रणाली में नियमों के पालन में सुस्ती, नियामक खामियां और सार्वजनिक सुरक्षा के बजाय मुनाफे को प्राथमिकता देने की संस्कृति गहराई तक मौजूद है।

इस दुखद घटना से पता चला है कि भले ही कागजों पर नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन अक्सर ठीक से नहीं होता है और जब तक कोई आपदा नहीं होती, तब तक जवाबदेही भी तय नहीं होती। गोवा के नाइट क्लब में लगी जानलेवा आग की कहानी दुनिया में भर में सुर्खियां बटोर रही है। भारत को एक बुनियादी सच्चाई को गांठ बांध लेने की जरूरत है कि जब भी सुरक्षा की अनदेखी की जाती है, तब कोई बड़ी दुर्घटना सामने आती है, इससे न सिर्फ जनता में आक्रोश बढ़ता है, बल्कि ग्राहकों एवं निवेशकों का भरोसा भी खत्म होता है।

-पत्रलेखा चटर्जी, वरिष्ठ पत्रकार

जीवन धारा

जीवन में उद्देश्य होना जरूरी है

उद्देश्यहीन इन्सान के लिए हर छोटी चुनौती पहाड़ बन जाती है, पर जिनके जीवन में लक्ष्य होता है, वे कठिनाइयों को अवसर की तरह लेते हैं। उनके लिए हर दिन नई ऊर्जा लेकर आता है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनका प्रयास केवल उन तक सीमित नहीं है।

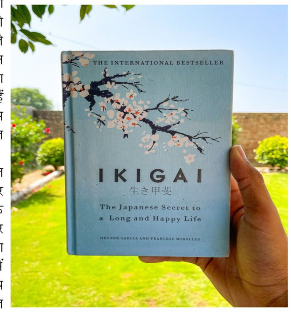

जीवन केवल शारीरिक स्वास्थ्य भर नहीं है, बल्कि अर्थपूर्ण योगदान और समग्र कल्याण का परिणाम है, जिसमें शारीरिक स्वास्थ्य केवल एक मजबूत नींव के रूप में कार्य करता है। जीवन की गुणवत्ता केवल जीवित रहने से नहीं, बल्कि सार्थक रूप से जीने से बनती है। मनुष्य का मन तब सबसे अधिक शांत, स्थिर और संतुष्ट होता है, जब वह किसी ऐसे लक्ष्य के प्रति समर्पित रहता है, जो न केवल व्यक्तिगत आनंद दे, बल्कि समाज के लिए भी उपयोगी हो। जब हमारे जीवन में कोई ऐसा काम होता है, जो भीतर से हमें ऊर्जा देता है, हमारे कौशल को दिशा देता है और साथ ही दूसरों के लिए सहायक बनता है, तब वही कार्य हमारा अर्थ, उद्देश्य और आत्मिक संतोष बन जाता है। यही सच्ची भक्ति, सच्ची तपस्या और सच्ची मानवता का स्वरूप है। तनाव अपने-आप में बुरा नहीं होता, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम उसे किस रूप में स्वीकार करते हैं। किसी लक्ष्य को बेहतर बनाने

के लिए सकारात्मक तनाव लाभदायक होता है, जबकि नकारात्मक तनाव हानिकारक साबित होता है। तनाव, पीड़ा, अकेलापन व असंतोष उस शून्यता से जन्म लेते हैं, जो उद्देश्यहीन जीवन में पैदा होती है। जब जीवन दिशाहीन लगता है, तो व्यक्ति भीतर से खोखला महसूस करता है, और यही नकारात्मक भावनाओं को जन्म देता है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, दोनों पर बुरा प्रभाव डालता है। इस शून्यता को उद्देश्य खोजकर, सार्थक कार्य अपनाकर और दूसरों से जुड़कर भरा जा सकता है। जिनके पास उद्देश्य नहीं होता, उनके लिए छोटी-सी चुनौती भी पहाड़ बन जाती है, पर जिन लोगों के जीवन में कोई लक्ष्य होता है, वे कठिनाइयों को अवसर की तरह स्वीकार करते हैं। उनके लिए हर दिन नई ऊर्जा, आशा और उत्साह लेकर आता है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनका प्रयास केवल उनके लिए नहीं, बल्कि परिवार, समाज और मानवता की भलाई से जुड़ा है। जब मनुष्य दूसरों की भलाई में अपना सुख खोजता है, तब जीवन स्वयं सुंदर हो उठता है। यह आनंद बाहरी वस्तुओं से नहीं, बल्कि भीतर के संतोष से आता है।

-हंस सेली

अंतरराष्ट्रीय

आसान नहीं है शांति की राह

अगर ट्रंप प्रशासन पुतिन को कूटनीति से ऐसी जीत दिला देता है, जो वह जंग में हासिल नहीं कर सका, तो यह अमेरिका की एक बहुत बड़ी नाकामी होगी।

यू क्रेन में युद्ध की हकीकत हमें यह बताती है कि संघर्ष विराम पर बातचीत करने का यह बिल्कुल सही वक्त है। पर सवाल यह है कि क्या रूस और अमेरिका एक ऐसी शांति के लिए तैयार हैं, जो यूक्रेन को आजाद रखे। रूस पूर्वी यूक्रेन में मोर्चे पर लगातार हमला कर रहा है, और यूक्रेन लड़ाई हारने के कगार पर है। यूक्रेनी हवाई रक्षा को अब हमलावर ड्रोन और मिसाइलों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका से मिलने वाली वित्तीय मदद भी लगभग खत्म हो गई है और जेलेंस्की की सरकार भ्रष्टाचार के मामले में फंसी हुई है। उधर रूस ने बढ़त तो बनाई है, लेकिन वह जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उसे प्रांतों पर कब्जा करने में पांच साल और लगेंगे। फिलहाल, यूक्रेनी लाइनों को तोड़ने का कोई मुमकिन तरीका रूस के पास नहीं है। यूक्रेन ने व्यवस्थित तरीके से रूसी ऊर्जा ढांचे और तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया।

एक और सच्चाई है, जो मुझे 2023 में यूक्रेनी नेताओं से बात करके पता चली। इसके अनुसार, यूक्रेन को तीन युद्ध लड़ने होंगे, और यह सिर्फ दूसरा है। पहला युद्ध 2014 में क्रीमिया और डोनबास इलाके के कुछ हिस्सों पर रूस का हमला था। दूसरा अभी चल रहा है, जो 2022 में शुरू हुआ था। तीसरे युद्ध के बारे में यूक्रेन को डर है कि वह रूस तब शुरू करेगा, जब उसे फिर से हथियारबंद होने का मौका मिलेगा। उस युद्ध को जीतना, या उसे रोकना, यूक्रेन की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। इसीलिए जेलेंस्की ने फ्रांस व स्वीडन से उन्नत लड़ाकू विमान खरीदने का सौदा किया है। किसी भी शांति समझौते का मूल्यांकन एक ही सवाल के आधार पर किया जाना चाहिए कि क्या गोलीबारी बंद होने के बाद यूक्रेन आजाद रह सकता है? भले ही यूक्रेन शांति के लिए कुछ जमीन छोड़ने को तैयार हो जाए, फिर भी उसे अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता तो बनाए रखनी होगी, वरना कोई भी शांति समझौता एक समर्पण दस्तावेज से ज्यादा कुछ नहीं होगा। ट्रंप की शुरुआती योजना में पूरा डोनबास रूस को दे दिया गया था- इसमें डोनबास के वे हिस्से भी शामिल थे, जिन्हें रूस यूक्रेन से छीन नहीं पाया था। साथ ही, यूक्रेन को नाटो में शामिल होने की उम्मीद छोड़नी होगी, और नाटो सैनिक यूक्रेन की जमीन पर तैनात नहीं हो सकेंगे। नतीजतन, समझौते में कोई भी सुरक्षा गारंटी सिर्फ कागजी होगी।

अमेरिका के समर्थन के बिना, यूक्रेन के सामने दो मुश्किल विकल्प हो सकते हैं-या तो वह रूसी/अमेरिकी समझौते को मानकर मास्को का गुलाम बनकर रहे, या फिर समझौते से मना कर दे और रूस के खिलाफ मुश्किल जंग का सामना करे। यूक्रेन बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन जो बातें उसे मंजूर हैं, वे रूस को मंजूर नहीं हैं। ऐसे में, अमेरिकी कूटनीति और मदद का असली मकसद यूक्रेन पर पुतिन के कब्जे को रोकना होना चाहिए। यदि ट्रंप यूक्रेन को मजबूर करने की खातिर अमेरिका की आर्थिक व सैन्य ताकत का इस्तेमाल करते हैं, तो संघर्ष विराम कूटनीतिक कामयाबी के बजाय शर्म की बात होगी।

रूस दो तरीकों से जंग जीत सकता है। पहला, वह जंग में भारी कीमत चुकाकर यूक्रेन को हराने की कोशिश करता रहे। लेकिन वह कब तक ऐसा कर पाएगा? दूसरा है, अमेरिकी असर का इस्तेमाल करके यूक्रेन पर छूट देने का दबाव बनाना। पुतिन को इसकी ज्यादा उम्मीद है। हम फिलहाल राहत की सांस ले सकते हैं कि यूक्रेनी कूटनीति से एक नई योजना सामने आई है। अगर ट्रंप प्रशासन पुतिन को कूटनीति से ऐसी जीत दिला देता है, जो वह जंग में हासिल नहीं कर सका, तो यह अमेरिका की एक बहुत बड़ी नाकामी होगी।

-डेविड फ्रेंच

दुनिया जहान

स्व की अहमियत

यह बात अक्सर कही जाती है कि प्रेम वह अनुभूति है, जिसे पाने के बाद हम ईश्वर को धन्यवाद देते हैं। जब कोई हमारे जीवन में आता है और उसके साथ होने पर हमारे मन में कृतज्ञता की भावना नहीं उठती, तो यह सोचना चाहिए कि वह प्रेम है भी या नहीं। अगर किसी व्यक्ति के साथ होने पर हमें ऐसा न लगे कि इस क्षण के लिए ईश्वर का धन्यवाद करना चाहिए, तो संभव है कि वह प्रेम न होकर केवल आदत, मोह या कोई क्षणिक आकर्षण हो। प्रेम वह है, जो आत्मा को शांत करता है, दिल को गहराई से छूता है और जीवन के प्रति आभार से भर देता है। कई बार हम जिसे प्रेम समझ बैठते हैं, वह केवल किसी की उपस्थिति का मोह होता है। एक ऐसा मोह जो अक्सर प्रेम से भी अधिक जटिल और खतरनाक होता है, क्योंकि मोह जब जड़ें जमा लेता है, तो उससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। मोह में व्यक्ति अपने ही भीतर उलझकर रह जाता है, जबकि प्रेम मन को मुक्त करता है।

प्रेम किसी पर निर्भरता का नाम नहीं है, बल्कि स्वतंत्रता का अनुभव है। प्रेम हमें मजबूत बनाता है, कमजोर नहीं। यह सही और गलत का भेद भूल जाने का नाम नहीं है, बल्कि सही रास्ते पर अडिग रहने की क्षमता का एक नाम है। अगर प्रेम के नाम पर हम अपने सिद्धांतों से समझौता करने लगें, सही और गलत के अंतर को अनदेखा करने लगें, केवल किसी के साथ बने रहने के लिए अपनी आत्मा की आवाज को दबा दें, तो वह प्रेम नहीं, केवल कमजोरी है। सच्चा प्रेम वह नहीं जो हमें अपने मूल्यों से दूर ले जाए, बल्कि वह है जो हमें और अधिक सशक्त करें, अपने सत्य पर टिकाए रखे, चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों। जीवन में किसी भी रिश्ते के कारण स्वयं को नहीं खोना चाहिए। अपने सिद्धांतों, अपनी सच्चाई और अपने आत्म-सम्मान पर अडिग रहने का अभ्यास करना चाहिए। कभी भी किसी दूसरे के कारण अपनी आत्मा को दुखी करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आखिर जब हम अपने सिद्धांतों को ताक पर रख देते हैं, तो सबसे अधिक पीड़ा खुद को ही होती है। एक दिन ऐसा आता है, जब व्यक्ति खुद को कठघरे में खड़ा पाता है, यह सोचकर कि दूसरों को खुश करने की चाह में उसने अपने ही अस्तित्व के साथ कितना बड़ा अन्याय किया। प्रेम का वास्तविक अर्थ है अपने भीतर के सत्य से जुड़े रहना, दूसरों के प्रति करुणा और सच्ची भावना रखना। इसका अर्थ यह नहीं कि हम किसी के गलत

कि सी दूसरे के कारण खुद को दुखी करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जब हम अपने सिद्धांतों को छोड़ देते हैं, तो सबसे अधिक पीड़ा खुद को ही होती है। एक दिन ऐसा आता है, जब व्यक्ति खुद को कठघरे में खड़ा पाता है, यह सोचकर कि दूसरों को खुश करने की चाह में उसने अपने साथ कितना बड़ा अन्याय किया।

कार्यों को भी सही ठहराएं या अपने जीवन के रास्ते से भटक जाएं। प्रेम में होने का अर्थ है कि हम ईमानदार और स्पष्ट बने रहें, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो। यह केवल पाने का नाम नहीं है; यह समझने, स्वीकार करने और कभी-कभी त्याग करने का नाम भी है, लेकिन यह त्याग ऐसा न हो, जिसमें हमारी आत्मा कुचल जाए या सच्चाई खो जाए। अगर किसी के साथ रहने की कीमत अपने मूल्यों से समझौता करने के रूप में चुकानी पड़ रही है, तो रुककर खुद से प्रश्न करना चाहिए कि क्या यह वास्तव में प्रेम है या केवल आदत, मोह या भावनात्मक निर्भरता ?

आदतें बदल जाती हैं, मोह टूट जाता है, लेकिन इन्हें प्रेम समझकर व्यक्ति जीवन के निर्णय लेने लगे, तो परिणाम अक्सर गहरी पीड़ा और अकेलेपन में बदल जाता है। प्रेम वह ऊर्जा है जो भीतर जीवन का उजाला भरती है, जबकि मोह, आदत या निर्भरता व्यक्ति को खालीपन की ओर धकेलते हैं। इसलिए, चाहे प्रेम में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हों, अपने सच्चे मार्ग से विचलित न हों। अपनी आत्मा को इतना मजबूत बनाना चाहिए कि परिस्थितियों का बहाव बहाकर न ले जाए। अपने सिद्धांतों से समझौता करने का फल आखिरकार पछतावे के रूप में ही मिलता है। प्रेम में डूब कर स्वयं को नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि वही लोग सबसे अधिक दुखी होते हैं जो खुद को खो देते हैं। जब प्रेम समाप्त होता है, तो उनके पास न प्रेम बचता है और न स्वयं की पहचान। किसी भी रिश्ते में अपनी गरिमा, पहचान और अपने आत्म-सम्मान को सुरक्षित रखना उतना ही आवश्यक है, जितना प्रेम का होना। सच्चा प्रेम गिराएगा नहीं, वह उठाएगा, संपूर्ण बनाएगा, भीतर छिपी संभावनाओं को उजागर करेगा। अगर कोई संबंध सत्य से दूर कर रहा है, चरित्र को कमजोर बना रहा है या आत्मा को चोट पहुंचा रहा है, तो उसे प्रेम कहना प्रेम का अपमान होगा।

अपने जीवन में प्रेम को स्थान देना चाहिए, लेकिन खुद को खोकर नहीं, अपने आप को और अधिक जानकर, अधिक समझकर, क्योंकि जब हम अपने साथ सच्चे होते हैं, तभी दूसरों के साथ भी सच्चे हो पाते हैं। प्रेम का असली स्वरूप वही है, जिसमें दोनों व्यक्ति अपनी-अपनी स्वतंत्रता, गरिमा और सत्य को सम्मान देते हुए एक-दूसरे के साथ चलते हैं। इस भाव का सार यही है कि हम अपने भीतर प्रकाश बनाए रखें। ऐसा प्रकाश, जो हमें भी दिखाए और जिसे दूसरे के साथ बांटा भी जा सके। प्रेम वह यात्रा है, जिसमें दो आत्माएं एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ती हैं, पर अपनी पहचान खोए बिना, अपने सत्य को छोड़े बिना। यही प्रेम की परिपक्वता है, इसका सौंदर्य है।

-सुप्रिया सत्यार्थी

बीते सप्ताह घरेलू थोक बाजार में चावल सस्ता, गेहूं-चीनी महंगी रही

नई दिल्ली। बीते सप्ताह घरेलू थोक बाजारों में अनाज की कीमतों में अलग-अलग रुझान देखने को मिले। चावल की औसत कीमत 67 रुपये घटकर 3,755.96 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। वहीं गेहूं के दाम बढ़कर 2,848.44 रुपये प्रति क्विंटल और आटा 18 रुपये बढ़कर 3,307.09 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतों के पीछे बढ़ी हुई मांग और सीमित स्टॉक का प्रभाव रहा। खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव रहा। मूंगफली तेल 50 रुपये, पाम ऑयल 47 रुपये और सूरजमुखी तेल 54 रुपये प्रति क्विंटल महंगे हुए, जबकि सोया तेल में केवल 5 रुपये की बढ़त रही। इसके विपरीत, सरसों तेल 107 रुपये और वनस्पति तेल 62 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। दालों में चना दाल सस्ती हुई, 19 रुपये प्रति क्विंटल घटकर बिक रही है। मसूर, तुअर, मूंग और उड़द दाल क्रमशः 6, 8, 7 और 32 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मीठे के बाजार में गुड़ 18 रुपये सस्ता हुआ, जबकि चीनी 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। साप्ताहिक बाजार समीक्षा के अनुसार, अनाज में गेहूं और आटे की कीमतें बढ़ीं, चावल सस्ता हुआ। तेल और दालों में मिला-जुला रुख देखा गया, जबकि मीठे में चीनी महंगी और गुड़ सस्ता रहा।

बीएमडब्ल्यू मिनी ब्रांड का भारत में करेगी विस्तार

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू अगले साल अपने मिनी पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक अ ?धिकारी ने कहा कि मिनी कूपर, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू और मिनी कन्वर्टिबल के साथ-साथ एक-दो नए मॉडल भी भारत में लाए जा सकते हैं। बरार ने बताया कि फिलहाल मिनी ब्रांड करीब नौ शहरों में मौजूद है। अगले साल यह संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य है, ताकि मेट्रो शहरों के अलावा छोटे शहरों और कस्बों तक भी पहुंच बनाई जा सके। जयपुर, लखनऊ और रांची जैसे शहर नए नेटवर्क में शामिल होंगे। कंपनी ऐसे छोटे शहरों पर भी ध्यान दे रही है, जहां अभी उसकी कोई मौजूदगी नहीं है। बीएमडब्ल्यू का कहना है कि छोटे शहरों से भी धीरे-धीरे मिनी कारों की मांग बढ़ रही है। स्थानीय स्तर पर मौजूदगी से बिक्री के बाद की सेवाओं पर ग्राहक का भरोसा भी मजबूत होता है। इसके अलावा कंपनी मिनी ब्रांड के लिए स्थानीय समुदाय बनाने पर काम कर रही है। अगले साल मिनी मालिकों और उत्साही लोगों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे ब्रांड की पहचान और ग्राहक जुड़ाव बढ़ सके।

एफपीआई ने दिसंबर में भारतीय बाजार से निकाले 24,936 करोड़

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर के पहले दो हफ्तों में भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 24,936 करोड़ रुपए की निकासी की है। सीडीएसएल के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान एफपीआई ने 17,955 करोड़ के शेयर और 7,585 करोड़ के बॉन्ड बेचे। हालांकि, हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट में उन्होंने 191 करोड़ का शुद्ध निवेश किया और म्यूचुअल फंड में 270 करोड़ रुपए की खरीदारी की। अक्टूबर और नवंबर में एफपीआई ने क्रमशः 35,246 करोड़ रुपए और 4,114 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। दो महीने लगातार खरीदारी के बाद दिसंबर में बाजार में बिकवाली शुरू हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की लगातार गिरावट से विदेशी निवेशक अपना पैसा निकाल रहे हैं। कमजोर मुद्रा के कारण उनके लिए निवेश का रिटर्न कम हो जाता है, इसलिए बिकवाली बढ़ रही है। इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 70,187 करोड़ रुपए की निकासी की है, जिसमें सबसे अधिक बिकवाली शेयर बाजार में हुई है। निवेशकों की नजरें अब अगले वित्तीय संकेतों पर टिकी हैं।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक दावोस में होगी

नई दिल्ली। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 19 से 23 जनवरी, 2026 तक स्विट्जरलैंड के दावोस में होगी। इस बैठक में करीब 130 देशों के लगभग 3,000 वैश्विक नेता शामिल होंगे, जिनमें लगभग 60 राष्ट्राध्यक्ष भी उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष बैठक का विषय है 'संवाद की भावना'। भारत से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी और मध्य प्रदेश के मोहन यादव दावोस में पहुंचेंगे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों की भी भागीदारी की संभावना है। केंद्रीय मंत्रियों के नाम की घोषणा जल्द की जाएगी। बैठक में भारत के प्रमुख उद्योगपति और सीईओ भाग लेंगे, जिनमें मुकेश अंबानी, एन चंद्रशेखरन, संजीव बजाज, हरि एस भरतिया, अमिताभ चौधरी, नादिर गोदरेज, सज्जन जिंदल, निखिल कामथ, सुनील भारती मित्तल, नंदन नीलेकणि, सलिल एस पारेख, ऋषद प्रेमजी, प्रशांत रुइया और विजय शेखर शर्मा शामिल हैं। सार्वजनिक क्षेत्र से अमरदीप सिंह भाटिया, संदीप कुमार गुप्ता, सी एस सेट्टी, गुरदीप सिंह और जितेंद्र श्रीवास्तव बैठक में भाग लेंगे। जी-7, जी-20, ब्रिक्स देशों के नेता और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भी बैठक में उपस्थित होंगे। भारत की मजबूत उपस्थिति वैश्विक मंच पर निवेश और रणनीतिक संवाद को बढ़ावा देगी।

बोनस, डिविडेंड और स्प्लिट से भरपूर होगा अगला हफ्ता

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आने वाला हफ्ता निवेशकों के लिए काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इसकी वजह है कई कंपनियों द्वारा किए जा रहे कॉरपोरेट एक्शन, जिनमें बोनस शेयर, डिविडेंड और स्टॉक स्प्लिट जैसे फैसले शामिल हैं। ऐसे फैसले निवेशकों की होल्डिंग, रिटर्न और शेयरों की कीमतों पर सीधा असर डालते हैं। इस दौरान रिकॉर्ड डेट और एक्स-डेट पर नजर रखना बेहद जरूरी हो जाता है, क्योंकि इन्हीं तारीखों के आधार पर यह तय होता है कि कौन निवेशक इन फायदों के हकदार होंगे। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, मनीबॉक्स फाइनेंस, सिल्फ टेक्नोलॉजीज, डॉ. लाल पैथलैब्स और यूनिफिंज कैपिटल इंडिया बोनस इश्यू करने जा रही हैं। इन कंपनियों ने इसके लिए एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय कर दी है। जिन निवेशकों का नाम रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के शेयरधारकों की सूची में रहेगा, उन्हें बोनस शेयर मिलेंगे। मनीबॉक्स फाइनेंस लिमिटेड 15 दिसंबर 2025 को बोनस इश्यू के लिए एक्स-डेट पर ट्रेड करेगी। कंपनी ने 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का फैसला किया है, यानी एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर मिलेगा। यही तारीख इसकी रिकॉर्ड डेट भी होगी।

इस सप्ताह बाजार पर रहेगा महंगाई और वैश्विक कारकों का असर

भारत-अमेरिका ट्रेड डील और एफआईआई (की गतिविधियों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरी साप्ताहिक गिरावट के बाद स्थिरता की तलाश में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह में बाजार पर महंगाई के आंकड़े और वैश्विक आर्थिक कारक असर डाल सकते हैं। खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़े शुक्रवार को जारी हुए, जबकि थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े सोमवार को बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे। शेयर बाजार पर अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील, विदेशी निवेशक की गतिविधियां और अंतरराष्ट्रीय ब्याज दरों के बदलाव का असर भी दिखाई देगा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर में 25 बेसिस प्वॉइंट कटौती से कुछ राहत मिली है, वहीं डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट (90.56 का नया रिकॉर्ड) निवेशकों को सतर्क कर रही है। विदेशी निवेशकों ने शुक्रवार को भारतीय शेयरों में अधिक बिकवाली की, कुल 396.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए। इसके विपरीत, भारतीय संस्थागत निवेशकों ने शेयरों की खरीद अधिक की, जिससे नेट बाइंग 2,828.21 करोड़ रुपये रही। इससे बाजार में कुछ स्थिरता बनी, लेकिन रुपया कमजोर बना हुआ है। अगले सप्ताह निवेशक थोक महंगाई, निर्यात-आयात आंकड़े, और मैन्युफैक्चरिंग व सर्विसेज सेक्टर की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखेंगे। यह आंकड़े वर्ष के अंत तक भारत की अर्थव्यवस्था की ताकत का संकेत देंगे। विशेषज्ञों का अनुमान है कि रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.50 से 91.00 के दायरे में ऊपर-नीचे रहेगा। भारत-अमेरिका ट्रेड डील में किसी भी सकारात्मक खबर से रुपये और शेयर बाजार में हल्की मजबूती आ सकती है। कुल मिलाकर, घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारक, निवेशकों की गतिविधियां और व्यापार वार्ता बाजार की दिशा तय करेंगे। निवेशकों को महंगाई, निर्यात-आयात आंकड़े और विदेशी निवेशक व्यवहार पर ध्यान रखना होगा ताकि वे सही निवेश निर्णय ले सकें।

रुपए की कमजोरी के कारण विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में बाजार से 17,955 करोड़ निकाले

मुंबई । फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने दिसंबर के पहले 12 दिनों में भारतीय शेयर बाजार से 17,955 करोड़ (2 बिलियन डॉलर) की बिकवाली की है। एनएसडीएल डेटा के मुताबिक, 2025 में कुल निकासी 1.60 लाख करोड़ (.18.4 बिलियन) पहुंच गई। नवंबर में 3,765 करोड़ की बिकवाली हुई थी। अक्टूबर में 14,610 करोड़ की खरीदारी के बाद फिर निकासी शुरू हो गई। इस तरह विदेशी निवेशक इस साल में अब तक 1.60 लाख करोड़ रुपए शेयर बाजार से निकाल चुके हैं।

मॉर्निंगस्टार के हिमांशु श्रीवास्तव बोले अमेरिका में ब्याज दरें ऊंची हैं, पैसा कम घूम रहा है और वहां सेफ-ज्यादा रिटर्न वाली चीजें ज्यादा पसंद की जा रही हैं। इस वजह से इन्वेस्टर्स का मूड खराब है। साथ ही, भारत के शेयर महंगे लग रहे हैं, दूसरे उभरते बाजारों (इमर्जिंग मार्केट्स) की तुलना में यहां वैल्यू कम दिख रही है। एंजेल वन के वकार जावेद खान ने बताया कि रुपया कमजोर हो रहा है, दुनिया भर में इन्वेस्टर्स अपना पोर्टफोलियो फिर से बैलेंस कर रहे हैं, साल खत्म होने का असर है और इकोनॉमी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ये सब मिलकर विदेशी निवेशक को पैसे निकालने पर मजबूर कर रहे हैं।

इस साल 5 प्रतिशत तक गिरा रुपया

रुपया 11 दिसंबर को डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 90.47 पर आ गया था। इससे पहले रुपए ने 4 दिसंबर को 90.43 के स्तर पर ऑल टाइम लो बनाया था। 1 जनवरी को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.70 के स्तर पर था, जो अब 90.47 के लेवल पर पहुंच गया है। अक्टूबर में विदेशी निवेशक ने भारतीय इक्विटी में 14,610 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जो जुलाई से सितंबर तक चले तीन महीनों की बिकवाली की लाइन को तोडने वाला था। उस दौरान जुलाई में 17,700 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और सितंबर में 23,885 करोड़ रुपए निकाले गए थे। इस साल अब तक कुल मिलाकर विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से 1.60 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की निकासी की है।

घरेलू निवेशकों की खरीदारी से संभला बाजार

विदेशी निवेशकों की निकासी के बावजूद बाजार पर असर कम पड़ा क्योंकि घरेलू निवेशकों ने दिसंबर में 39,965 करोड़ की खरीदारी की। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के विजयकुमार ने कहा कि इंडिया की स्ट्रॉन्ग ग्रोथ और अर्निंग्स आउटलुक को देखते हुए सस्टेन्ड सेलिंग अनसस्टेनेबल है। विदेशी निवेशकों की सेलिंग आगे कम हो सकती है।

दिसंबर में फेड और ट्रेड डील पर टिकी उम्मीदें

आगे की राह पर नजर डालें तो दिसंबर में विदेशी निवेशकों एक्टिविटी ज्यादातर अमेरिकी फेड रिजर्व के रेट कट सिग्नल्स और भारत-अमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट की प्रोग्रेस पर निर्भर करेगी। अगर ये पॉजिटिव रहे तो बाजार में वापसी हो सकती है, नहीं तो बिकवाली का सिलसिला जारी रह सकता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। परोपकार के कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको महिला मित्रों से सावधान रहना होगा। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा, जिससे आपकी काफी सारी मुश्किलें भी हल होंगी। आपको आज कई काम एक साथ हाथ लग सकते हैं। बड़े बुजुर्गों की सेवा के लिए भी आप कुछ समय निकालेंगे।

वृषभ - आज आपको किसी वाद-विवाद से दूर रहने की आवश्यकता है। आप अपनी सेहत को लेकर थोड़ा चिंतित रहेंगे। व्यापार में आप किसी काम को लेकर आप कहीं बाहर जा सकते हैं। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। आप दान धर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे, लेकिन आपको अपनी संतान की उलझन को दूर करने की कोशिश करें, जिसके लिए आपको उनसे बातचीत करने की आवश्यकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। राजनीतिक कामों में आप आगे रहेंगे। आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने लिए कुछ नए कपड़े, मोबाइल आदि की खरीदारी कर सकते हैं। आपको अपनी जेब का ख्याल रखकर ही व्यय करना बेहतर रहेगा।

कर्क - आज का दिन आपके लिए खर्चों से भरा रहने वाला है, इसलिए आप कोई सामान बहुत ही सोच समझकर खरीदें। नौकरी में आपको अधिकारियों से तारीफ सुनने को मिल सकती है, क्योंकि आप अपने काम को लेकर काफी जिम्मेदार रहेंगे। कोई सरकारी काम यदि आपका पेंडिंग था, तो उसे पूरा करने के लिए आप मेहनत तो करेंगे, लेकिन फिर भी मुश्किलें आएंगी।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपके जीवन में उतार-चढ़ाव रहने से आपका मन परेशान रहेगा। आप अपनी लापरवाही के कारण कुछ मुश्किलों में आ सकते हैं। आपका किसी नए घर को खरीदने का निर्णय गलत साबित हो सकता है। यदि आपने किसी योजना में धन लगाया था, तो उसके भी फंसने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सुख-समृद्धि बढ़ाने वाला रहेगा। राजनीति में आपको किसी बड़े नेता से मिलने का मौका मिलेगा। आप अपने व्यवसाय में कोई बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छा रहेगा और साथ-साथ किसी पार्ट टाइम कार्यो को करने की योजना भी बना सकते हैं। आज आपके मन में उलझनें बनी रहेगी और काफी फिट रहेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है, लेकिन आपके काम की गति तेज रहेगी, जिससे आपको अधिकारियों से भी डांट खानी पड़ सकती है। आपको यदि कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने अधूरे पड़े कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। बड़ों का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा। आप अपने जीवन में नकारात्मक विचारों को दूर ही रखें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक- आज आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। आप अपने संतान की जरूरतों पर पूरा ध्यान दें और आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा, तो उसके लिए आप अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। आपके खर्चे बेतहाशा बढेंगे, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगे। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहने से आपके काम रुक सकते हैं, लेकिन फिर भी आपको उनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है।

धनु - आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने के लिए रहेगा। आप किसी से बहुत ही तोल मोलकर बोले। बड़ों का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा। जीवनसाथी आपके कामों में आपका पूरा साथ देंगे और आपकी कोई पुरानी साथी के भी जीवन में वापस आने की संभावना है, लेकिन आपको अपने वैवाहिक जीवन पर ध्यान देना होगा।

मकर - आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपकी इन्कम तो सीमित रहेगी, लेकिन आपके खर्चे बढ़ेंगे। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन होने से आप काफी खुश रहेंगे। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों को पहचान कर चलना होगा और आप कोई जोखिम में हाथ डालने से बचें। बिजनेस में भी आप थोड़ा उतार-चढ़ाव को लेकर थोड़ा टेंशन में आ सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यदि आपकी कोई डील अटकी हुई थी, तो उसे भी आप फाइनल करने की कोशिश करेंगे। अविवाहित जातकों के जीवन में उनके साथी की दस्तक होने से उनका काफी खुश रहेगा। आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी। धन को लेकर आपको थोड़ी योजना बनाकर चलना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको प्रमोशन आदि मिलने से आप अच्छा फील करेंगे। पिताजी को यदि कोई शारीरिक समस्या है, तो आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श लें।

मीन- आज का दिन आपके लिए एक नई सफलता लेकर आने वाला है। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आप किसी नये वाहन की खरीददारी भी कर सकते हैं और यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। आप किसी पूजा-पाठ आदि का आयोजन अपने घर करेंगे, जिसमें परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा। माता जी की कोई बात आपको बुरी लग सकती है, लेकिन आप वह बात उनसे तरीके से करें। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

शब्दजाल - 8110

शब्द जाल में 'ज' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	ज	ड़
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	हो
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	य
का	न	चे	न्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग

जवाहर, जयदेव, जनता, जय, जनार्दन, जनवरी, जनसहयोग, जमाना, जमीदार, जमीन.

शब्दजाल - 8109 का हल

म	अ	मु	न	सी	ग	आ	बै	शा	खी	र
र	क्ष	ली	म	व	जी	णे	द	ज	क	म
चु	य	ल	बा	क	छ	स	श	ब	ख	जा
इं	तृ	ब	न	बा	र	स	ध	च	श	न
डि	ती	ति	क	ल	चा	स	क्रो	धी	तु	च
य	या	द	र	री	झ	ली	क्रो	ण	घ	र्थी
र	क्षा	बं	ध	न	ई	बै	स	ती	दी	स
क	एं	द	ई	द	ब	द	फ	चो	पा	क
ओ	म	ब	श	रा	म	स	या	औ	व	आ
ण	गॉ	ल	प	ह	जी	त	ऐ	म	ली	द
म	ड	ल	प	य	रा	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7054

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7053

बं	ध	न	■	क्ष	त्रि	य	■	ज	खी
दि	■	सी	मा	■	दे	श	प्रे	मी	■
श	बा	ब	■	दे	व	■	म	न	■
■	बु	■	जो	श	■	बा	गी	■	खु
दौ	ल	त	■	द्रो	ही	■	त	ला	शी
ड़	■	ला	■	ही	■	पा	■	ट	■
■	रे	श	नी	■	आ	प	के	सा	थ
जं	ग	■	य	की	न	■	■	ब	■
ग	■	■	त	■	बा	द	ल	■	जी
ल	की	र	■	डॉ	न	■	की	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8578

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8577 का हल

त	फ	री	ह	■	क	ल	र	व
क	■	छ	ल	क	प	ट	■	र
रा	ख	■	■	म	■	■	बं	दा
र	त	■	प	ल	क	■	दा	न
■	र	स	ना	■	मा	ख	न	■
त	ना	■	ह	म	ल	■	वा	स
ल	क	■	■	ग	■	■	ज	ल
घ	■	म	न	र	ख	ना	■	वा
र	म	जा	न	■	त	क	दी	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.42 बजे से
चंद्र	तुला में	मकर	08.47 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.33 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.37 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.17 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.15 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.28 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	21.44 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	कन्या	23.56 बजे से
		तुला	02.07 बजे से
		वृश्चिक	04.22 ब.से

सोमवार 2025 वर्ष का 349 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष)
पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 21.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 11.09 बजे को समाप्त।
योग शोभन 12.30 बजे को समाप्त।
करण बव 08.04 बजे तदनन्तर बालव 21.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 16'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872559
जूलियन दिन 2461024.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 23
विशेष सफला एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः वक्त की पाबंदी

अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन को सादगी ही नहीं, वक्त की पाबंदी भी बहुत पसंद थी। वह अपना हर काम नियत समय पर करते और जो ऐसा नहीं करता उसे सही रास्ते पर लाने की कोशिश भी करते थे। उनके नौकर-चाकर भी उनके इस स्वभाव से परिचित थे, इसलिए वे भी ठीक समय पर कार्य करने के आदी थे। उनके राष्ट्रपति बनने के कुछ महीने बीत गए थे, तभी अमेरिकी कांग्रेस के चुनाव हुए। चुने गए नए कांग्रेसी सदस्यों को वॉशिंगटन ने अपने आवास पर भोज के लिए आमंत्रित किया। उद्देश्य यह था कि सभी का परस्पर परिचय भी हो जाए और कर्तव्यों का निर्धारण भी कर दिया जाए। लेकिन तय समय पर वे सदस्य नहीं पहुंचे। हालांकि उन्हें आने में कुछ ही देर का विलंब हुआ था। मेहमानों ने आकर देखा कि वाशिंगटन भोजन कर रहे हैं। सदस्य हैरत में पड़ गए। उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि अतिथियों के आए बगैर राष्ट्रपति भला कैसे भोजन कर रहे हैं। जॉर्ज वॉशिंगटन ने जब उनके चेहरे पर आश्चर्य का भाव देखा तो बोले, 'भाइयो, इसमें आश्चर्य की क्या बात है। मैं सभी कार्य वक्त पर करता हूं। इसलिए मेरा रसोइया कभी यह नहीं देखता कि सब के सब निमंत्रित अतिथि आ गए हैं या नहीं। वह तो निर्धारित समय पर भोजन सामने रख दिया करता है।' सदस्यों को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने राष्ट्रपति से क्षमा मांगी। वॉशिंगटन ने उन्हें समझाते हुए कहा, 'जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है, इसलिए अपने कार्य समय पर करें ताकि अच्छे परिणामों की प्राप्ति हो।'

सूडोकु नवताल- 7363

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7362 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

कड़ाके की ठंड से कांपा लांजी क्षेत्र, जनजीवन प्रभावित

ठंड से बचाव अलाव बना सहारा

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र में विगत एक पखवाड़े से कड़ाके की ठंड का प्रकोप लगातार बना हुआ है। ठंड बढ़ने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। सुबह एवं देर रात तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे लोग ठिठुरने को मजबूर हैं। ठंड के कारण सुबह के समय सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। आवश्यक कार्यों से ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों की ओर जाने वाले किसान भी देर से निकल रहे हैं। ठंड से बचाव के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं, वहीं ऊनी कपड़ों की मांग बढ़ गई है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, बच्चों एवं असहाय लोगों को हो रही है। शासकीय एवं निजी विद्यालयों में भी ठंड का असर देखने को मिल रहा है, जहां विद्यार्थी पूरी तैयारी के साथ गर्म कपड़ों में पहुंच रहे हैं। इस संबंध में खण्ड चिकित्सा अधिकारी

डॉ. अक्षय उपराड़े ने बताया कि कड़ाके की ठंड में विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि ठंड से बचाव हेतु पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें, सुबह-शाम अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें तथा ठंड लगने, खांसी, जुकाम या बुखार की स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक ठंड का असर बना रह सकता है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को सतर्क रहने एवं आवश्यक सावधानियां अपनाने की सलाह दी है।

नगर में नहीं हुई अब तक अलाव की व्यवस्था

लांजी नगर वनांचल क्षेत्र के अंतर्गत आता है, पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष विगत सप्ताह भर से कड़ाके की ठंड पड़ रही, किन्तु नगर परिषद लांजी के द्वारा अब तक ठंड से बचाव के लिए अलाव की व्यवस्था नहीं है गई है। जबकि पिछले वर्षों में चौक चौराहों पर नगर परिषद के द्वारा अलाव की व्यवस्था की जाती रही है। अब तक अलाव न जलाएं जाने पर लोगों ने नगर परिषद लांजी से तत्काल अलाव जलनें की मांग की है।

खेड़ुले कुनबी समाज की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। किरनापुर विकास खण्ड के अंतर्गत ग्राम किन्हीं में 14 दिसम्बर दिन रविवार को झनकलाल कुथे के निवास स्थान पर खेड़ुले कुनबी समाज की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में समाज हित के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। समाज में जागरूकता लाने, शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को प्रोत्साहित करने व समाज में व्याप्त कुरूतियों को दूर करने पर चर्चा की गई। इस दौरान बैठक में लक्ष्मण नाकतोड़े(अध्यक्ष खेड़ुले कुनबी समाज), सीताराम रावते, झनकालाल कुथे, सुखराम बेदरे, दिनेश चोरनेले, रवींद्र दोनाड़कर, यशवंत सिलारे, येवकराम सिलारे, मनीराम ढोरे, आनंदराव रावते, महेंद्र चोरनेले, जागेश्वर रावते, विजय ठाकरे, टेकपाल, संजय , देवाराम, जयराम, तुलसी, टिकेंद्रहरि, ठानिराम, प्रकाश, डोमेंद्र, राधेलाल, योगराज, जगतराम, येवकराम सौंदरकर, मोहनलाल, यशवंतराव, बीसराम, देवाराम, रूपचंद, युवराज, पुरुषोत्तम, धनलाल, अशोक कुथे, अशोक ठाकरे, चैतराम कुथे, टेकेश ठाकरे, नारायण, महारू, श्रावण कुथे, घनश्याम देसाई, सेवकराम, योगेश्वर, राजेश, मोहपत, कमलनारायण, मुरलीधर, मुन्नालाल, रमेश, दौलत, डोमेंद्र, तुकढ़िया, घनश्याम, मोनू नाकतोड़े, दौलतराम दोनाड़कर,

धर्मेंद्र कार मातृशक्ति - भुनेश्वरी बेदरे, सविता मिसारे, द्रौपदी जोशी, किरण पारधी, द्वारका दानी, ललिता पारधी, दुखिता मिसारे, लक्ष्मीबाई दानी, किरण बुराड़े, पिंकी बेदरे, कला बेदरे, सावित्री सौदरकर, सुनीता कुथे, इंदु बेदरे, हिरन खरखाटे, अनुसया कुथे, कवतिका कुथे, गीता मिसारे, जयवंती ठाकरे, राधनबाई नखाते तथा सभी समाजसेवी माताएं बंधुओं की उपस्थित रहीं।

बंदरों के आतंक से ग्रामीण त्रस्त

बंदर के हमले से महिला हुई घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। तहसील लांजी अंतर्गत ग्राम मोहझरी में इन दिनों बंदरों का आतंक ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बंदरों का झुंड आए दिन घरों की छतों पर कूद फांद कर उत्पात मचा रहे हैं, जिससे घरों की कवेलियों के अलावा बाड़ी बेला को नुकसान पहुंचा रहे। जिससे ग्रामीण परेशान व हताश नजर आ रहे हैं। बंदरों का आतंक इतना बड़ गया है कि अब लोगों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं, इन घटनाओं के कारण पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि इसी तरह की एक घटना 11 दिसंबर को ग्राम मोहझरी के वार्ड क्रमांक 06 निवासी श्रीमती शारदा पति लक्ष्मण भगत के साथ घटना घटित हुई। शारदा भगत ने जानकारी में बताया कि वह अपने घर की छत पर बैठकर बाल संवार रही थीं, तभी अचानक छत पर बंदर आ गए। घबराकर वह सीढ़ी की ओर दौड़ीं, इसी दौरान बंदरों ने उन पर हमला कर दिया। इस घटना में महिला को गंभीर चोटें आई हैं एवं घुटने में गंभीर चोटें आई है तथा शरीर के अन्य हिस्सों में भी खरोंचें आई हैं। घटना के समय महिला घर पर अकेली थीं, जबकि उनके पति रोज़गार के सिलसिले में बाहर गए हुए थे। शोर सुनकर पड़ोसी दयाराम भगत मौके पर पहुंचे और समय रहते मानवता का परिचय देते हुए महिला की सहायता कर डॉक्टर से इलाज करवाया। ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत मोहझरी में पहुंच कर आवेदन किया एवं वन विभाग को सूचित कर बंदरों के आतंक से मुक्ति दिलाने की मांग की।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की आवश्यक बैठक 14 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे से गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ वेद माता गायत्री का पूजन अर्चन किया गया। बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय बालाघाट में 17 दिसम्बर को पेंशनर्स डे मनाया जाएगा, जिसमें पेंशनर्स एसोसिएशन लांजी के पदाधिकारी शामिल होंगे तथा 75 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनर्स साथियों का सम्मान किया जाएगा। सभी सेक्टर के पदाधिकारियों की सूची बैठक में मंगाई गई, जिसमें लांजी, भानेगांव व बहेला की सूची

प्राप्त हुई। कारंजा एवं देवलगांव की सूची अप्राप्त है। आगामी बैठक 28 दिसम्बर को गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में आयोजित की गई है, जिसमें तहसील अध्यक्ष का मनोनयन किया जाएगा। बैठक में टेमनी सेक्टर के लिए परमेश्वर कुथे को प्रभारी बनाया गया। बैठक के अंत में पेंशनर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष जी डी बेदरे के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में इस दौरान पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के सचिव आई एस चौहान, एन एल बसेना, वाय आर सोनवाने, भोजराज घोंगड़े, गोरेलाल जाभुरे, एन डी वानखेड़े, सी एल मस्करे, उमंग प्रसाद कबीरे, भाऊराव सोनवाने, बी आर ढोक, गजलाल दमाहे, लखनलाल मुछावड़, बाबूराव बल्ले, राधेलाल ढोंगे, येशुराम घोरमारे, परमेश्वर कुथे, बालकृष्ण पारधी, एन आर दहीकर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

भैयासाहेब यशवंतराव आंबेडकर की जयंती मनाकर सर्कल शाखा भालवा(किरनापूर)का किया गया पुनर्गठन

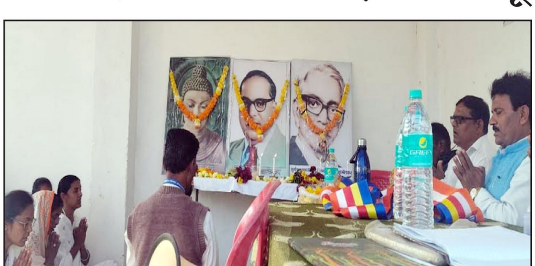

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। भारतीय बौद्धों की सर्वोच्च धार्मिक सामाजिक धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया(मीराताई आंबेडकर) तहसील शाखा किरनापुर जिला बालाघाट मप्र के तत्वावधान में शुक्रवार दिनांक 12/12/2025 को भालवा सर्कल मुख्यालय तहसील किरनापुर में सूर्यपुत्र भैयासाहेब अर्थात यशवंतराव आंबेडकर जी की जयंती एवं संस्था की सर्कल शाखा भालवा का पुनर्गठन समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.चरनदास ड़ेंगरे संस्था के मप्र राज्य शाखा के अध्यक्ष एवं केंद्रीय शिक्षक मप्र बालाघाट,अध्यक्षता दुरेन्द्र सावनकर तहसील अध्यक्ष एवं माजी श्रामणेर बौद्धाचार्य किरनापुर जिला बालाघाट,प्रमुख अतिथि अशोक कुमार मेश्राम जिलाध्यक्ष बालाघाट,विशेष अतिथियों में हरिचंद्र गौरकर तहसील उपाध्यक्ष एवं माजी श्रामणेर बौद्धाचार्य किरनापुर, योगराज ऊके तहसील उपाध्यक्ष बालाघाट,जी डी चोरे,डॉ सुभाषचंद्र रंगारे,योगराज पटले अध्यक्ष ग्राम शाखा भालवा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने भैयासाहेब यशवंतराव आंबेडकर जी की जिवनी पर उद्बोधन दिए।इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ.ढेंगरे जी ने भैया साहेब के संघर्ष पूर्ण जीवन की विस्तृत जानकारियां दि,उन्होंने बताया कि चैत्यभूमि मुम्बई के निर्माता,बौद्धाचार्य प्रशिक्षण शिविर के जनक भैयासाहेब थे। पुनर्गठन समारोह के विषय में उन्होंने बताया कि बाबा साहेब के सम्यक संकल्प की पूर्ति हेतु संस्था द्वारा शाखाओ का गठन/पुनर्गठन, धम्म प्रशिक्षण शिविरो का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। भालवा सर्कल के पुनर्गठन में अध्यक्ष-डॉ.सुभाषचंद्र रंगारे,महामंत्री-जी डी चौरे, कोषाध्यक्ष- सरोज डोंगरे, उपाध्यक्ष तिजुलाल खोबरागड़े (मड़कपार)दुर्गावती वासनिक, हेमराज वैद्य,बिरज वासनिक आदि पदाधिकारी यो मनोनीत कर नियुक्तियो का शाखा मान्यता पत्र प्रदाय किया गया।इस समारोह में भालवा,रटापायली, मानागढ़, सुशवा, मोहगांव, कुंडे, खपराझरी, गोदरी, केसा, साल्हे, करियादंड, नेवरगांव, नंदोरा, बक्कर आदि 20 से अधिक ग्राम शाखाओं के सैकड़ों पदाधिकारी शामिल थे,समारोह सम्पन्न कराने में ग्राम शाखा भालवा के एवं क्षेत्र के संस्था के पदाधिकारी यो का सक्रिय सहयोग रहा।

माली-फूलमारी समाज सेवा समिति का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट माली-फूलमाली समाज सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को वार्षिक उत्सव, स्नेह-मिलन एवं नवयुवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। नगर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में स्थित महात्मा फुले भवन में अयोजित इस कार्यक्रम में 15 युवकों व 5 युवतियों ने उपस्थितजनों के समक्ष अपना परिचय दिया।कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ जो देर शाम तक चलता रहा।इस अवसर पर बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वजातीयजन शामिल रहे।वही देर शाम सामुहिक भोज का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया

गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा बिसेन व विशिष्ट अतिथि नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, प्रमुख अतिथि के रूप में यू.आर माटे, यू.के बागड़े, बी.एन लांजेवार, एफ.सी लांजेवार, सुरेश नन्दरधने, मुरलीधर बनकर सहित अन्य उपस्थित रहे।

समाज को एकजुट कर आगे बढाने का प्रयास है- लांजेवार

इस संबंध में संगठन के अध्यक्ष एल.सी लांजेवार ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिये रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बच्चों द्वारा बड़े ही आर्कषक रंगोली उकेरी गई।तत्पश्चात नवयुवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें समाज के करीब 20 युवक-युवतियों ने मंचासीन होकर अपना परिचय दिया। वहीं बच्चों द्वारा गीत नृत्य एवं भाषण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात अकादमिक एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का मोमेंटो व प्रमाणपत्र देकर सम्मान किया गया।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट करना व बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना है। आगामी वर्ष में इस कार्यक्रम को और भी भव्य बनाने का प्रयास किया जाएंगा।

श्री शिवसांई को चढ़ाया गया 56 भोग का नैवेद्य

श्री शिव सांई मंदिर का तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्री शिव सांई मंदिर में, श्री सांई बाबा की प्रतिमा स्थापना के, 20 वें तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का 14 दिसंबर रविवार को महाप्रसाद भंडारा वितरण के साथ समापन किया गया।पूरे तीन दिनो, श्री सांईधाम शिर्डी से आए विद्धान पुरोहितों के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के तहत श्री सांई शोभायात्रा, काकड़ आरती, अभिषेक और मंदिर परिसर में 16 खंबों के बने विशेष पूजन मंडप में शिर्डी से आए विद्वान पुरोहितो ने, पूरे वैदिक विधि विधान से पूजन कराया। जबकि 14 दिसंबर को प्रात: 7 बजे श्री सांई बाबा का अभिषेक, प्रात: 9 बजे से पूजन, दोपहर 12 बजे हवन की पूर्णाहूति तथा 56 भोगों का नैवेध चड़ाकर आरती पश्चात भक्तों को महाप्रसाद (भंडारे) वितरित किया गया।श्री शिवसांई मंदिर में श्री सांई बाबा प्राण-प्रतिष्ठा के 20 वें वार्षिकोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमो में बड़ी संख्या में सांई भक्तों ने शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित किया। वार्षिक उत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान पंडित महंतदास वैष्णव और श्री शिव सांई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष अरविंद सोनी ने बताया कि हर वर्ष की तरह तीन दिवसीय सांई बाबा का वार्षिक उत्सव का आयोजन 12 दिसंबर से किया गया। जिसमें पहले दिन 12 दिसम्बर को शहर में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई।दूसरे दिन 13 दिसम्बर को सुबह श्री सांई बाबा की काकड़ आरती व 8 बजे मंदिर में उपस्थित सभी सांई भक्तों द्वारा अभिषेक, 9 बजे से कुशा के 16 खंबों के बने विशेष पूजन मंडप में शिर्डी से पहुंचे विद्वान पुरोहित द्वारा पूर्ण वैदिक विधि विधान से पूजन प्रारंभ करवाया गया। वही शाम 6 बजे हवन व आरती किया गया।वही आज 14 दिसम्बर को महाप्रसादी व भंडारा वितरण कर समारोह का समापन किया गया।उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2006 से हर गुरूवार को शाम 7 बजे से रात 10-30 महाप्रसाद का वितरण तक अनवरत किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री शिव सांई मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों व श्रद्धालुओं का सहयोग रहता है।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की सफल कहानियाँ अब डॉक्यूमेंट्री में दिखेंगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बालाघाट जिले में किए जा रहे नवाचारों एवं सफल क्रियान्वयन की कहानियों को राज्य स्तर पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से एक विशेष डॉक्यूमेंट्री का निर्माण किया गया है। इस डॉक्यूमेंट्री का शूटिंग कार्य हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि डॉक्यूमेंट्री का फिल्मांकन प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस 'द टेली प्रिंटर' की टीम द्वारा किया गया। टीम ने बालाघाट जिला मुख्यालय के साथ-साथ बैहर विकासखंड के ग्रामीण अंचलों में पहुँचकर विभिन्न गतिविधियों और सेवाओं का विस्तृत रूप से फिल्मांकन किया। फिल्मांकन के दौरान जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत काउंसलर्स द्वारा किशोर-किशोरियों को दी जा रही काउंसलिंग प्रक्रिया को रिकॉर्ड किया गया। इसमें यह दर्शाया गया कि किस प्रकार यह कार्यक्रम किशोरों की शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही उमंग स्वास्थ्य केंद्र में किशोरों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं वहाँ प्राप्त सकारात्मक परिणामों को भी डॉक्यूमेंट्री में प्रमुखता से शामिल किया गया है। उमंग केंद्र किशोर स्वास्थ्य संवर्धन में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, इसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। डॉक्यूमेंट्री में जिला चिकित्सालय परिसर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (DEIC) द्वारा संचालित विशेष स्वास्थ्य सेवाओं एवं नवाचारों को भी दर्शाया गया है। साथ ही कन्या महाविद्यालय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित मेडिकल परीक्षण शिविर के दौरान संचालित गतिविधियों का भी फिल्मांकन किया गया। इस डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से बालाघाट जिले के किशोर स्वास्थ्य मॉडल, नवाचारों एवं लक्षित प्रयासों को राज्य स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे अन्य जिलों को प्रेरणा मिलेगी और कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस डाक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण में विशेष योगदान स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महाविद्यालय का रहा है। इसमें पी.एम. श्री शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट एवं पी.एम. श्री शासकीय नवीन कन्या बूढ़ी स्कूल,

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ सड़को पर उतरा ब्राह्मण समाज

सीएम हाउस घेराव की कोशिश, पुलिस से हुई धक्कामुक्की

भोपाल। आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा दिये गये बयान के बाद उनके खिलाफ कार्यवाही किये जाने की मांग का मामला लगातार गर्माता ता जा रहा है। इसे लेकर के राजधानी भोपाल में रविवार को ब्राह्मण समाज ने संतोष वर्मा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। तय कार्यक्रम के अनुसार सुबह के समय से ही बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी रोशनपुरा चौराहे पर जमा हो गए। इसके बाद जमकर नारेबाजी करते हुए सीएम हाउस का घेराव करने के लिये आगे बढ़े। पहले से दल-बल के साथ तैनाम पुलिस जवानो ने उन्हें रोकने का प्रयास किया जिसके कारण प्रदर्शनकारियो और पुलिस के बीच धक्कामुक्की के हालात बन गये। गुस्साये प्रदर्शनकारी रोशनपुरा चौराहे पर पुलिस का घेरा तोड़कर बाणगंगा चौराहे तक पहुंच गए। यहाँ भी उन्हें रोकने के लिये बैरिकेडिंग की गई थी, इसके बाद भी वे लगातार आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। स्थिति संभालने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन चलाना पड़ी।

इस बीच हुई धक्का-मुक्की के दौरान कई वृद्ध और महिलाओ के घायल हुई जिन्हें मौके पर मौजूद एम्बुलेंस और मेडिकल टीम ने प्राथमिक उपचार दिया। वहीं हालात गंभीर होते देख अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारी आईएएस संतोष वर्मा की तत्काल गिरफ्तारी और सेवा से बर्खास्तगी किये जाने की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने सरकार और प्रशासन के खिलाफ भी कार्यवाही न करने को लेकर जमकर नारेबाजी की। गौरतलब है कि इससे पहले ब्राह्मण बेटियों को लेकर आपत्तिजनक कमेंट करने वाले सीनियर आईएएस संतोष कुमार वर्मा के खिलाफ राज्य सरकार ने बर्खास्तगी का प्रस्ताव भेजा है। हालांकि प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने जो प्रस्ताव भेजा है, वह अधूरा है। प्रस्ताव में यह साफ नहीं है कि सरकार संतोष वर्मा को बर्खास्त करना चाहती है या सिर्फ उनका प्रमोशन रद्द करना चाहती है। इस अस्पष्टता के कारण केंद्र सरकार प्रस्ताव को वापस भी कर सकती है। 12 दिसंबर को यह प्रस्ताव कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजा गया। इसमें संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है, लेकिन कार्रवाई के ठोस कारण स्पष्ट रूप से नहीं बताए गए हैं। वहीं प्रदर्शनकारियो ने भी कहा की सरकार का रुख आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ कड़ी कार्यवाही किये जाने को लेकर साफ नहीं है।

ठंड का दबाव बरकरार, पारा 5 डिग्री से नीचे

- मध्यप्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ से थमी शीतलहर

भोपाल। उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर जारी है। इसका सीधा असर मध्यप्रदेश पर भी दिख रहा है। सर्द हवाओं की रफ्तार फिलहाल कमजोर पड़ी है, इसी वजह से प्रदेश में अगले तीन दिन तक शीतलहर का कोई अलर्ट नहीं है। हालांकि राहत केवल अलर्ट तक सीमित है, क्योंकि तापमान लगातार नीचे जा रहा है और रातें ज्यादा सर्द होती जा रही हैं। प्रदेश में इस समय सबसे ठंडा इलाका शहडोल जिले का कल्याणपुर रिकॉर्ड किया गया है। यहां न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे बना हुआ है। बीती रात पारा 4.7 डिग्री सेल्सियस तक लुढक् गया, जिसने पूरे प्रदेश में ठंड का ट्रेंड साफ कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत की ओर दो और पश्चिमी विक्षोभ बढ़ रहे हैं। इनके असर से पहाड़ों पर बर्फबारी और बारिश जारी रहेगी। जब ये सिस्टम आगे बढ़ेंगे, तब जमी हुई बर्फ पिघलेगी और उत्तर से ठंडी हवाएं मध्यप्रदेश की ओर बढ़ेंगी। इसके बाद एक बार फिर प्रदेश में कोल्ड वेव यानी शीतलहर की वापसी होगी। प्रदेश के 25 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में पारा 5.9 डिग्री रहा, भोपाल में 6.4 डिग्री, ग्वालियर में 9.8 डिग्री, उज्जैन में 9.2 डिग्री और जबलपुर में 8.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इसके अलावा राजगढ़-पचमढ़ी में 5.4 डिग्री, मंदसौर में 6 डिग्री, शाजापुर में 6.4 डिग्री, रीवा में 7 डिग्री और कई अन्य जिलों में रात का तापमान 7 से 9 डिग्री के बीच बना रहा।

ऊपर आसमान में तेज जेट स्ट्रीम

मौसम में ठंड बनाए रखने में जेट स्ट्रीम की भी अहम भूमिका है। वर्तमान में उत्तर भारत के ऊपर जमीन से करीब 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर जेट स्ट्रीम करीब 176 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बह रही है। इसका प्रभाव मध्यप्रदेश तक महसूस किया जा रहा है। कुछ समय पहले इसकी रफ्तार 222 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच चुकी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक जेट स्ट्रीम ऊंचाई पर चलने वाली बेहद तेज हवा होती है। जब पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं के साथ इसका मेल होता है, तब ठंड का असर कई गुना बढ़ जाता है।

मोहन सरकार बनाएगी सडक़ों का हेल्थ कार्ड

बार-बार नहीं उखड़ेंगी सडक़ें, बजट का दुरुपयोग रुकेगा

भोपाल। मध्य प्रदेश के स्टेट हाईवे से लेकर सभी मार्गों का एनएचएआई की तर्ज पर सरकार पूरा डाटा तैयार कराने जा रही है। इसके लिए नेटवर्क सर्वे व्हीकल्स की मदद से प्रदेश की सडक़ों का डाटा जुटाया जाएगा और इसके बाद डाटा का एनालिसिस कर सभी सडक़ों का डिजिटल हेल्थ कार्ड बनाया जाएगा। राज्य सरकार ने यह कदम बार-बार खराब होने वाली सडक़ों से छुटकारा पाने के लिए उठाया है। सडक़ों का डाटा इकट्ठा होने से सडक़ों के निर्माण, सुधार कार्य बेहतर होगा। साथ ही सडक़ निर्माण में खर्च होने वाली राशि में भी कमी आएगी।

जानकारी के अनुसार, मप्र लोक निर्माण विभाग में बजट का दुरुपयोग रोकने के लिए रोड असेट मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया है। इसके तहत पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित प्रदेश की 40 हजार किमी सडक़ों का डिजिटल हेल्थ कार्ड तैयार किया जाएगा। प्रोजेक्ट लागू करने में करीब 20-25 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। विभाग के अधिकारी इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि, आगामी समय में इसका कई गुना फायदा मिलेगा। क्योंकि, अभी तक सडक़ों के प्रबंधन के लिए सालाना करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं। रोड असेट मैनेजमेंट सिस्टम लागू होने के बाद व्यवस्थित रूप से पैसा खर्च किया जा सकेगा। रोड असेट मैनेजमेंट सिस्टम एक डिजिटल और वैज्ञानिक तरीका है। इसके जरिए सडक़ से संबंधित सभी संपत्तियों का प्रबंधन, रख-रखाव और सुधार समय पर, कम लागत से किया जाता है। इससे सडक़ों की मरम्मत में खर्च होने वाले बजट के सदुपयोग के लिए रोड असेट मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है।

इस तरह तैयार होगा सडक़ का हेल्थ कार्ड

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की तरह मध्य प्रदेश में भी रोड असेट मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। इसके तहत प्रदेश की करीबन 40 हजार किलोमीटर सडक़ों का पूरा रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इसके तहत एनएसव्ही यानी नेटवर्क सर्वे व्हीकल की मदद ली जाएगी। इन व्हीकल्स की मदद से प्रदेश की सडक़ों का डाटा जुटाया जाएगा। इसके तहत देखा जाएगा कि सडक़ों की सतह की गुणवत्ता किस तरह की है, सडक़ कहां-कहां खराब हुई है और मार्ग पर मौजूद तकनीकि खामियां, ट्रेफिक लोड, साइन बोर्ड, सिग्नल आदि के डाटा को जुटाया जाएगा। इस डाटा का विशेषज्ञ एनालिसिस करेंगे और इसके आधार पर हर सडक़ का हेल्थ कार्ड तैयार किया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह कहते हैं कि डिजिटल हेल्थ कार्ड तैयार होने से हर सडक़ों में सुधार कराना आसान होगा। जहां जिस तरह की जरूरत होगी उसे पूरा किया जाएगा, इससे सडक़ दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

पहले मुख्य मार्गों का डेटा होगा तैयार

सडक़ों का हेल्थ रिकॉर्ड तैयार करने की शुरुआत प्रदेश के हाईवे, जिलों की मुख्य सडक़ों से होगी। पहले चरण में करीबन 10 हजार किलोमीटर सडक़ों का डेटा तैयार किया जाएगा। इसके बाद जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों से जुडऩे वाली सडक़ों का एनालिसिस किया जाएगा। सडक़ों का हेल्थ कार्ड तैयार कराने में करीब 25 करोड़ की राशि खर्च होगी, लेकिन विभागीय अधिकारियों के मुताबिक इससे सडक़ों के बार-बार खराब होने और गुणवत्ता को लेकर आने वाली समस्याओं पर लगाम लगेगी। सडक़ों का सर्वे कर डिजिटल हेल्थ कार्ड तैयार किया जाएगा, जिससे सडक़ें दुरूस्त रहेंगी और सडक़ हादसों में भी कमी आएगी। इससे बजट का सही दिशा में इस्तेमाल किया जा सकेगा। सडक़ों का लंबे समय तक बेहतर स्थिति में रहना संभव हो सकेगा। साथ ही सडक़ दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। इसके अलावा योजनाबद्ध और तेजी से मरम्मत कार्य पूरा कराया जा सकेगा। साथ ही, पारदर्शिता बनेगी, जिससे जबावदेही का निर्धारण किया जा सकेगा। विशेष मशीन के जरिए सालाना सडक़ का हेल्थ कार्ड तैयार करवाया जाएगा। सडक़ की लंबाई, चौड़ाई, स्थिति, ट्रैफिक लोड, पुल, कल्वर्ट, साइन बोर्ड और सिग्नल सहित रोड की मौजूदा स्थिति आदि जानकारी एकत्रित की जाएगी। इसका हर साल सर्वे किया जाएगा। इसे पीडब्ल्यूडी द्वारा स्टेट हाईवे, मुय जिला मार्ग और अन्य जिला मार्ग सहित सभी जगह लागू कर रहा है। हेल्थ कार्ड बनाने का काम दो चरणों में होगा। पहले में अन्य जिला मार्ग, मुख्य जिला मार्ग और स्टेट हाईवे को रखा है। लगभग 10 हजार किमी ग्रामीण सडक़ें अगले चरण में कवर होंगी।

भोपाल-मंदसौर ग्रीनफील्ड फोरलेन बनना शुरू

भोपाल से लेकर पश्चिमी क्षेत्र के दूरस्थ जिले मंदसौर के बीच अब सीधी, तेज और सुगम कनेक्टिविटी होने जा रही है। इसके लिए मध्य प्रदेश सडक़ विकास निगम ने एक्सेस कट्रोल्ड ग्रीनफील्ड फोरलेन सडक़ निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रस्तावित फोरलेन करीब 258 किलोमीटर लंबा होगा, इसमें सबसे खास बात ये है कि, जो मौजूद समय में मार्गों की तुलना में 100 से 150 किलोमीटर तक दूरी घट जाएगी। यह सडक़ जमीन की सतह से लगभग 8 से 10 फीट की ऊंचाई पर बनाई जाएगी और इसमें अत्यंत कम मोड़ होंगे, जिससे वाहनों को एक समान और तेज गति मिल सकेगी। इस फोरलेन का लाभ मंदसौर और नीमच जिलों के साथ-साथ राजस्थान के प्रतापगढ़, चित्तौडग़ढ़, बांसवाड़ा और उदयपुर के यात्रियों को भी मिलेगा।

कल का ब्लैक स्पॉट अब बन गया रेड कारपेट

देशभर में भोपाल-जबलपुर हाईवे की चर्चा

भोपाल। मप्र में राजधानी भोपाल से संस्कारधानी जबलपुर नेशनल हाईवे का एक हिस्सा इन दिनों देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। नरसिंहपुर से जबलपुर के बीच करीब दो किलोमीटर की फोरलेन सडक़ को एक अनोखी तकनीक से तैयार किया गया है, जो अब सुरक्षा और सुंदरता दोनों का प्रतीक बन चुकी है।

यह सडक़ वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की सीमा से होकर गुजरती है, जहां वन्य प्राणियों की मौजूदगी के कारण सडक़ हादसों का खतरा लगातार बना रहता था। इसी खतरे को दूर करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने यहां एक खास तकनीक अपनाई है, जिसे तकनीकी भाषा में कहा जाता है टेबल टॉप रेड मार्किंग इस तकनीक के तहत सडक़ पर लाल रंग की उभरी हुई मार्किंग की गई है, जो वाहन गुजरने पर हल्का झटका देती है और ड्राइवर की स्पीड अपने आप नियंत्रित हो जाती है।

दरअसल, यह पूरा क्षेत्र पहले एक बड़ा ब्लैक स्पॉट माना जाता था। राजमार्ग चौराहे से लेकर बेलखेड़ा तक कई हादसे सामने आए थे। अब इसी हिस्से को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने के लिए करीब 12 किलोमीटर के डेंजर जोन में विशेष तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसमें दो किलोमीटर के हिस्से में टेबल टॉप मार्किंग तकनीक अपनाई गई है। इतना ही नहीं सडक़ से गुजरने वाले लोगों ने तो इस रोड को रेड कारपेट का नाम भी दे दिया है। इस सडक़ से यात्रा जितनी सुरक्षित है दिखने में उससे कहीं ज्यादा सुंदर है। इसके साथ-साथ वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही के लिए इस प्रोजेक्ट में 25 अंडरपास (पुलिया) भी बनाए गए हैं, ताकि जंगली जानवर बिना खतरे के एक ओर से दूसरी ओर जा सकें। सिर्फ इतना ही नहीं, रात के समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सडक़ के दोनों किनारों पर पांच मिलीमीटर मोटी व्हाइट शोल्डर लाइन भी बनाई गई है। यह लाइन ड्राइवर को नींद आने या वाहन के किनारे खिसकने की स्थिति में तेज झटका देकर तुरंत सतर्क कर देती है। इस तकनीक का मकसद यात्रियों और वन्यजीवों दोनों का सफर सुरक्षित बनाना है, ताकि भविष्य में यह मार्ग कभी भी फिर से ब्लैक स्पॉट न बन पाए।

भोपाल से बेंगलुरु के लिए चलेगी अतिरिक्त फ्लाइट

भोपाल। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एयर इंडिया ने बेंगलुरु-भोपाल-बेंगलुरु रूट पर अतिरिक्त फ्लाइट चलाने का फैसला किया है। यह विशेष सेवा 14 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर तक उपलब्ध रहेगी। इससे राजा भोज एयरपोर्ट से दक्षिण भारत के प्रमुख शहर बेंगलुरु के लिए हवाई कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। एयर इंडिया की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक, अतिरिक्त फ्लाइट नंबर एआई 3391 दोपहर 2꞉30 बजे बेंगलुरु से भोपाल के लिए उड़ान भरेगी। वहीं वापसी में फ्लाइट नंबर एआई 3392 भोपाल से शाम 3꞉05 बजे बेंगलुरु के लिए रवाना होगी।

राजधानी में 4.43 लाख नाम हटेंगे मतदाता सूची से, मिलेगा सुधार का मौका

भोपाल। राजधानी में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान के दौरान करीब 39 दिनों की पड़ताल के बाद मृत, स्थानांतरित, अनुपस्थित और डबल एंट्री जैसी श्रेणियों में 4 लाख 43 हजार 633 मतदाताओं के नाम अमान्य पाए गए हैं। ऐसे मतदाताओं के नाम सूची से हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। वहीं नो-मैपिंग श्रेणी में आने वाले मतदाताओं की संख्या में भी कमी आई है और यह अब 1 लाख 35 हजार 765 रह गई है। हालांकि, नो-मैपिंग के बाद हटाए जाने वाले नामों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है, जिससे राजनीतिक दलों और मतदाताओं की चिंता बढ़ी है। इस बीच चुनाव आयोग ने मतदाताओं को राहत देते हुए गणना पत्रक जमा करने की समय-सीमा 18 दिसंबर तक बढ़ा दी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इस अवधि में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर सुधार कार्य पूरा किया जाए। नाम कटने के आंकड़ों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के आब्जर्वर और ज्वाइंट सेक्रेटरी ब्रजमोहन मिश्रा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर नाम हटाने से पहले बीएलओ स्तर पर सत्यापन बेहद जरूरी है, ताकि किसी पात्र मतदाता का अधिकार प्रभावित न हो। आब्जर्वर ने उत्तर विधानसभा क्षेत्र के खानूगांव और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के पॉलिटेक्निक मतदान केंद्र पहुंचकर बीएलओ के कामकाज की मौके पर समीक्षा भी की। हालांकि, तय कार्यक्रम के अनुसार अन्य विधानसभा क्षेत्रों का निरीक्षण समयाभाव के कारण नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि 7 दिसंबर को राजधानी की सात विधानसभा क्षेत्रों में स्ढ्ढक्र कार्य पूर्ण घोषित किया गया था। उस वक्त 4 लाख 8 हजार 106 नाम हटाने का प्रस्ताव था, लेकिन नो-मैपिंग प्रक्रिया के बाद महज पांच दिनों में 35 हजार 528 नए नाम हटाने की सूची में जुड़ गए।

गुटखा कारोबार में 700 करोड़ की जीएसटी की चोरी?

मुख्य सचिव नाराज

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वाणिज्य कर विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने राजस्व कलेक्शन को लेकर अधिकारियों की कार्यशैली और टैक्स वसुली को लेकर नाराजी व्यक्त की।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा, मध्य प्रदेश में 700 करोड रुपए से ज्यादा की जीएसटी चोरी अकेले सुपारी और गुटखा कारोबार में हो रही है। इसमें बड़े-बड़े कारोबारियों का हाथ है। कर राजस्व विभाग के अधिकारियों को टैक्स चोरी रोकने पर ध्यान देने की जरूरत है।

उल्लेखनीय है, मध्य प्रदेश में नवंबर 2025 तक टैक्स कलेक्शन में लगभग 6000 करोड रुपए की कमी देखने में आई है। मुख्य सचिव इससे काफी नाराज थे। उन्होंने सभी अधिकारियों को इस मामले में सजग होकर काम करने का निर्देश दिया है।

मुख्य सचिव ने कहा, टैक्स चोरी के लीकेज को रोकें, 2026 के लक्ष्य को पूरा करें। जीएसटी कलेक्शन पर विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों का कहना था। जीएसटी की दरों में जो बदलाव किया गया है। उसके कारण टैक्स रिवेन्यू पिछले वर्ष की तुलना में कम एकत्रित हुआ है। मध्य प्रदेश सरकार ने जो लक्ष्य तैयार किया था,वह जीएसटी के पुराने टैक्स स्लैब के अनुसार था। इस स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। मध्य प्रदेश का टैक्स कलेक्शन इस साल लक्ष्य से काफी कम होगा। इसको लेकर मध्य प्रदेश सरकार की चिंता बढ़ी हुई है।

पांच राज्यों के शहरी विकास पर भोपाल में होगा मंथन

भोपाल । मप्र सहित पांच राज्यों में शहरी विकास की नई योजनाएं भोपाल में बनाई जाएंगी। इसे लेकर 20 दिसंबर को भोपाल में क्षेत्रीय बैठक बुलाई गई है। इसमें केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर शामिल होंगे। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार भोपाल में आयोजित बैठक में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मप्र के शहरी विकास का रोडमैप तैयार कर चुनौतियों व समाधान पर भी बात होगी।

मध्य प्रदेश की ओर से पीएम आवास, लीगेसी वेस्ट जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं में अब तक कितना काम हुआ और शहरी विकास में राज्य सरकार ने क्या काम किए, इनका ब्योरा दिया जाएगा। वहीं भूमि विकास नियम में संशोधन के साथ ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट और मेट्रोपॉलिटन सिटी की प्रगति के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

खट्टर दिखाएंगे मेट्रो को हरी झंडी

इसी दिन भोपाल मेट्रो को हरी झंडी दिखाई जाएगी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सुभाष नगर मेट्रो डिपो या एम्स मेट्रो स्टेशन जाकर मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। एमपी मेट्रो कारपोरेशन के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने बताया कि 20 दिसंबर को भोपाल मेट्रो का लोकार्पण किया जाएगा। शासन ने लोकार्पण की तारीख आधिकारिक रूप से तय कर दी है और मेट्रो प्रबंधन को इसकी औपचारिक सूचना भेज दी गई है। लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन मिंटो हाल में दिन के समय होगा। पहले चरण में ऑरेंज लाइन के 7.5 किलोमीटर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो चलाई जाएगी। यह रूट एम्स मेट्रो स्टेशन से लेकर सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन तक रहेगा।

प्रतिमा बागरी से संगठन नाराज, भाई करतूतों को लेकर मांगा जवाब

भोपाल। बीते दिनों प्रदेश की राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के भाई अनिल बागरी को गांजा तस्करी के आरोप में पकड़े जाने के बाद से भाजपा संगठन नाराज हैं। इस वजह से प्रतिमा बागरी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए भाजपा के शीर्ष नेताओं ने मंत्री को भाजपा कार्यालय बुलाया। प्रदेश कार्यालय में मंत्री बागरी की संगठन के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें हुईं। सबसे पहले क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल से करीब आधे घंटे तक चर्चा हुई। इसके बाद प्रदेश महामंत्री हितानंद शर्मा से भी बंद कमरे में बातचीत की गई। जानकारों के अनुसार बैठक के दौरान मंत्री से कड़े सवाल किए गए। उनसे यह स्पष्ट करने को कहा गया कि इतने करीबी पारिवारिक रिश्ते के बावजूद उन्हें कथित गतिविधियों की जानकारी कैसे नहीं थी। भाई की गिरफ्तारी को लेकर उनसे औपचारिक जवाब भी मांगा गया। मंत्री प्रतिमा बागरी ने संगठन के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उनके भाई की गतिविधियों से उनका कोई संबंध नहीं है और वह इस मामले में पूरी तरह निर्दोष हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इससे पहले भी मंत्री के परिवार से जुड़े मामलों को लेकर विवाद सामने आ चुके हैं, जिससे संगठन की छवि को नुकसान पहुंचा है। भाजपा नेतृत्व इस मामले पर गंभीर है। फिलहाल आगे की रणनीति पर विचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि अजय जामवाल से मुलाकात के बाद मंत्री बागरी का हाव-भाव बदला हुआ और वह असहज नजर आईं।

मप्र हाईकोर्ट ने नर्सिंग काउंसिल को किया तलब

भोपाल। मप्र में नर्सिंग काउंसिल की प्रवेश प्रक्रिया को मप्र उच्च न्यायालय ने संज्ञान लेकर काउंसिल से जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता रवि परमार एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से एमएससी नर्सिंग प्रवेश प्रक्रिया में हो रही अनियमितताओं की ओर न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया। उच्च न्यायालय ने एमएससी नर्सिंग प्रवेश प्रकरण को गंभीर मानते हुए मप्र नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल को दिनांक 15 दिसंबर को न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए। साथ ही न्यायालय ने यह महत्वपूर्ण बिंदु भी रेखांकित किया कि परिषद द्वारा पोस्ट बीएससी एवं एमएससी नर्सिंग की काउंसलिंग हेतु समय-सारणी तो जारी की गई है, लेकिन संबंधित वेबसाइट कार्यरत नहीं है, जिससे पात्र अभ्यर्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से बताया गया कि दिसंबर 2025 में मध्य प्रदेश नर्स पंजीकरण परिषद के रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा भारतीय नर्सिंग परिषद को पत्र प्रेषित कर एस.एल.पी. संख्या 29570/2025 के संबंध में उत्तर दिया गया था। उक्त पत्र में उल्लेख है कि 03 दिसंबर 2025 के आदेश द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि भारतीय नर्सिंग परिषद प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित उम्मीदवारों के प्रवेश में कोई बाधा उत्पन्न न करे। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाई गई है। पत्र के पैरा-3 में यह स्पष्ट किया गया है कि ये निर्देश केवल मध्य प्रदेश राज्य में प्रवेश के संदर्भ में लागू होंगे। इस पर उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया कि जब सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश की तिथि 31/12/2025 तक बढ़ाई गई है, तो एमएससी नर्सिंग को इससे अलग क्यों रखा गया है? न्यायालय ने इस संबंध में भारतीय नर्सिंग परिषद से स्पष्ट स्पष्टीकरण अपेक्षित बताया। भारतीय नर्सिंग परिषद का दिनांक 08/12/2025 का पत्र भी न्यायालय के अभिलेख में लिया गया।

सरकारी नीतियों और योजनाओं की आड़ में हो रही ठगी

भोपाल। डिजिटल दौर में जितनी तेजी से तकनीक आम लोगों की जिंदगी आसान बना रही है, उतनी ही तेजी से साइबर ठग भी उसी तकनीक का दुरुपयोग कर लोगों की मेहनत की कमाई पर डाका डाल रहे हैं। अब इन ठगों ने ठगी का नया हथियार खोज लिया है। सरकारी नीतियों और योजनाओं के जाल में फंसाकर लोगों से ठगी की जा रही है। दरअसल, देश में फर्जी वेबसाइटों और धोखाधड़ी वाले निवेश प्लेटफॉर्मों का जाल तेजी से फैल रहा है। इन साइटों पर न सिर्फ सरकारी नीतियों का फर्जी प्रचार किया जा रहा है, बल्कि केंद्रीय मंत्रियों, सेलिब्रिटी और वरिष्ठ पत्रकारों के नाम पर झूठे इंटरव्यू और नकली बयान तैयार किए जा रहे हैं।

ताजा मामला एक ऐसी वेबसाइट का है, जिसने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम से एक फर्जी इंटरव्यू प्रकाशित किया और दावा किया कि भारत सरकार टैक्स वापस कर रही है, हर नागरिक को 2.5 लाख रुपये महीना मिलेगा। स्क्रीनशॉट में यह खबर इंडिया टुडे की स्टाइल में डिजाइन की गई है, ताकि पाठकों को लगे कि यह असली समाचार है। फर्जी खबर में टीवी एंकर नविका कुमार का नाम इस्तेमाल कर दिखाया गया कि वह लाइव इंटरव्यू में इस योजना में पैसे निवेश कर रही हैं, ताकि पढऩे वाले को लगे कि यह योजना असली है। फर्जी वेबसाइट का दावा है कि भारत सरकार टैक्स का पैसा वापस करेगी। नागरिकों को हर महीने 2.5 लाख रुपये मिलने लगेंगे। इसके लिए क्वांटम एआई नाम की एक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। सिर्फ 21,000 रुपया कर देने पर हर महीने लाखों रूपये कमाए जा सकते हैं। इसे सरकारी प्रोजेक्ट बताया गया है। कहा गया कि यह आरबीआई और भारतीय सरकार द्वारा गारंटीड है। ये सभी दावे 100 फीसदी फर्जी व गैरकानूनी हैं और धोखाधड़ी के दायरे में आते हैं।

इस तरफ झांसे में आते हैं लोग

लोगों को फंसाने के लिए ऐसी फर्जी वेबसाइट डिजाइन की जाती है, जो असली लगे। असली न्यूज वेबसाइट जैसा डिजाइन बनाकर लोगों को भ्रमित करते हैं। बड़े नेताओं या मंत्रियों के नाम से फर्जी कोट्स जोड़ देते हैं। सरकारी योजना जैसा दिखाकर पैसे जमा कराने का दबाव बनाते हैं। सीमित सीटें, अभी रजिस्टर करें जैसी भाषा से लोगों को जल्दी निर्णय लेने पर मजबूर करते हैं। नकली एआई ट्रेडिंग स्कीम, क्रिप्टो स्कैम, लॉटरी स्कैम के जरिए पैसे ठगते हैं। कई वेबसाइटें पीएम इकोनोमिक बूस्टर स्कीम नाम से झूव दावा करती हैं कि पीएम ने हर नागरिक के खाते में 1 लाख रु भेजने का आदेश दिया है। लोगों से 5,000 रजिस्ट्रेशन चार्ज, आधार कार्ड, बैंक डिटेल मांगी जाती है। सरकार ने साफ किया है कि ऐसी कोई स्कीम नहीं है। पोस्ट फैलाए जाते हैं कि अमिताभबच्चन ने बिटक्काइन इरा और एआई ट्रेडर प्रो जैसी स्कीम में निवेश कर करोड़ों कमाए।

भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान को हराया

दुबई । आरोन जॉर्ज के शानदार अर्धशतक के बाद दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान की घातक गेंदबाजी की सहायता से भारतीय टीम ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट मैच में 90 रनों से हरा दिया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतने के बाद भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। भारत ने आरोन के 85 और कनिष्क के 46 रनों की सहायता से 46.1 ओवर में 240 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान टीम 41.2 ओवर में 150 रन ही बना पायी। पाकिस्तान की टीम 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भातरीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। उसकी शुरूआत धीमी और टीम के लगातार विकेट गिरते गये। केवल हुजैफा अहसान ही 50 रन बनाये पाये। इस खिलाड़ी के आउट होते ही पाक टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी।

इससे पहले आरोन और कनिष्क की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने 240 रन बनाए। इस मैच में आरोन ने 85 रन की अर्धशतकीय पारी खेली जबकि कनिष्क ने 46 रन बनाये। वहीं पाक की ओर से मोहम्मद सैय्यम और अब्दुल सुभान ने 3-3 विकेट लिए। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आज असफल रहे और केवल 5 रन ही बना पाये। वह 3.2 ओवर में मोहम्मद सैय्यम का शिकार बने।

यशस्वी के अलावा भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे भी 38 रन ही बना पाये। विहान मल्होत्रा ने 12 रन जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 7 रन बनाये। अभिज्ञान कुंडू ने 32 गेंदों पर 22 रन बनाए। आरोन ने सबसे बेहतर खेलते हुए 12 चौके और एक छक्का लगाकर 88 गेंदों पर 85 रन बनाए। खिलान पटेल केवल 6 रन ही बना पाये। कनिष्क चौहान 46 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 46 गेंदों पर 2 चौके, 3 छक्के लगाये। -हेनिल पटेल12 रन जबकि दीपेश देवेंद्रन 1रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

गेंदबाजों के बाद अभिषेक का दिखा दम, धर्मशाला में भारत ने झ20 में लगाई जीत की हैट्रिक; हासिल की बढ़त

धर्मशाला। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी20 मैच में सात विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत ने गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से दक्षिण अफ्रीका की पारी 20 ओवर में 117 रन पर ऑलआउट कर दी थी। भारत ने फिर 15.5 ओवर में तीन विकेट पर 120 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने सबसे ज्यादा रन बनाए। अभिषेक ने 18 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 35 रन बनाए।

धर्मशाला में जीता लगातार तीसरा टी20

भारत ने इसके साथ ही धर्मशाला में जीत की हैट्रिक लगा ली है। भारत ने धर्मशाला के इस मैदान पर लगातार तीसरा टी20 मुकाबला जीता है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मुकाबला जीतने से पहले 2022 में श्रीलंका के खिलाफ दो टी20 मैच जीते थे।

गिल-अभिषेक ने दिलाई शानदार शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक और शुभमन गिल ने भारत को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 60 रन जोड़े। इस साझेदारी को कॉर्बिन बॉश ने आउट किया। भारत ने एक बार फिर प्रयोग किया और तीसरे स्थान पर सूर्यकुमार की जगह तिलक वर्मा को उतारा। तिलक और गिल ने दूसरे विकेट के लिए 32 रनों की साझेदारी की, लेकिन मार्को यानसेन ने गिल को बोल्ड कर दिया। गिल 28 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर असफल रहे और 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तिलक और शिवम दुबे ने भारत की जीत की औपचारिकता पूरी की। तिलक 34 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से नाबाद 25 रन और शिवम चार गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं रोहित शर्मा और विराट कोहली

नई दिल्ली । रोहित शर्मा और विराट कोहली इस साल विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं। कोहली का नाम भारत के प्रमुख 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल होने के बाद , रोहित का चयन भी लगभग तय है। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की मुंबई में विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेलने की संभावना हैं ताकि भारत की अगली वनडे सीरीज से पहले उन्हें तैयारी का मौका मिल सके। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफल सीरीज के बाद, भारत की अगली वनडे द्विपक्षीय सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होगी।

इसका मतलब है कि उस सीरीज से पहले काफी समय है और अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलने वाले रोहित शर्मा और कोहली घरेलू क्रिकेट में खेल सकेंगे। यह बीसीसीआई की उस नीति के अनुरूप भी है जिसके तहत फिट और उपलब्ध सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू मैच खेलना अनिवार्य है। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया, 'टीम का चयन हर मैच के आधार पर किया जाएगा और हमें उम्मीद है कि रोहित कुछ मैच खेलेंगे, हालांकि अभी तक उनकी तरफ से कोई पुष्टि नहीं मिली है, लेकिन अभी समय है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के बाद अगले हफ्ते टीम का चयन होने की संभावना है। अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैच भी हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर निर्भर करेगा।'

दीपक हुड्डा को शायद ही आईपीएल में खरीदार मिले

मुम्बई । अबू धाबी में 16 दिसंबर को होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की छोटी नीलामी में क्रिकेटर दीपक हुड्डा को शायद ही कोई टीम खरीदे। इसका कारण है कि हुड्डा को भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने अभी तक संदिग्ध गेंदबाजी सूची में रखा है जिससे वह गेंदबाजी नहीं कर पायेंगे।

बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजियों को हुड्डा के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के बारे में जानकारी दी है। घरेलू क्रिकेट में राजस्थान की ओर से खेलने वाले हुड्डा पिछले आईपीएल की तरह ही अभी भी संदिग्ध गेंदबाजों कीसूची में बरकरार हैं। बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी करने वाले हुड्डा ने पिछले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर सेसात आईपीएल मैच खेले थे, लेकिन उनमें से किसी में भी गेंदबाजी नहीं की थी। इस क्रिकेटर ने रणजी ट्रॉफी में एक ओवर और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पांच ओवर किए हैं।

अंतिम बार उन्हें आठ दिसंबर को झारखंड के खिलाफ गेंदबाजी करते देखा गया था। अगर उन्हें फिर से संदिग्ध एक्शन के लिए बुलाया जाता है, तो उन पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध लग सकता है। उन्होंने अहमदाबाद में उस मैच में तीन ओवर फेंके थे और 24 रन देकर तीन विकेट लिए थे। हुड्डा ने भारतीय टीम की ओर से 10 एकदिवसीय और 21 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेले हैं। वह नीलामी के लिए एएल1 (ऑलराउंडर) कैटेगरी में 75 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ शामिल किये गये हैं। एएल1 वर्ग में उनके अलावा वेंकटेश अय्यर, वानिंदु हसरंगा और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

वहीं संदिग्ध एक्शन वाले दूसरे खिलाड़ी जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक है। उसका बेस प्राइस 30 लाख रुपये है। वहीं कर्नाटक के 29 साल के ऑफ-स्पिनर केएल श्रीजीत पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध है, उन पर पिछले सत्र में ही प्रतिबंध लगा दिया गया था। मध्य प्रदेश के ऋषभ चौहान परा भी प्रतिबंधित सूची में शामिल हैं।नीलामी में कुल 350 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ियों ने स्वयं को अधिकतम बेस प्राइस दो करोड़ रुपये पर सूचीबद्ध किया है, जिनमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई ही केवल दो भारतीय खिलाड़ी हैं।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण में इस बार 22 प्रेरक पेसर शामिल किए गए

नई दिल्ली। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण में इस बार 22 प्रेरक पेसर शामिल किए गए हैं, जो 21 दिसंबर को हजारों धावकों को सही गति देने के लिए ट्रैक पर उतरेंगे। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल से सम्मानित यह दुनिया की पहली 25 किलोमीटर रोड रेस है। इस वर्ष पेसर्स का समूह विविधता और प्रेरणा का अद्भुत संगम पेश कर रहा है। इनमें सीमाओं पर देश सेवा कर चुके रक्षा बलों के जवान, चुनौतियों को पछाड़कर दौड़ को अपनाने वाली महिलाएं और अपने व्यस्त पेशे के बीच फिटनेस को जीवन का हिस्सा बनाने वाले लोग शामिल हैं। यह सभी टाटा स्टील वर्ल्ड की 'डिकेड ऑफ डिफरेंस' थीम को साकार करते हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : यशस्वी के शतक से मुम्बई ने हरियाणा को हराया

मुम्बई । बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के शतक 101 रनों की सहायता से मुम्बई ने हरिणाण के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ट्रॉफी में जीत के लिए मिले 235 रनों के लक्ष्य को छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया है। ये इस टूर्नामेंट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड झारखंड को था जो उसने पंजाब बे खिलाफ 237 रन बनाकर हासिल किया था।

इस मैच में अपनी पारी से यशस्वी ने साबित किया है कि वह केवल टेस्ट ही नहीं टी20 के भी अच्छे बल्लेबाज हैं।

सुपर लीग के इस मैच में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एक बड़ा स्कोर बनाया।। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी रते हुए मुंबई के गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया। 235 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछ करते हुए यशस्वी ने पूरी जिम्मेदारी से खेला। नॉकआउट चरण के इस मैच में मुंबई की टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उसके खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही सराकात्मक रुख अपनाया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की । इस बल्लेबाज ने एक के बाद एक आक्रामक शॉट खेले और केवल 48 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिये। यशस्वी ने अपनी इस पारी में 16 चौके और एक छक्का लगाया। ये उनका टी20 में चौथा शतक था। यशसवी की बल्लेबाजी के सामने हरियाणा के गेंदबाज बेबस दिखे।

सबसे अधिक अंशुल कंबोज पर उनका कहर टूटा। कंबोज की 13 गेंदों पर ही उन्होंने 34 रन बना दिये। वहीं सुमित कुमार के एक ओवर में उन्होंने केवल 13 गेंदों में 25 रन बनाये। इससे मुंबई का रन रेट अच्छा बना रहा और उसके बल्लेबाजों पर कोई दबाव नहीं आया।

यशस्वी जब आउट हुए तब मुंबई को जीत के लिए केवल सात रन बनाने थे। जीत से सिर्फ सात रन दूर थी।

भारतीय अंडर-19 टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया

दुबई । भारतीय टीम ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ हुए अंडर 19 पुरुष एशिया कप में हाथ नहीं मिलाने की नीति का पालन किया। भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे और खिलाड़ियों ने इस दौरान पाकिस्तानी कप्तान फरहान यूसुफ और टीम से दूरियां बनाये रखीं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर मुकाबले में पाक से दूरियां बनी रखी हैं फिर चाहे वह एशिया कप को यो महिला विश्वकप। इसी नीति को अंडर-19 टीम ने भी आगे बढ़ाया है। इसी कारण टॉस के समय दोनो ही टीमों के बीच दूरी दिखी। ?पाकिस्तान ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया पर दोनों कप्तानों ने एक-दूसरे से नजरें भी नहीं मिलाई। दोनो ने ही अपने-अपने बयान दिये और ड्रेसिंग रूम की ओर निकले।

पाक से हाथ नहीं मिलाने का ये सिलसिला एशिया कप 2025 के दौरान शुरू हुआ। जहां भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के तीनों मैचों में अपने पाकिस्तानी कप्तानों से हाथ नहीं मिलाया था और फिर एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी मना कर दिया था। इसके बाद महिला विश्वकप में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी पाक कप्तान से हाथ नहीं मिलाया।

मंधाना ने हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड बनने पर दी बधाई, कहा मुझे तुम पर गर्व है

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर एक स्टैंड का नाम किये जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि मुझे तुम पर गर्व है। मंधाना ने हरमनप्रीत को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा कि महिला क्रिकेट के लिए ये दिन दिन काफी अच्छा रहा जब किसी खिलाड़ी के नाम पर स्टैंड बना है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने विश्व विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत को सम्मानित करने उनके नाम पर एक स्टेडियम का उद्घाटन किया था।

बीसीसीआई ने हरमनप्रीत का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। इसे साझा करते हुए मंधाना ने लिखा, 'बधाई हो हरमनप्रीत। महिला क्रिकेट के लिए क्या शानदार दिन है, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' इस वीडियो में हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतने के बाद मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल गया है पर मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक खास पल है जिस मैदान पर मैंने खेलना शुरू किया था, आज आखिरकार उसपर मेरे नाम पर एक स्टैंड बना है। ये मेरे लिए बेहद गर्व का पल है और मैं इसके लिए पीसीए की आभारी हूं। लंबे संघर्ष के बाद ये दिन आया है। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। वह तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं जिनके नाम पर एक स्टैंड का नाम रखा गया है. इससे पहले झूलन गोस्वामी और मिताली राज के नाम पर स्टैंड बने थे पर हरमनप्रीत को सक्रिकय क्रिकेटर के तौर पर ये सम्मान मिला है। इसके साथ ही हरमनप्रीत को 11 लाख रुपये का चेक भी मिला है। के अलावा अमनजोत कौर और हरलीन देओल को भी 11 लाख रुपये मिले हैं। वहीं फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपये मिले हैं।

दीपक हुड्डा को शायद ही आईपीएल में खरीदार मिले

मुम्बई । अबू धाबी में 16 दिसंबर को होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की छोटी नीलामी में क्रिकेटर दीपक हुड्डा को शायद ही कोई टीम खरीदे। इसका कारण है कि हुड्डा को भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने अभी तक संदिग्ध गेंदबाजी सूची में रखा है जिससे वह गेंदबाजी नहीं कर पायेंगे।

बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजियों को हुड्डा के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के बारे में जानकारी दी है। घरेलू क्रिकेट में राजस्थान की ओर से खेलने वाले हुड्डा पिछले आईपीएल की तरह ही अभी भी संदिग्ध गेंदबाजों कीसूची में बरकरार हैं। बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी करने वाले हुड्डा ने पिछले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर सेसात आईपीएल मैच खेले थे, लेकिन उनमें से किसी में भी गेंदबाजी नहीं की थी। इस क्रिकेटर ने रणजी ट्रॉफी में एक ओवर और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पांच ओवर किए हैं।

अंतिम बार उन्हें आठ दिसंबर को झारखंड के खिलाफ गेंदबाजी करते देखा गया था। अगर उन्हें फिर से संदिग्ध एक्शन के लिए बुलाया जाता है, तो उन पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध लग सकता है। उन्होंने अहमदाबाद में उस मैच में तीन ओवर फेंके थे और 24 रन देकर तीन विकेट लिए थे। हुड्डा ने भारतीय टीम की ओर से 10 एकदिवसीय और 21 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेले हैं। वह नीलामी के लिए एएल1 (ऑलराउंडर) कैटेगरी में 75 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ शामिल किये गये हैं।

आईपीएल नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ियों पर ही दांव लगाएगी मुम्बई इंडियंस

मुम्बई । 16 दिसंबर को आबू धाबी में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए होने वाली नीलामी में मुम्बई इंडियंस की टीम अनकैप्ड खिलाड़ियों को खरीदने पर ही जोर देगी। इसका कारण है कि कि मुम्बई ने अधिकतर खिलाड़ियों को रिटेन किया है। ऐसे में उनके पास पर्स में केवल 2.75 करोड़ रुपए ही हैं। इन हालातों में मुम्बई का लक्ष्य विकल्प के लिए अधिक से अधिक नये खिलाड़ियों पर बोली लगाना रहेगा। मुंबई ने अधिकतर अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी मुख्य टीम को बनाये रखा। ऐसे में उसके पास नीलामी में स्लॉट भी काफी कम है। मुंबई को केवल 5 खिलाड़ियों की ही जरूरत है, जिसमें से एक जगह विदेशी खिलाड़ी के लिए भी है।

कम बजट होने के कारण टीम केवल अनकैप्ड खिलाड़ियों पर ध्यान देगी। टीम का लक्ष्य कम पैसों में बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करना रहेगा। टीम की नजरें एक स्पिनर के अलावा डेथ ओवर स्पेशलिस्ट और एक बैकअप विकेटकीपर बल्लेबाज पर रहेंगी।

मुंबई इस नीलामी में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले चेतन सकारिया, आकाश मधवाल सहित कुछ और अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है। इसके अलावा मुंबई बेस प्राइस पर बैकअप ओपनर के तौर पर भारतीय टीम से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ को शामिल कर सकती है। स्पिनर के तौर पर चाहर और मयंक मार्कंडेय को शामिल किया जा सकता है।

गनथर के खिलाफ हार के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यूडब्यलूई करियर समाप्त हुआ

वॉशिंगटन । दिग्गज डब्ल्यू डब्यलू ई रेसलर जॉन सीना को यहां कैपिटल वन एरीना में हुए अपने अंतिम मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। सीना को इस मैच में गनथर ने हराया। गनथर के सामने इस मुकाबले में सीना टिक नहीं पाये और उन्होंने हार मान ली। मैच के बाद सीना ने अपनी टी-शर्ट और रिस्टबैंड रिंग में छोड़ने और दर्शकों का अभिवादन करने के बाद रिंग से विदायी दे ली। इस मुकाबले में सीना ने अंतिम बार अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किय पर गनथर के सामने उनकी एक न चली।

इस मुकाबले के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यू डब्यलू ई करियर समाप्त हो गया। इसमें सीना का बनाया हुआ गीत 'माय टाइम इज नाउ' बज रहा था। सीना के प्रतिद्वंदी गुंथर के नाम भी कई रिकार्ड हैं। वह डब्ल्यू डब्यलू ई इतिहास के सबसे लंबे समय तक इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियन रहे हैं और पूर्व विश्व हेवीवेट चैंपियन भी हैं। ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांच मुठभेड़ देखने को मिली। इसमें सीना पूरी ताकत से उतरे। सीना ने पहले ही साफ कर दिया था कि यह उनका आखिरी मैच है और इसके बाद वह सक्रिय रेसर के रूप में नहीं उतरेंगे। सीना ने कहा है कि मुझे अच्छा लगता है कि प्रशंसक सोचते हैं कि मैं फिर लौट सकता हूं हालांकि इस बार ऐसा नहीं होगा। उनके अनुसार यह मुकाबला उनके करियर का अंतिम मैच था। भले ही भविष्य में रेसलमेनिया जैसे बड़े इवेंट हों पर अब वह रिंग में नहीं उतरतेंगे। सीना को पीपल्स चैंपियन भी कहा जाता है। उन्होंने डब्ल्यू डब्यलू ई के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इसे पूरी दुनिया में लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने अपने फाउंडेशन के जरिए हजारों बीमार बच्चों की इच्छाएं पूरी कीं। इसी कारण रिंग के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके प्रशंसकों की भारी संख्या रही है। इसी कारण उनके विदायी मैच में प्रशंसक भावुक हो गये थे।

दिल्ली-एनसीआर में सांसों का आपातकाल

कई जगह एक्यूआई 500 के करीब, ग्रेप-4 लागू; हाइब्रिड मोड में चलेंगी कक्षाएं

नई दिल्ली । राजधानी में हवा की धीमी गति और खराब मौसम के चलते रविवार को हवा इस साल की सबसे खराब श्रेणी में पहुंच गई। सुबह की शुरुआत धुंध और कोहरे से हुई और आसमान में स्मॉग की मोटी चादर के चलते दृश्यता भी कम रही। सांस लेने में हो रही दुश्वारी के बीच लोग मास्क पहने नजर आए। लोगों को आंख में जलन की दिक्कत भी हुई। वहीं, एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली के अनुसार, रविवार सुबह राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 462 दर्ज किया गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह सात बजे को आंकड़ों के अनुसार, राजधानी दिल्ली के अलीपुर में एक्यूआई 439, आनंद विहार में एक्यूआई 491, अशोक विहार में 493, आया नगर में 447, बवाना में 495, बुराड़ी में 473, चांदनी चौक इलाके में 462 एक्यूआई दर्ज किया गया है। वहीं, डीटीयू में 493, द्वारका सेक्टर 8 में 454, आईजीआई एयरपोर्ट टी3 इलाके में 411, आईटीओ में 482, जहांगीरपुरी में 495, लोधी रोड 401, मुंडका 486, नजफगढ़ में 411, पंजाबी बाग में 475, रोहिणी 499, विवेक विहार 495, सोनिया विहार 483, आरकेपुरम 472, वजीरपुर में 493 दर्ज किया गया है।

गाजियाबाद में भी 400 पार पहुंची एक्यूआई

गाजियाबाद में भी एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, वसुंधरा में 482 एक्यूआई दर्ज किया गया है। संजय नगर में 419 और इंदिरापुरम में एक्यूआई 476 दर्ज किया।

नोएडा का एक्यूआई भी 400 से ज्यादा

नोएडा में भी कई इलाकों में 400 से ज्यादा एक्यूआई पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सेक्टर 125 में 456, सेक्टर 1 इलाके में 488 और सेक्टर 62 इलाके में 432, सेक्टर 116 इलाके में 499 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

गुरुग्राम में इतना दर्ज किया गया एक्यूआई

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, गुरुग्राम के एनआईएसई ग्वाल पहाड़ी में 406 एक्यूआई दर्ज किया गया है। टेरी ग्राम में 343, विकास सदन में 293 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

फरीदाबाद का एक्यूआई

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, फरीदाबाद के सेक्टर 30 में एक्यूआई 108, न्यू इंडस्ट्रियल टाउन में 183 और सेक्टर 11 में 369 दर्ज किया गया। दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने शनिवार शाम ग्रेप 4 लागू कर दिया। शनिवार सुबह ग्रेप तीन पाबंदियों की घोषणा की गई थी। इसी के साथ अब दिल्ली में ग्रेप एक दो, तीन और चार की पाबंदियां लागू होंगी। दरअसल, दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बहुत तेजी से खराब हो रही है, जिसे देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की समिति ने तत्काल प्रभाव से सबसे सख्त पाबंदियां ग्रेप 4 लागू करने का फैसला किया है। धीमी हवा, स्थिर वातावरण और खराब मौसम की वजह से प्रदूषक हवा में फैल नहीं पाए, जिससे प्रदूषण बढ़ता गया। इसके साथ ही एनसीआर के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रदूषण को और बढने् से रोकने के लिए अतिरिक्त निवारक कदम उठाएं। अधिकारियों का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। सीएक्यूएम ने लोगों से ग्रेप के सिटीजन चार्टर का पालन करने की अपील की है। स्टेज-1 और 2 के अलावा अतिरिक्त सलाह में छोटी दूरी के लिए पैदल व साइकिल चलाना, सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग, वर्क फ्रॉम होम, कोयला-लकड़ी से गर्माहट न लेना, सुरक्षाकर्मियों को इलेक्ट्रिक हीटर देना और अनावश्यक यात्राएं कम करना शामिल है। फैसले में कहा गया है कि यह चरण 1, 2 और 3 के मौजूदा उपायों के अलावा लागू होगा। एनसीआर के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वायु गुणवत्ता की आगे बिगडने् से रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई को तेज करें। नागरिकों से अपील है कि वे ग्रेप के नियमों का पालन करें ताकि प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सके।

स्कूलों में हाइब्रिड मोड में चलेंगी कक्षाएं

दिल्ली की हवा बेहद खराब स्तर पर पहुंचने के बाद सरकार ने स्कूलों को लेकर अहम फैसला लिया है। ग्रैप स्टेज-4 लागू होने के बीच 9वीं कक्षा तक और 11वीं के छात्रों की पढ़ाई अब हाइब्रिड मोड में कराई जाएगी। यानी जहां संभव होगा, वहां बच्चे स्कूल आकर पढ़ सकेंगे और साथ ही ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प भी खुला रहेगा। वहीं, सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी सरकारी और निजी दफ्तर 50 फीसदी कर्मचारियों के साथ ही चलेंगे। बाकी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से वर्क फ्रॉम होम करना होगा।

50 फीसदी स्टाफ के साथ खुलेंगे सरकारी और निजी दफ्तर

राजधानी की बिगड़ती हवा को देखते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि सभी सरकारी और निजी दफ्तर 50 फीसदी कर्मचारियों के साथ ही चलेंगे।

वैष्णो देवी मंदिर में 20 लाख श्रद्धालु घटे

पहलगाम,बाढ़ और लेंड स्लाइड से डरे श्रद्धालू

जम्मू। माता वैष्णो देवी के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में लगभग 20 लाख कम हो गई है। यहां के होटल, लॉज खाली पड़े हुए हैं। माता के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते थे। जिसके कारण यहां का रोजगार अच्छा था। श्रद्धालुओं की संख्या घटने से रोजगार के अवसर पिछले वर्षों की तुलना में काफी कम हो गए हैं। पहले सभी यात्री जम्मू तक आते थे। उसके बाद कटरा आने के लिए उन्हें बसों टैक्सी और ऑटो का सहारा लेना पड़ता था। अब ट्रेन सीधे कटरा स्टेशन तक पहुंचने लगी है। इससे भी यहां के कारोबार में काफी फर्क पड़ा है। 2022 के बाद से लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही थी। 2022 में 91.25 लाख, 2023 में 95.22 लाख, 2024 में 94.84 लाख तथा 2025 में मात्र 70 लाख श्रद्धालु यहां माता के दर्शन करने के लिए पहुंचे हैं।

तीन बड़ी वजह

पहलगाम अटैक के बाद यहां पर ट्रेन बंद कर दी गई थी। मई में ऑपरेशन सिंदूर हुआ था। भारत और पाकिस्तान के बीच में तनाव बना हुआ था। जिसके कारण श्रद्धालु कम आये।

बारिश बाढ़ और लैंड स्लाइड के कारण अगस्त माह से काफी अफरा तफरी का माहौल था। रेलवे ट्रैक उखड़ गए थे। कई पुल गिर चुके थे। जिसके कारण यहां श्रद्धालुओं का आना कम हुआ। पिछले वर्षों में अयोध्या तथा वाराणसी जाने वाली श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी के साथ इजाफा हुआ है। जिसके कारण वैष्णो देवी में श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है। श्रद्धालुओं की संख्या घटने से यहां के घोड़ा-पिट्ठू से लेकर, ऑटो टैक्सी और होटल के धंधे में काफी नुकसान हुआ है। लगभग 2500 करोड रुपए के रोजगार का नुकसान यहां के लोगों को हुआ है। यह बताया जा रहा है। होटल,टैक्सी, और घोड़ा पिट्ठू वाले इन दिनों काफी परेशान हैं।

हेलीकॉप्टर सेवा बेअसर

श्रद्धालुओं की संख्या घटने के बाद भी हेलीकॉप्टर की बुकिंग में जरा भी कमी नहीं आई है। हेलीकॉप्टर अपनी क्षमता के साथ दिन में कम से कम 90 चक्कर लगा रहे हैं। जो यात्री आ रहे हैं, वह हेलीकॉप्टर से मां के दर्शन करके उसी दिन वापस लोट जाते हैं। जिसका असर अन्य सेक्टर के रोजगार और धंधों पर पड रहा है।

हमारी जिम्मेदारी पूरी तरह से संविधान और उन लोगों के प्रति है जिनकी यह रक्षा करता है

नई दिल्ली। भारत के नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कॉलेजियम प्रक्रिया को और खोलने तथा लंबित मामलों से निपटने के लिए अपने रोडमैप पर चर्चा की है। उन्होंने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में अपने 14 सालों के कार्यकाल में ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए दिए गए कई आदेशों के बारे में बात की। इसके साथ ही उन्होंने कॉलेजियम प्रणाली में सुधार की वकालत भी की। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब 2015 के आसपास यह मामला उन्हें सौंपा गया था, तब पंजाब में ड्रग्स का खतरा अत्यधिक अनियंत्रित था। उन्होंने इसे धैर्य की वास्तविक परीक्षा बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आदेश से हल होने वाला मामला नहीं था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सीजेआई को मास्टर ऑफ रोस्टर कहा जाना सही है, लेकिन इस भूमिका को अक्सर गलत समझा जाता है। सीजेआई सुप्रीम कोर्ट का सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश होता है और यह वरिष्ठता न्यायिक भूमिका के साथ-साथ अतिरिक्त प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी लाती है। उन्होंने साफ कहा कि इसका अर्थ यह नहीं है कि मामले एकतरफा तरीके से सौंपे जाते हैं। व्यवहार में ये निर्णय अन्य न्यायाधीशों के साथ उनकी उपलब्धता, अनुभव के क्षेत्रों और न्यायालय के समग्र कामकाज को ध्यान में रखते हुए विचार-विमर्श के बाद लिए जाते हैं। न्यायिक स्वतंत्रता पर जस्टिस कांत ने पूर्ण सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे देश में प्रभावी न्याय वितरण प्रणाली की आधारशिला है, और यह संविधान में निहित शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के साथ चलती है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी पूरी तरह से संविधान और उन लोगों के प्रति है जिनकी यह रक्षा करता है। सोशल मीडिया पर जजों की हो रही आलोचना पर सीजेआई ने कहा कि सोशल मीडिया को नियंत्रित करने की कोई जरुरत नहीं है, क्योंकि यह स्वतंत्रता को बाधित करने वाला एक कठोर उपाय होगा। उन्होंने माना कि जब कोर्ट की कार्यवाही के संक्षिप्त अंश या स्निपेट्स संदर्भ के बिना ऑनलाइन साझा किए जाते हैं, तो गलतफहमी करीब अपरिहार्य होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आलोचना अक्सर अज्ञानता से उत्पन्न होती है और इसे नजरअंदाज किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि कर्तव्यों से ध्यान हटाकर सोशल मीडिया पर ध्यान केंद्रित करने से न्याय की गुणवत्ता प्रभावित होगी। सीजेआई सूर्यकांत ने कॉलेजियम प्रणाली का बचाव किया लेकिन स्वीकार किया कि किसी भी प्रणाली में सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। उम्मीदवारों के साथ व्यक्तिगत बातचीत एक स्वागत योग्य कदम है, जो कॉलेजियम के सदस्यों को उम्मीदवार का सीधे आकलन करने में मदद करता है। उन्होंने योग्यता, सत्यनिष्ठा और अनुभव पर और भी ज्यादा जोर देने की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अब नियुक्तियों में अनुमोदन और अस्वीकृति के लिए कारण बताने का प्रयास किया जाता है, जो ज्यादा खुलेपन की दिशा में एक अहम बदलाव है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि प्रक्रिया अंतर्निहित रूप से जटिल है और प्रणाली की अखंडता बनाए रखने के लिए कुछ आंतरिक प्रक्रियाओं को सार्वजनिक डोमेन में पूरी तरह से नहीं रखा जा सकता है।

कांग्रेस विधायक का दावा, कहा-

फलां-फलां तारीख को डीके लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर सरगर्मी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पहले दिल्ली में शांत कराई गई थी, लेकिन अब फिर से सियासी पारा चढ़ता दिख रहा है। हाल ही में एक कांग्रेस विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने भविष्यवाणी की है, कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 6 या 9 जनवरी को मुख्यमंत्री बन जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इसी तारीख के आसपास सिद्धारमैया दिवंगत नेता डी देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़कर कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता बन जाएंगे।

विधायक हुसैन डीके शिवकुमार के मजबूत समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि 99 प्रतिशत संभावना है कि शिवकुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। तारीख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने इसे एक यादृच्छिक संख्या बताया और कहा कि हर कोई यही चर्चा कर रहा है। यह 6 जनवरी या 9 जनवरी हो सकती है। रामनगर से विधायक हुसैन ने यह भी मांग की कि शिवकुमार को मौका देने के लिए सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने खुले तौर पर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की वकालत की और एक दिन पहले भी अपनी यह इच्छा सार्वजनिक रूप से जाहिर की थी।

इस बीच, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और भाजपा सांसद वी सोमन्ना ने गृह मंत्री जी परमेश्वर को मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन देने की बात कही। तुमकुरु में एक कार्यक्रम के दौरान सोमन्ना ने कहा कि सत्ता मिलना किस्मत की बात है। उन्होंने परमेश्वर की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी इच्छा है कि वे मुख्यमंत्री बनें और यह तुमकुरु के लोगों की भी भावना है। जब डीके शिवकुमार का नाम लिया गया, जो खुद एक मजबूत दावेदार हैं, तो सोमन्ना ने कहा कि

यह अलग बात है और शिवकुमार का भविष्य उनकी किस्मत पर निर्भर करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आचरण किस्मत से भी बड़ा होता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 14 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मिलने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पर चर्चा होगी। यह मुलाकात नई दिल्ली में कांग्रेस की एक बड़ी रैली के बाद होगी। इस रैली का उद्देश्य सत्ता पक्ष पर आरोप लगाना था।

कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के पास लगभग 140 विधायक हैं, जो बहुमत देते हैं। नवंबर में सरकार के पांच साल के कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा होने के बाद से नेतृत्व बदलाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। खबरें हैं कि नई पीढ़ी को मौका देने के लिए मुख्यमंत्री पद को ढाई-ढाई साल के लिए बांटने का एक संभावित समझौता हुआ है। हालांकि, न तो पार्टी और न ही किसी नेता ने आधिकारिक तौर पर ऐसे किसी समझौते की पुष्टि की है। शिवकुमार ने कुछ समय पहले बिना विवरण दिए एक गुप्त समझौते का जिक्र किया था।

वर्तमान में 63 वर्षीय शिवकुमार ने 77 वर्षीय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ कोई खुला कदम नहीं उठाया है। फिर भी, पार्टी के अंदर गुटबाजी और दबाव की स्थिति बनी हुई है। विधायक हुसैन जैसे समर्थक खुले तौर पर शिवकुमार की दावेदारी मजबूत कर रहे हैं, जबकि सिद्धारमैया अपने कार्यकाल को पूरा करने और रिकॉर्ड बनाने पर फोकस कर रहे हैं। यह स्थिति कर्नाटक कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि एकजुटता दिखाना जरूरी है, लेकिन अंदरूनी कलह पार्टी की छवि को प्रभावित कर सकती है। आने वाले दिनों में दिल्ली की बैठक और पार्टी हाईकमान के फैसले पर सभी की नजरें टिकी हैं। क्या नेतृत्व बदलाव होगा या सिद्धारमैया अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, यह जल्द ही स्पष्ट हो सकता है। राज्य की राजनीति में यह घमासान आगे और तेज होने की संभावना है।

पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में वहां के लोगों के साथ भारत मजबूती से खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आज हुए उस भयावह आतंकवादी हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें यहूदी पर्व हनुक्का के पहले दिन का जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा- भारत की जनता की ओर से मैं उन परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया की जनता के साथ एकजुटता से खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच पर आज हुए भयावह आतंकवादी हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन का जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाया गया था। भारत की ओर से मैं उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

केरल की जनता के भरोसे से आगामी चुनावों के लिए नई ताकत और आत्मविश्वास मिला- प्रियंका

नई दिल्ली। केरल की वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने कहा है कि राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों के परिणाम एक ऐसी सरकार के लिए लोगों की उम्मीदों को दर्शाते हैं जो उनके संघर्षों को समझे और ईमानदारी से उनका जवाब दे। साथ ही उन्होंने केरल की यूडीएफ सरकार पर भरोसा जताने के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद दिया है।

प्रियंका गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि केरल के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने, उनकी आवाज को ध्यान से सुनने और ईमानदार, संवेदनशील और जनहितैषी शासन के लिए हर दिन काम करने की उनकी पार्टी की प्रतिबद्धता ''स्पष्ट और हृदय से महसूस की जाने वाली'' थी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे महज एक राजनीतिक परिणाम से कहीं ज्यादा है। यह एक ऐसी सरकार के लिए जनता की उम्मीदों को दर्शाते हैं जो उनकी समस्याओं को समझती है और ईमानदारी से उनका समाधान

नेहरू सरकार ने लोकतंत्र का घोंटा था गला, केरल सरकार को कर दिया था बर्खास्त

अमेरिकी और ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों के इसमें शामिल होने के लगे थे आरोप

नई दिल्ली। वैशाली गणराज्य ने पहली बार दुनिया को लोकतंत्र से रूबरू कराया था। 1940 के दशक में कई देशों ने आजादी हासिल की थी, उनमें से भारत ऐसा राष्ट्र है, जहां लोकतंत्र आज भी फल-फूल रहा है। तमाम तरह की घटनाओं और आघात के बाद भी भारत का गणतंत्र आज भी हिमालय की तरह सिर उठाए अडिग और अविचल है। देश के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू को लोकतंत्र का अगुआ माना जाता है, लेकिन उनकी सरकार पर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को एकतरफा तरीके से बर्खास्त करने का दाग भी है।

नेहरू सरकार ने संविधान के उस प्रावधान का इस्तेमाल किया, जिसके बारे में देश के नीति-निर्माताओं ने शायद ही इस तरह से सोचा हो। पंडित नेहरू की सरकार ने 31 जुलाई 1959 को अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल करते हुए केरल की पहली निर्वाचित सरकार को बर्खास्त कर दिया था। बताया जाता है कि केरल की ईएमएस नंबूदरीपाद सरकार दुनियाभर में पहली कम्यूनिस्ट सरकार थी, जिसने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपनाते हुए सत्ता हासिल की थी।

भारत में किसी चुनी हुई सरकार को पहली बार सत्ता से बेदखल किया गया था। नेहरू सरकार ने आरोप केरल की नंबूदरीपाद सरकार पर राज्य की शासन व्यवस्था को उचित तरीके से न संभालने का आरोप लगाया गया था। केरल की लोकतांत्रिक सरकार को जब बर्खास्त किया गया था तो उस वक्त प्रदेश में मुक्ति संग्राम चल रहा था। विरोध-प्रदर्शन के साथ ही हिंसक घटनाएं भी हो रही थीं। हालांकि, वामपंथी नेताओं का कहना था कि प्रदेश में जानबूझकर ऐसी घटना क्रिएट की गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी और ब्रिटिश खुफिया एजेंसियों के इसमें शामिल होने के भी आरोप लगे थे। कुछ हलकों में तो यह भी कहा जाता है कि केरल के 'चीन बनने' के खतरे से अमेरिका से यूरोप तक में खलबली मची थी। वामपंथी सरकार का इस तरह से चुनकर सत्ता में आना उस वक्त न तो अमेरिका और न ही ब्रिटेन को भा रहा था। कहा जाता है कि इसी वजह से केरल की चुनी हुई वाम सरकार को गिराने की कथित तौर पर साजिश रची गई थी।

31 जुलाई 1959 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने संविधान के अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल करते हुए केरल के निर्वाचित सीएम नंबूदरीपाद और उनकी मंत्रिपरिषद को बर्खास्त कर दिया। राज्य विधानसभा को भंग करने का आदेश दे दिया गया। यह फैसला कई महीनों से चल रहे विरोध-प्रदर्शनों और हिंसा के बाद लिया गया था। इससे एक ऐसी मिसाल कायम हुई, जिसमें गैर-कांग्रेस सरकारों के खिलाफ इस प्रावधान का इस्तेमाल आगे के दशकों में बार-बार किया गया।

प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने शुरू में इस कदम को लेकर हिचक दिखाई थी, लेकिन अंत में उन्होंने अपनी कैबिनेट की सलाह मानते हुए नंबूदरीपाद सरकार को हटाने पर सहमति दे दी। सरकार को हटाने का कारण कानून-व्यवस्था के बिगड़ने को बताया गया।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण का दावा, 19 दिसंबर को सत्ता में होगा बदलाव, एक मराठी व्यक्ति बनेगा प्रधानमंत्री

पुणे,। देश की राजनीति में एक बड़े उलटफेर की संभावना व्यक्त करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने एक सनसनीखेज भविष्यवाणी की है। पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा करते हुए पत्रकारों से कहा कि, 19 दिसंबर को देश में अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक भूकंप आएगा। भारत का प्रधानमंत्री बदलेगा और वह प्रधानमंत्री एक मराठी व्यक्ति होगा। खास बात यह है कि उन्होंने यह भी इशारा किया है कि यह व्यक्ति भाजपा से हो सकता है। दरअसल पुणे से सटे पिंपरी-चिंचवड़ में जनगणमन किताब के विमोचन के बाद मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज चव्हाण ने यह सनसनीखेज भविष्यवाणी की। उन्होंने अपने दावे के लिए इंटरनेशनल डेवलपमेंट का हवाला दिया है। चव्हाण ने कहा कि दुनिया भर में जो कुछ भी हो रहा है, उसका असर भारतीय राजनीति पर भी पड़ेगा। इस मौके पर उन्होंने अमेरिका के एक अहम मामले का जिक्र किया। चव्हाण ने कहा कि वहां कई बड़े नेताओं के बंगलों में कैमरे लगाकर बड़े पैमाने पर स्टिंग ऑपरेशन किया गया। उन्होंने दावा किया कि इस स्टिंग ऑपरेशन से कई असरदार लोगों के गंभीर मामले सामने आने की संभावना है, जिससे अमेरिका में बड़ा राजनीतिक और सामाजिक हंगामा हो सकता है। दावा किया गया है कि इस स्टिंग ऑपरेशन को करने वाला व्यक्ति एक इजरायली जासूस है। पृथ्वीराज चव्हाण के मुताबिक, अमेरिकी सरकार जल्द ही एक कानून बनाकर 19 दिसंबर को इस स्टिंग ऑपरेशन में पकड़े गए बड़े लोगों के नामों की घोषणा कर सकती है। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनके पास इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है कि इस सूची में किन लोगों के नाम होंगे।

विधानसभा चुनाव से पहले सीएम ने खेला दांव, केएमयूटी योजना का दूसरा चरण शुरु

नई दिल्ली। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव पांच महीने दूर हैं। ऐसे में सीएम एमके स्टालिन ने अपनी प्रमुख महिला कल्याण योजना कलाइग्नर मगलिर उरिमाई थिट्टम (केएमयूटी) के दूसरे चरण की शुरुआत कर दी है। इस विस्तार से राज्य भर में अतिरिक्त 17 लाख महिलाओं को फायदा होगा। इससे योजना के लाभार्थियों की कुल संख्या 1.3 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। यह घोषणा चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में की गई।

इस योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को हर महीने सीधे बैंक खाते में 1000 रुपए ट्रांसफर किए जाते हैं। योजना की औपचारिक शुरुआत 15 सितंबर 2023 को हुई थी और तब से हर महीने की 15 तारीख को राशि जमा होती है। पहले चरण में 1.14 करोड़ से ज्यादा महिलाएं पात्र पाई गईं और उन्हें लाभ मिल रहा है। अब दूसरे चरण के साथ कुल लाभार्थी 1.3 करोड़ हो जाएंगे। सीएम स्टालिन ने कहा कि उन्होंने कई घंटे महिलाओं की कहानियां सुनीं, जो बेहद प्रेरणादायक थीं। उन्होंने कहा कि मैं आभार और नई ऊर्जा से भरा हूं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए और ज्यादा काम करने का संकल्प लेता हूं।

ममता सरकार ने कोलकाता को पूरी दुनिया के सामने हंसी का पात्र बना दिया

नई दिल्ली। फुटबॉल के मशहूर खिलाड़ली और आइकॉन लियोनेल मैसी का भारत दौरा कोलकाता से शुरू हुआ, लेकिन स्टेडियम में फैली अव्यवस्था की वजह से यह ममता सरकार के लिए सिरदर्द बन गया है। बीजेपी लगातार सरकार पर हमला कर रही है। इस क्रम में बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने इस पूरे घटनाक्रम पर वैश्विक मीडिया की रिपोर्ट्स को साझा करते हुए लिखा कि ममता सरकार ने कोलकाता को पूरी दुनिया के सामने हंसी का पात्र बना दिया। सुवेंद्र ने इस पूरी अव्यवस्था के लिए ममता सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने लिखा- सॉल्ट लेक स्टेडियम में ममता प्रशासन की घोर विफलता ने कोलकाता को वैश्विक स्तर पर हंसी का पात्र बना दिया है। उन्होंने और उनके अक्षम मंत्रियों ने मिलकर एक सार्वजनिक समारोह को एक निजी कार्यक्रम में बदल दिया। उनकी हरकतों ने स्टेडियम में अराजकता को जन्म दिया। उन्होंने इसे वैश्विक मंच पर भारत और कोलकाता का अपमान बताते हुए ममता पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि माफी मांगना और चतुराई से सारा दोष किसी और पर डाल देना या किसी को बलि का बकरा बना देना टीएमसी सरकार की अक्षमता को नहीं छिपा सकेगा।

बालाघाट
सोमवार 15 दिसंबर 2025

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन

पद्मेश न्यूज शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

फेसबुक से दोस्ती, फिर प्यार और नाबालिग हो गयी गर्भवती!!

गिरफ्तार युवक सत्यम भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली पुलिस ने एक 14 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर लिये। गिरफ्तार युवक सत्यम पिता राकेश पोटफोड़े 21 वर्ष ग्राम मेहंदीवाडा थाना वारासिवनी निवासी है। इस युवक ने फेसबुक से दोस्ती कर इस नाबालिक को शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था जो इन दिनों 6 माह की गर्भवती है। गिरफ्तार इसी युवक को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भरवेली थाना क्षेत्र में रहने वाली यह यह नाबालिग कक्षा नवमी की पढ़ाई कर रही है। 6 माह पहले फेसबुक के माध्यम से इस नाबालिग की पहचान सत्यम पोटफोड़े मेहंदीवाड़ा निवासी के साथ हुई थी। और फेसबुक से दोस्ती प्रेम

संबंध में बदल गई और इस दौरान सत्यम ने इस नाबालिक को शादी करने का प्रलोभन दिया था। और यह नाबालिग सत्यम के झांसे में आ गई। इसी के साथ सत्यम इस नाबालिक के गांव जाकर उसे जंगल में ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने लगा था। लगातार शारीरिक संबंध बनाने से यह नाबालिक गर्भवती हो गई। इस नाबालिग ने सत्यम को गर्भवती होने के संबंध में बताई थी किंतु सत्यम ने इस नाबालिग को गाली गुप्तार और जान से मार डालने की धमकी दे दी और शादी करने से मुकर गया । जब परिवार वालों को कुछ एहसास हुआ तो समझे कि इस लड़की की स्वास्थ्य ठीक नहीं है तब उन्होंने इस ओर ज्यादा ध्यान नहीं दिए। लेकिन नाबालिग के गिरते स्वास्थ्य को देखकर जब उन्होंने चेक करवाये तब डॉक्टर ने उसे 6 माह की गर्भवती होना बताएं। जिसके बाद इस नाबालिक ने सत्यम द्वारा किए गए कृत्य के संबंध में अपने परिवार वालों को बताई और रिपोर्ट करने के लिए भरवेली पुलिस थाना पहुंची भरवेली पुलिस ने इस मामले में सत्यम पोटफोड़े ग्राम मेहंदीवाडा थाना वारासिवनी निवासी के विरुद्ध नाबालिग को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम कि संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। जिसकी विवेचना उप निरीक्षक आर पी मेश्राम ने शुरू की थी। विवेचना दौरान 13 दिसंबर को उप निरीक्षक श्री मेश्राम ने सत्यम पोटफोड़े को उसके गांव मेहंदीवाड़ा में गिरफ्तार किया और बालाघाट की विशेष अदालत में पेश कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

सिरका जंगल : 10.40 लाख रूपये, 7 रायफलें और 90 राउंड समेत घातक हथियारों का जखीरा जब्त

हार्डकोर माओवादी दीपक उर्फ सुधाकर की निशानदेही पर नक्सल डंप बरामद

एक्सप्रेस विशेष
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश के बालाघाट पुलिस ने किरनापुर के सिरका जंगल से लाखों रुपए के अलावा घातक हथियारों का जखीरा समेत नक्सल साहित्य और नक्सल सामग्री बरामद किया है। सूत्रों के मुताबिक बालाघाट पुलिस ने सिरका के जंगल से नक्सलियों द्वारा छुपाई गई रकम को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि आत्मसर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर पुलिस को यह सफलता मिली है। वहीं केंद्रीय एजेंसियां भी इन आत्मसमर्पित नक्सलियों से पूछताछ कर अहम जानकारी हासिल कर रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक बालाघाट पुलिस ने सिरका के जंगल से 10.40 लाख रुपए जब्त किया है। नक्सलियों ने उक्त रकम को जमीन में डंप कर रखा था। इसके अलावा पूछताछ में नक्सलियों की ओर से कुछ और हथियार छुपाने संबंधी जानकारी भी दी है। आत्मसर्पण करने के पश्चात नक्सलियों से लगातार केंद्रीय एजेंसियां भी सवाल-जवाब कर रही है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की राज्य की खुफिया एजेंसी भी एक-दूसरे के यहां पहुंचकर गोपनीय जानकारी हासिल कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक इधर, केंद्र की आईबी, एनआईए व राज्य की खुफिया एजेंसियां तीनों राज्यों के आत्मसर्पित नक्सलियों से बारी-बारी से पूछताछ कर रही है। बालाघाट में सरेंडर करने वाले नक्सलियों से पुलिस कई राज पता कर रही है।इस तरह सरेंडर करने वाले नक्सली अब पुलिस को जंगल में छिपा कर रखे नक्सली साहित्य, हथियार और अन्य सामग्रियां बरामद करा रहे हैं। इसके अलावा माओवादियों से पुलिस अन्य जानकारियां हासिल कर रही है।

नक्सल साहित्य और हथियार मिले

बालाघाट में आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों में हार्डकोर नक्सली दीपक उर्फ सुधाकर की निशानदेही पर 13 दिसंबर को पुलिस ने किरनापुर क्षेत्र से नक्सल साहित्य और हथियार जो छिपा कर रखे गए थे उसे बरामद किया है। भारी मात्रा में नक्सल साहित्य 07 रायफल, 90 राउंड के साथ साथ 10.40 लाख हजार रूपये नगदी बरामद हुए है। यह डंप बरामद करने की कार्यवाही पुलिस ने किरनापुर थाना क्षेत्र के सिरका के जंगल से की है।

नक्सली कबीर की निशानदेही पर डंप जब्त

गत दिनों भी पुलिस ने सरेण्डर नक्सली कबीर उर्फ सुरेंद्र की निशानदेही पर भी गढ़ी थाना क्षेत्र के सुपखार और कान्हा नेशनल पार्क इलाके से भी बड़ा डंप बरामद किया है। जहां डंप से आधुनिक हथियार खाद्य सामाग्री 303 बोर रायफल वायरलेस सेट बरामद किया था ।

अपराधियों पर शिकंजा, विशेष कॉम्बिंग अभियान में 51 गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से लगातार रात्रिकालीन कॉम्बिंग गस्त की जा रही है। इसी क्रम में 13-14 दिसंबर की दरम्यानी रात जिलेभर में एक विशेष कॉम्बिंग गस्त अभियान संचालित किया गया। यह अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट निहित उपाध्याय के मार्गदर्शन में चलाया गया। अभियान के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक, समस्त अनुविभागीय अधिकारी तथा जिले के सभी थाना प्रभारियों ने 100 से अधिक पुलिस बल के साथ स्वयं अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पहुंचकर कार्रवाई की। कॉम्बिंग गस्त के दौरान चोरी, मारपीट, अवैध वसूली, चाकूबाजी, महिला संबंधी अपराधों सहित अन्य गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की रातभर सर्च ऑपरेशन चलाकर गिरफ्तारी की गई। पकड़े गए सभी आरोपी अपने-अपने प्रकरणों में काफी समय से वांछित थे। इन गिरफ्तारियों से लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण में सहायता मिलेगी। अभियान के दौरान पुलिस द्वारा 140 से अधिक निगरानी बदमाशों, गुंडा बदमाशों एवं सूचीबद्ध अपराधियों की चेकिंग की गई,

जिसमें 51 आरोपियों की गिरफ्तारी, जिनमें स्थायी वारंटी भी शामिल हैं, की गई। चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखते हुए संबंधित व्यक्तियों को सख्त चेतावनी भी दी गई। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए भविष्य में भी ऐसे सघन और प्रभावी कॉम्बिंग अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि गुंडा-बदमाश, माफिया एवं असामाजिक तत्व जिले की शांति व्यवस्था में बाधा न डाल सकें।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता

समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ

रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

सिवनी-बालाघाट मार्ग पर दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, एक युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिवनी-बालाघाट मुख्य मार्ग पर रविवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसने क्षेत्र में सनसनी फैला दी। तेज गति से जा रही कार और सामने से आ रहे भारी ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार में सवार चार अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यह दुर्घटना सिवनी जिले के बरघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत बेहरई गांव स्थित हनुमान मंदिर के पास रविवार रात करीब 7 से 8 बजे के बीच हुई। जानकारी के अनुसार बालाघाट जिले के पांच युवक जेस्ट कार से सिवनी की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार बेहरई के पास पहुंची, उसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक क्रमांक MP- 20 ,HB - 5338 से उनकी कार की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार युवक वाहन के अंदर बुरी तरह फंस गए। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल मदद करते हुए पुलिस को

सूचना दी। सूचना मिलते ही बरघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से रेस्क्यू कर घायलों को बाहर निकाला गया।घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में इरसाद पिता कल्लू खान, निवासी बालाघाट की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि जुबैर शेख पिता जमीर शेख, तौफीक खान पिता जमीर खान, सौरभ पांडे पिता सेवकराम पांडे और फैज खान पिता शाहिद खान गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका उपचार अस्पताल में जारी है।हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी में सुरक्षित रखवाया गया है।लालबर्रा थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने बताया कि यह दुर्घटना सिवनी जिले के बरघाट थाना क्षेत्र में हुई है। प्रारंभिक जांच में वाहन की तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पार्ट टाइम जॉब

हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।

पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।

वेतन-योग्यतानुसार

सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (म.प्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghate&press@gmail.com

आवश्यकता है

पेट्रोल पंप में काम करने हेतु

- युवक-4 पद
- मेनेजर-2 पद
- युवती-4 पद
- नाईट वाचमेन- 1पद

की आवश्यकता है। वेतनमान-योग्यतानुसार

सम्पर्क करें- अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मो.नं. 6260987149, 7974436365, 9822219741, 9713298484

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट